सेंसेक्स	82,134.61
निफ्टी	25,151.95
सोना	71,350
चांदी	88,500
डॉलर	83.88

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
सोमवार 02 सितम्बर 2024
भाद्रपद कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2081
वर्ष 15, अंक 341
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

केसी त्यागी ने दिया इस्तीफा, राजीव रंजन को दी गई जिम्मेदारी

पटना। बिहार के कद्दावर नेता केसी त्यागी ने जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके पीछे निजी कारण बताए जा रहे हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि उनके हाल ही में दिए गए बयान से जदयू में नाराजगी चल रही थी। वे पार्टी लाइन से हटकर बयान दे रहे थे। वहीं अब उनकी जगह राजीव रंजन प्रसाद को जदयू का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। बता दे कि केसी त्यागी का जदयू में बड़ा कद है और वे लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे थे। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नजदीकी और भरोसेमंद नेता है।

कांग्रेस नेता ने परिवार समेत खाया जहर, सभी की मौत

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक कांग्रेस नेता ने अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ जहर खाकर खुदकुशी कर ली। बड़े बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं कांग्रेस नेता, पत्नी और छोटे बेटे को गंभीर हालत में बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में भर्ती किया गया जहां तीनों ने रविवार सुबह दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक कर्ज से परेशान कांग्रेस नेता ने यह कदम उठाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांजगीर के बोंगापार निवासी कांग्रेस नेता पंचराम यादव (66) पत्नी दिनेश नंदनी यादव (55) पुत्र नीरज यादव बंटी (28) और सूरज यादव (25) ने विगत दिवस जहर खा लिया था। किसी को पता न चले इसलिए उन्होंने घर के बाहर से दरवाजे में ताला लगा दिया था और पीछे के दरवाजे से जाकर दरवाजा अंदर से बंद कर दिया।

हरियाणा में टिकटों को लेकर मचा घमासान, शाह ने किया दौरा रद्द

जींद। हरियाणा में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। सभी पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवार को मैदान में उतारे मंथन कर रही हैं। वहीं बीजेपी में टिकटों को लेकर घमासान मचा हुआ है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हरियाणा दौरे पर जाने वाले थे अब उनका यह दौरा रद्द हो गया है। उन्हें एक सितंबर को जींद में जन आशीर्वाद रैली में शामिल होना था। इसी रैली से बीजेपी राज्य में चुनाव अभियान की शुरुआत करनी वाली थी। सूत्रों के मुताबिक माना जा रहा है टिकटों पर मचे घमासान को लेकर अमित शाह ने जींद रैली में आना रद्द कर दिया है। रैली के संयोजक पूर्व सांसद संजय भाटिया ने शनिवार को शाह का कार्यक्रम रद्द होने की जानकारी दी।

परवेज मुशर्रफ की 13 बीघा जमीन नीलाम करेगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ और उनके भाईयों के नाम करीब 13 बीघा जमीन है, जिसे उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार बेचने जा रही है। इसके लिए बोली लगाई जाएगी। भारत सरकार के आदेश पर योगी सरकार शत्रु संपत्ति नियम के तहत यह कार्रवाई कर रही है। 5 सितंबर तक इसकी निलामी प्रक्रिया चलेगी। विभाजन से पहले मुशर्रफ का परिवार बागपत जिले के कोताना गांव में रहता था। उनके पिता मुशर्रफुद्दीन और माता बेगम जरीन दोनों ही इसी गांव की रहने वाली थीं। यह परिवार आजादी से पहले 1943 में दिल्ली जाकर रहने लगा। गांव में उनकी एक हवेली थी, जो कि अब खंडहर में तब्दील हो चुकी है। भारत का बंटवारा होने के बाद यह परिवार पाकिस्तान चला गया।

मप्र कई जिलों में तेज बारिश...विदिशा में बारिश से शिवराज के कार्यक्रम का पंडाल गिरा

आंध्र प्रदेश में 8 की मौत, तेलंगाना में रेल पटरी बही

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में बारिश के कारण हाहाकार मचा हुआ है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में पिछले दो दिन से भारी बारिश हो रही है। कई इलाकों में बाढ़ से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त है। पिछले 24 घंटों में आंध्र के विजयवाड़ा में लैंडस्लाइड में 5 लोगों की मौत हो गई। गुंटूर में 3 लोग नहर में डूब गए। तेलंगाना में केसमुद्रम और महबूबाबाद के बीच रेलवे पटरी बह गई। दिल्ली-विजयवाड़ा रूट पर सभी ट्रेनें बंद कर दी गई हैं। आंध्र और तेलंगाना आने-जाने वाली करीब 6 ट्रेनें कैंसिल और 9 डायवर्ट की गई हैं। वहीं मप्र में बारिश का सिस्टम फिर एक्टिव हो गया है। भोपाल, इंदौर में दोपहर करीब 3 बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। विदिशा में दोपहर करीब 2 बजे काले बादल छाए और पानी गिरने लगा। कुछ ही मिनटों में निचले इलाकों में पानी भर गया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम के लिए सांस्कृतिक भवन में लगाया गया पंडाल गिर गया।

मौसम विभाग ने तेलंगाना में सोमवार को भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके चलते सभी स्कूल सोमवार को बंद रहेंगे। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में भी 5 दिन का अलर्ट है। मप्र-राजस्थान में सितंबर शुरू होने के साथ तेज बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बाढ़ और लैंडस्लाइड की भी संभावना जताई है। गुजरात के बडोदरा में 27 से 29 अगस्त के बीच 24 मगरमच्छ रिहाइशी इलाकों में घुस गए।

वाराणसी में 55 घाट डूबे

उत्तर प्रदेश में बीते 7 दिनों से गंगा का जलस्तर बढ़ा हुआ है। वाराणसी में 55 घाट गंगा में डूबे हुए हैं। बलिया में गंगा खतरे के निशान से ऊपर है। मौसम विभाग ने बताया कि अगस्त में देश के नॉर्थ-वेस्ट हिस्से में 253.9 मिमी बारिश हुई। 2001 के बाद से अब तक यह दूसरी सबसे अधिक बारिश है।

सितंबर में 5 राज्यों में बाढ़-लैंडस्लाइड का अलर्ट

सितंबर में भी सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। सितंबर में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। इन क्षेत्रों में अत्यधिक भारी वर्षा से बाढ़ आ सकती है। इसके अलावा लैंडस्लाइड को लेकर भी अलर्ट रहना होगा।

आज 18 राज्यों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने 2 सितंबर को कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर, असम, नगालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की संभावना जताई है। गुजरात के कई जिलों में अगले 3 दिन तक बारिश का ऑरेंज और यलो अलर्ट रहेगा। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग ने 2 सितंबर को भारी बारिश का अनुमान जताया है।

7 संभागों में बारिश का येलो अलर्ट

बंगाल की खाड़ी में बना अवदाब का क्षेत्र दक्षिणी छत्तीसगढ़ के आसपास पहुंच गया है। मानसून द्रोणिका भी मध्य प्रदेश से होकर गुजर रही है। इस वजह से प्रदेश के अधिकतर जिलों में वर्षा होने लगी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक ग्वालियर, चंबल, सागर, जबलपुर, नर्मदापुरम, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में रुक-रुककर वर्षा का सिलसिला दो से तीन दिन तक बना रह सकता है। रीवा, शहडोल संभाग के जिलों में हल्की वर्षा हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, अवदाब का क्षेत्र वर्तमान में दक्षिणी छत्तीसगढ़ एवं उससे लगे ओडिशा एवं आंध्रप्रदेश पर बना हुआ है। मानसून द्रोणिका श्रीगंगानगर, गुना, मंडला से अवदाब के क्षेत्र से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है।

असम में जुम्मा ब्रेक पर एनडीए में फूट, जेडीयू के बाद एलजेपी ने भी किया विरोध

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा धार्मिक प्रथाओं की स्वतंत्रता का सम्मान करें

नई दिल्ली। असम सरकार के जुम्मे की नमाज के लिए ब्रेक देने पर रोक लगाने के फैसले से एनडीए में फूट पड़ गई है। बीते दिन जेडीयू ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये लोगों के अधिकार छीनने का काम किया जा रहा है। इस बीच अब चिराग पासवान की पार्टी ने इस फैसले का विरोध किया है।

जेडीयू के बाद अब एलजेपी (रामविलास) पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष राजू तिवारी ने असम सरकार के फैसले पर आपत्ति जताई है। उन्होंने असम की सरमा सरकार को सुझाव दिया कि धार्मिक प्रथाओं की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए। बिहार के दोनों सहयोगियों ने हाल ही में कोटा प्रावधानों का पालन किए बिना केंद्र के लेटरल एंट्री सिस्टम पर सवाल उठाया था जिसके बाद सरकार ने अपना फैसला वापस ले लिया था।

दरअसल, केंद्र सरकार ने देश में कुछ महत्वपूर्ण पदों पर गैर आईएएस लोगों को बैठने के लिए सीधी भर्ती की कोशिश की थी।

दूसरी ओर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने असम में जुम्मा की नमाज के लिए दो घंटे के ब्रेक की प्रथा पर रोक लगाने के सरमा सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि सीएम सरमा को धार्मिक प्रथाओं की जगह गरीबी उन्मूलन और बाढ़ की रोकथाम जैसे मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। असम के सीएम सरमा द्वारा किया गया फैसला देश के संविधान के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है।

बता दें कि असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने विधानसभा में दो घंटे के ब्रेक को बंद करने का फैसला किया है। सरमा ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह हिंदू और मुस्लिम विधायकों के बीच आम सहमति से लिया गया था, क्योंकि हमें इस अवधि के दौरान भी काम करना चाहिए।

भ्रष्ट अधिकारी की संपत्ति राजसात करेगी राज्य सरकार

भोपाल। मध्यप्रदेश में भ्रष्ट अधिकारियों की सामत आने आवील है। ऐसे अधिकारी जिनके यहां छापे में करोड़ों की संपत्ति मिली है ऐसे अधिकारी की आय से अधिक संपत्ति को राज्य सरकार राजसात करेगी। राज्य सरकार ने इसके लिए लोकायुक्त को निर्देश दिए है। अधिकारी के खिलाफ कोर्ट में केस भी चलेगा। करोड़ों रुपए की आसामी अधिकारी की संपत्ति सरकार राजसात करेगी। दरअसल साल 2015 में खंडवा में खाद्य विभाग के अधिकारी के ठिकानों पर लोकायुक्त ने दबिश दी थी। लोकायुक्त को कार्रवाई के दौरान करोड़ों रुपए की अघोषित संपत्ति मिली थी। आय से अधिक संपत्ति के मामले में अश्वनी नायक से कोर्ट में जानकारी मांगी जाएगी। आय की जानकारी नहीं देने पर सरकार कोर्ट के आदेश पर उसकी संपत्ति राजसात करेगी। इस आशय का नोटिस सरकार ने राजपत्र में प्रकाशित भी कर दिया है।

शिवाजी प्रतिमा मामला : महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का प्रोटेस्ट

जूते मारो आंदोलन के तहत उद्धव ने शिंदे-फडणवीस व पवार की फोटो पर मारीं चप्पलें

मुंबई। मुंबई में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमव्हीए) द्वारा रविवार को सरकार के खिलाफ जूते मारो आंदोलन चलाया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह जाने के विरोध में यह आंदोलन चलाया गया है।

महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का प्रोटेस्ट के बीच में कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, कि सरकार को इस घटना पर शर्म आनी चाहिए। सरकार को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के कोल्हापुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढह जाने के विरोध में रविवार 01 सितंबर को महाराष्ट्र विकास अघाड़ी मुंबई में प्रदर्शन करते हुए जूते मारो आंदोलन चलाई है। इसके चलते साउथ मुंबई के हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक पैदल मार्च निकाला गया। इसमें शरद पवार के साथ ही उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, सुप्रिया सुले, नाना पटोले समेत एमव्हीए की तीनों पार्टियों के बड़े नेता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

शिंदे, फडणवीस और पवार के पोस्टर पर चप्पल मारी

प्रदर्शन के दौरान उद्धव ठाकरे ने सीएम शिंदे समेत ही डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के पोस्टर पर चप्पल मारकर अपनी भावनाएं प्रकट कीं। उन्होंने कहा, कि पीएम मोदी का माफी मांगना अंहकार से भरा हुआ था। वहीं, दूसरी तरफ शरद पवार ने कहा, कि शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरना भ्रष्टाचार का एक जागता-जीता उदाहरण है।

विपक्ष पर राजनीति करने

मप्र को फिर मिला सोयाप्रदेश का ताज

महाराष्ट्र, राजस्थान को पीछे छोड़ा, 5.47 मिलियन टन उत्पादन के साथ देश में पहला स्थान

भोपाल। मप्र ने सोयाबीन उत्पान में अपने निकटतम प्रतियोगी राज्यों महाराष्ट्र और राजस्थान को पीछे छोड़ते हुए फिर से सोयाबीन प्रदेश बनने का ताज हासिल कर लिया है। भारत सरकार के जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश 5.47 मिलियन टन सोयाबीन उत्पादन के साथ पहले नंबर पर आ गया है। देश के कुल सोयाबीन उत्पादन में मप्र का योगदान 41.92 प्रतिशत है। महाराष्ट्र 5.23 मिलियन टन के साथ दूसरे नंबर पर। देश के कुल उत्पादन में महाराष्ट्र का योगदान 40.01 प्रतिशत है जबकि राजस्थान 1.17 मिलियन टन उत्पादन के साथ तीसरे नंबर पर है और देश के कुल सोया उत्पादन में राजस्थान का योगदान 8.96 प्रतिशत है। पिछले दो सालों में मप्र में सोयाबीन उत्पादन में कमी आने से मध्य प्रदेश पिछड़ गया था। वर्ष 2022-23 में महाराष्ट्र 5.47 मिलियन टन उत्पादन के साथ प्रथम स्थान पर था और देश के कुल सोयाबीन उत्पादन में 42.12 प्रतिशत का योगदान था और जबकि मप्र 5.39 मिलियन टन के साथ दूसरे नंबर पर था।

कंगना ने फिर लिया पंगा, जया को बताया पैनिक अटैक वाली महिला

नई दिल्ली। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन का गुस्सैल मिजाज से सभी वाकिफ हैं जया छोटी सी बात पर भड़क जाती हैं और अपना गुस्सा जाहिर करती नजर आती हैं। पिछले दिनों वह पार्लियामेंट में उनके पति अमिताभ बच्चन के नाम से संबोधित किए जाने पर नाराज हो गईं थी। अब हाल ही में बीजेपी की सांसद कंगना रनौत ने जया बच्चन के इस रवैये पर टिप्पणी की है, जिसको लेकर वह चर्चाओं में हैं। जया बच्चन के उस रिएक्ट पर हाल ही में कंगना ने कहा कि वह पैनिक अटैक वाली महिला हैं। ये बहुत ही शर्म की बात है। प्रकृति ने महिला और पुरुष को अलग बनाया है और दोनों के बीच खूबसूरत अंतर है। आजकल फेमिनिज्म के नाम पर कुछ महिलाएं खराब डायरेक्शन में जाने से नहीं चूक रहीं हैं। हमारी सोसाइटी उस डायरेक्शन में जा रही है, जहां उन्होंने एरोगेंस को छोड़ा नहीं है। चीजें ऐसी होती हैं, जैसे कि लोगों को लगता है कि मेरी आइडेंटिटी कहीं छूट गई है, उनको पैनिक अटैक आ जाता है। लोग इतना डरे हुए हैं, जबकि ये कितनी बुरी बात है। बता दें, इससे पहले भी कंगना और जया बच्चन के बीच बहस हो चुकी है। कुछ समय पहले कंगना ने जया के थाली में छेद वाले बयान पर उन्हें जवाब दिया था, जिसके बाद दोनों के बीच ठनी गई थी। वहीं अब एक बार फिर कंगना ने जया बच्चन से पंगा ले लिया है और उनके ही बयान पर जवाब भी दिया है।

बिहार में चल रही थी गन फैक्ट्री, पुलिस ने छापा मार 07 को किया गिरफ्तार

पटना। बिहार पुलिस ने एक गांव में चल रही बंदूक फैक्ट्री पर छापा मारकर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी में भोजपुर पुलिस ने एक पिस्टल, 35 टाइगर प्लेट, 36 कॉर्क रॉड, 33 बैरल, 20 बट, तीन ड्रिल मशीन, एक लेथ मशीन, एक ग्राइंडर और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव के मुताबिक गांव में फैक्ट्री लंबे समय से चल रही थी। उन्होंने कहा कि हमें इस अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री के बारे में सूचना मिली, जो नया भोजपुर थाना के अंतर्गत चंदा गांव में वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव के घर में चल रही थी। इसके बाद मामले की जांच के लिए डुमरांव के एसडीपीओ आफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने वहां छापा मार। इस दौरान वहां मौजूद सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ लोग भागने में कामयाब हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। छापेमारी में भोजपुर पुलिस ने एक पिस्टल, 35 टाइगर प्लेट, 36 कॉर्क रॉड, 33 बैरल, 20 बट, तीन ड्रिल मशीन, एक लेथ मशीन, एक ग्राइंडर और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, पिंटू शाह, आजाद, मोनू, अब्दुल, राजू और इकबाल को गिरफ्तार किया गया है।

जबलपुर से हैदराबाद जा रही इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

-नागपुर में करवानी पड़ी लैंडिंग

नागपुर। जबलपुर से हैदराबाद जा रहे इंडिगो विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद विमान की नागपुर में आपात लैंडिंग करवाई गई। लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को प्लेन से सुरक्षित बाहर निकाला गया और अनिवार्य सुरक्षा जांच की गई है।

जबलपुर के डुमना हवाई अड्डे से हैदराबाद के लिए उड़ान भरी इंडिगो की फ्लाइट 6 ई-7308 की नागपुर में आपात लैंडिंग करवाई गई है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि विमान को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक संदेश टॉयलेट में मिला था। इस संदेश की जानकारी होने के बाद कैप्टन ने विमान को नागपुर में आपात लैंड करवाया। विमान के टॉयलेट में बम से उड़ाने वाला संदेश विमान की क्रू मेम्बर ज्योतिस्मिता सैकिया ने देखा और तुरंत ही कैप्टन को सूचित किया। दरअसल टॉयलेट रोल के टुकड़े पर ब्लास्ट एट द रेट 09 लिखा हुआ था। इसके बाद ही विमान को आपात लैंडिंग करवाई गई। यात्री विमान में 69 लोग सवार थे। आपात लैंडिंग के बाद नागपुर एयरपोर्ट पर सभी यात्रियों के सामान की जांच व तलाशी ली गई। गौरतलब है कि सुबह 8 बजे निर्धारित समय पर जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से इंडिगो का विमान हैदराबाद के लिए उड़ान भरा था और लगभग 9.20 पर विमान को नागपुर में आपात लैंड किया गया। इसके साथ ही नागपुर एयरपोर्ट को सील कर दिया गया। सुरक्षा एजेंसी की टीम अलर्ट मोड में आई और जांच व तलाशी शुरू कर दी। सुरक्षा टीम इस तरह के संदेश लिखने वाले की तलाशी में जुटी हुई है।

जिले में आज मनाया जाएगा पोला पर्व

घर-घर होगी पशुधन की पूजा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सोमवार 2 सितंबर को पोला का पर्व मनाया जाएगा. पोला पर्व जिले में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है. मिट्टी के बैल और खिलौने की पूजा भी पोला पर्व के दिन की जाती है. पोला पर्व में घरों में पकवान ठेठरी, खुरमी जैसे पारंपरिक पकवान भी बनाए जाते हैं. पोला का पर्व किसानों का सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है. पोला पर्व किसानों और खेतों में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है। आपको बता दे की किसानों का सबसे बड़ा और पारंपरिक पोला पर्व आज 02 सितंबर को संपूर्ण जिले में मनाया जाएगा। चूंकि जिला महाराष्ट्र से लगा है, जिसके चलते इस पर्व को महाराष्ट्र की तरह ही जिले में भी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन पशु दौड़ और मेलो का भी आयोजन किया जाता है, जिले में मनाए जाने वाले पोला पर्व से एक दिन पूर्व रविवार को बाजार में मिट्टी और काठ से बनाए गए बैलों की जोड़ियों और पूजन सामग्री को खरीदने वाले की भीड रही। पारंपरिक और प्रसिद्ध त्योहार पोला पर्व, किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है. यह पर्व विशेष रूप से किसानों और उनके सबसे महत्वपूर्ण साथी, बैलों को समर्पित है, इस दिन बैलों की पूजा की जाती है. पोला के दिन किसान अपने बैलों से कोई काम नहीं लेते और इनके गले की रस्सी भी निकाल देते हैं। किसान अपने बैलों

की तेल से खूब मालिश करते हैं। ताकि उसके बैल सुंदर नजर आ सकें। बाद में इन बैलों को नहलाकर रंग-बिरंगे कपड़ों से सजाया जाता है। बैलों को आभूषण भी पहनाया जाता है। पोला पर्व मनाने वाले हिन्दु धर्मावलंबी, पशुधन को भोग लगाने के लिए अपने घरों में विशेष तरह के पकवान बनाते हैं।

बैल दौड़ का होता है आयोजन

पोला पर्व पर शाम के वक्त सभी गांवो और मुख्यालय में आखर मैदान में बैल की सजी-संवरी बैल की जोड़ियां को ले जाया जाता है, जहां प्रमुख व्यक्ति, पशुधन की पूजा करते है, जिसके बाद बैल दौड़ आयोजित की जाती है। जिसमे विजेता जोड़ियों को सम्मान किया जाता है, ग्रामीण क्षेत्रो में पूरा गांव इस कार्यक्रम में शामिल होता है। जिसके बाद किसान, अपनी जोड़ियों को लेकर घरों में पहुंचते है, जहां मान्यता और परंपरानुसार पशुधन बैल के पैर पखाकर, घर में बने व्यंजन उसे खिलाकर, आशीर्वाद लेते है।

बूढ़ी से निकलेगा मारबत का जुलूस

पोला पर्व के दूसरे दिन यानी मंगलवार को मारबत का पर्व भी जिले में धूमधाम से मनाया जाता है। नगर के बूढ़ी से मारबत का सार्वजनिक रूप से जुलूस निकाला जायेगा। इसमें काफी संख्या में लोग मौजूद रहते है। पोला पर्व के दूसरे दिन तान्हा पोला पर मारबत निकालने की प्रथा शहर में कई वर्षों से चली आ रही है। शहर और गांव की सभी बुराइयां एवं कुप्रथाएं बाहर चली जाएं, तभी से मारबत का निर्माण किया जा रहा है। ऐसी धारणा है कि मारबत को शहर से बाहर ले जाकर जलाने से सारी बुराइयां, बीमारियां, कुरीतियां भी खत्म हो जाती है। बालाघाट मुख्यालय में प्रतिवर्ष समाज की किसी न किसी बुराई को प्रेरणा स्त्रोत बनाकर युवाओं की टीम मारबत का निर्माण करती है और उसका वार्डो एवं बस स्टैंड से जुलूस निकालकर भटेरा में दहन किया जाता है। इस वर्ष भी मारबत पर्व पर बूढ़ी से युवाओं के द्वारा निकाला जायेगा। प्रतिवर्ष बूढ़ी से युवा मारबत का निर्माण कर इसे धूमधाम से निकालते है। और भेडन जा-री मारबत का उद्घोष कर उसका दहन कियाजाता है।

अब होस्टल वॉर्डन भी विद्यार्थियों के साथ करते है ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर

कलेक्टर के निर्देशों पर प्रारम्भ हुई जनजातीय छात्रावासों में भोजन मॉनिटरिंग की नई व्यवस्था

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जनजातीय क्षेत्रों में शासन द्वारा बनाएं गए विभिन्न तरह के छात्रवासों में इन दिनों नाश्ते, सुबह के भोजन व रात्रि कालीन भोजन (ब्रेक फास्ट लंच और डिनर) की नई व्यवस्था प्रारम्भ हुई है। यह व्यवस्था जनजातीय क्षेत्रों के छात्रवासों में भोजन साफ, स्वच्छ और समय पर मेन्यू का पालन करने के लिए प्रारम्भ हुई है। इस व्यवस्था को करीब 15 दिन हो रहे है। इस व्यवस्था में यह अनिवार्य किया गया है कि भोजन के समय होस्टल वॉर्डन मौजूद रहेंगे और विद्यार्थियों को भोजन भी कराएंगे। इसकी मॉनिटरिंग एक व्हाटसअप ग्रुप के माध्यम से माध्यम से तथा अन्य अधिकारियों के निरीक्षण से की जा रही है। इसके लिए होस्टल्स/ आश्रम मेन्यू के नाम से रुप बनाया गया है। इसकी शुरुआत कलेक्टर श्री मृणाल मीना के आने के बाद से हुई है। उन्होंने पहली बैठक में ही सम्बंधित विभागों को ताकीद किया था कि अपने विभागीय दायित्वों को सूझबूझ और समझदारी से करेंगे। जिस पर किसी तरह की आपत्ति नहीं आये। इसके बाद जनजाति कार्य विभाग ने नया फार्मूला अपनाया और माता पिता भाई बहनों से दूर रहकर पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भोजन घर जैसा मिले यह सुनिश्चित किया।

करीब 9 हजार विद्यार्थीयों को मेन्यू अनुरूप भोजन

सहायक आयुक्त पीएन चतुर्वेदी ने बताया कि जिले में 120 होस्टल्स अनुसूचित जनजाति के है, 24

अनुसूचित जाति, 6 विशिष्ट संस्थाएं और 4 होस्टल्स विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के है। इस तरह जिले में 144 होस्टल अनुसूचित जाति व जनजाति के है। यहां नवाचार करते हुए प्रयास हुए है कि भोजन समय पर, मेन्यू अनुरूप और भोजन के समय वार्डन भी मौजूद रहें। इन होस्टल्स में 4276 विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति छात्रावासो में, 1834 आश्रमों में 1153 अनुसूचित जाति के छात्रवासों में, 2211 विशिष्ट आवासीय परिसरों में विद्यार्थी रह रहे है।

प्रभारी मंत्री ने सौंपे पशु औषधालय में 02 दिव्यांगजनो को नियुक्ति पत्र

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। परिवहन एवं शिक्षा व जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह बालाघाट में शुक्रवार व शनिवार को प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली गई थी। बैठक पश्चात उन्होंने जिला पशुचिकित्सा विभाग में गत दिनों हुई दिव्यांगजन विशेष भर्ती अभियान में चयनित हुए अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र सौपे। रिक्त पदों पर भर्ती में वारासिवनी विकासखण्ड के ग्राम मुरनाड़ी पशु औषधालय में श्रवण बाधित दिनेश कुमार श्रीपाये एवं लालबर्रे के धपेरा मोहगांव पशु औषधालय में अस्थि बाधित कु. खुशबू तुरकर को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

5 स्थाई वारंटी और अन्य प्रकरण में फरार दो आरोपी किए गए गिरफ्तार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। पुलिस अधीक्षक बालाघाट नगेन्द्र सिंह द्वारा माननीय न्यायालय मे लंबे समय से विभिन्न प्रकरणों मे वांछित स्थाई वारंटियो एवं फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने चलाये गये अभियान के तहत लांजी , रामपायली, लालबर्रा एवं किरनापुर पुलिस द्वारा 5 स्थाई वारंटी और अन्य प्रकरण में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। इसी प्रकार थाना भरवेली पुलिस ने दुष्कर्म एवं पाक्सों एक्ट के प्रकरण मे 2 आरोपियों को गिरफ्तार किये। सभी को माननीय न्यायालय पेश कर दिये। पुलिस अधीक्षक नागेंद्र सिंह द्वारा यह अभियान 31 अगस्त को चलाया गया था। जिसकी तहत लांजी पुलिस ने घरेलू हिंसा के प्रकरण मे 7 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी कृष्ण पिता धनीराम गोलदे 47 वर्ष ग्राम बिहारी थाना लांजी निवासी को गिरफ्तार किया। 4 वर्ष से फरार वारंटी अजय पिता लक्ष्मीराम

रामपायली पुलिस नेअपहरण के मामले मे लोहार 25 वर्ष निवासी चिखली थाना गोवरवाही जिला भण्डारा महाराष्ट्र निवासी एवं धारा 138 एन आई एक्ट मे 5 वर्ष से फरार वारंटी अंकित पिता लक्ष्मीचंद पटले 26 वर्ष निवासी गर्रा थाना रामपायली निवासी को गिरफ्तार किया। लालबर्रा पुलिस ने मारपीट के प्रकरण मे 5 वर्ष से फरार वारंटी पवन पिता पेढारी लाल चौहान 45 वर्ष निवासी-ग्राम गारापुर थाना लालबर्रा निवासी को गिरफ्तार किये किरनापुर पुलिस ने मारपीट के मामले मे 7 वर्ष से फरार वारंटी कंकर उर्फ तुषार पिता राजेश सोनवाने 23 वर्ष निवासी ग्राम सुसवा थाना किरनापुर निवासी को गिरफ्तार किये। भरवेली पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी लकी पिता स्व प्यार सिंह नेटेकर 20 वर्ष निवासी रावणबंदी थाना भरवेली विवेक पिता ओमप्रकाश आगडे 19 वर्ष निवासी -सोनपुरी थाना किरनापुर निवासी को न्यायालय में पेश किये।

खैरलांजी ब्लॉक के कुम्हली में हुई आम आदमी पार्टी की बैठक

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव प्रशांत भाऊ मेश्राम ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र कटंगी-खैरलांजी के खैरलांजी ब्लॉक के ग्राम कुम्हली में पार्टी विस्तार और नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने के लिए बैठक की. कुम्हली में दीपक सेलोकर के निवास पर बैठक का आयोजन किया गया. जहां पार्टी प्रदेश सचिव ने आम आदमी पार्टी की रीति-नीति से ग्रामीणों को अवगत करवाया और पार्टी से जुड़ने की अपील की. प्रशांत मेश्राम ने कहा कि देश के भीतर में आम आदमी पार्टी ने सबसे पहले दिल्ली में अपनी सरकार बनाई. वहां की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में इस कदर का सुधार हुआ है कि आज पूरे देश में इसकी चर्चा है. हमारा लक्ष्य अरविंद केजरीवाल जी की

विचारधारा को पूरे पूरे प्रदेश में फैलाना है. हम जनता की आवाज बनकर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाएं, उनकी समस्याएं सुनें और उनका समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में प्रदेश सचिव के निर्देशन पर विधानसभा प्रभारी गुलाब पुष्पतोड़े ने डेविड सेलोकर, योगेश लिल्हारे, बंडु भाउ गोपाले, राजु चौरागड़े, सरोज मेश्राम, डॉ भिवेन्द्र मुंजारे, हेमंत मिश्रा, दीपक सेलोकर, लोकेश माहुले, दिलीप टेकाम, संदीप बाघमारे सहित बैठक में शिमल सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में पार्टी विस्तार की जिम्मेदारी सौंपी है. विधानसभा प्रभारी ने बैठक में आए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद किया और आशा व्यक्त की कि सभी मिलकर क्षेत्र में पार्टी के कार्यों में अपना योगदान देंगे. उन्होंने कहा, हमारी एकता ही हमारी ताकत है. हम सब मिलकर विधानसभा क्षेत्र कटंगी खैरलांजी और पूरे मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

ससुर ने बहु से की मारपीट -दी जान से मारने की धमकी

मलाजखंड थाने के ग्राम मोहगांव की घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना अंतर्गत ग्राम मोहगांव केंद्रीय विद्यालय के सामने एक व्यक्ति ने अपनी बहू को बुकी से मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। मलाजखंड पुलिस ने श्रीमती ज्योति पति देवेंद्र कलिहारे 20 वर्ष ग्राम करौंदा बहेरा निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके ससुर भूमेश कलिहारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की अपराध में अपराध कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्योति कलिहारे घरेलू काम करती है। जिसकी शादी 26 अगस्त 2023 में ग्राम करौंदा बहेरा के देवेंद्र कलिहारे के साथ हुई है। जिनकी अभी कोई संतान नहीं है। ज्योति कलिहारे अपने पति देवेंद्र कलिहारे के साथ अपने मायका ग्राम बखारीकोना में 5, 6 माह से रह रही है। 31 अगस्त की शाम 5 बजे ज्योति कलिहारे अपने पति देवेंद्र कलिहारे के साथ बैहर से बस में अपने गांव बखारीकोना आ रहे थे। तभी ज्योति के ससुर भूमेश कलिहारे ग्राम करौंदा बहेरा निवासी ने उन्हें बोला कि तुम लोग मोहगांव केंद्रीय विद्यालय के सामने बस से उतर जाना। मोहगांव केंद्रीय विद्यालय के सामने ज्योति अपने पति देवेंद्र कलिहारे के साथ बस से उतर गई। जहा पर उसके ससुर भूमेश कलिहारे मिले और अपनी बहू ज्योति को बोलने लगा कि मेरे लड़के को अपने मां के घर रखती है। कहकर वह उसे अश्लील गालियां देने लगा। ज्योति ने अपने ससुर भूमेश कलिहारे को गालियां देने से मना की तो उसने हाथ बुक्की से मारपीट कर ज्योति को जमीन में गिरा दिया। जिसके बाद भूमेश कलिहारे अपने बेटे देवेंद्र कलिहारे को जबरदस्ती अपने साथ ले जाते समय ज्योति को धमकाते हुए बोला कि दोबारा मेरे घर मत आना अन्यथा भूमेश कलिहारे ने अपनी बहू ज्योति को जान से खत्म करने की धमकी दे दी। ससुर भूमेश कलिहारे द्वारा मारपीट के बाद ज्योति कलिहारे रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड थाना पहुंची। जिसका अस्पताल में इलाज मुलाहजा करवाया गया। मलाजखंड पुलिस ने ज्योति कलिहारे द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके ससुर भूमेश कलिहारे के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

महात्मा ज्योतिबा फूले व सावित्री बाई फूले की प्रतिमा स्थापित करने किया भूमिपूजन

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय अंतर्गत ग्राम पंचायत आमगांव के चौक में ज्योतिबा फूले व सावित्री बाई फूले कि प्रतिमा स्थापित करने भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फूले एवं माता सावित्री बाई फूले के द्वारा समाज उत्थान एवं नारी शिक्षा के लिए किए गए कार्यों को याद कर उनके योगदानो को अविस्मरणीय बताया । वही माता सावित्री बाई फूले ने महिलाओं में शिक्षा के क्षेत्र में पुरुष से आगे निकल रही हैं। महापुरुषों कि प्रतिमा लगाने से उन्हें देख उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेने कि सीख मिलती हैं। इस अवसर पर जनपद सदस्य प्रतिनिधि संतलाल पांचे, संतोष खरे सरपंच ग्राम पंचायत आमगांव, उपसरपंच डालेन्द्र सिल्हारे, पूर्व सरपंच जितेन्द्र सिंह चौहान, पुलिस पटेल मानिकराम बिसेन, पीतांबर बिसेन, श्रीचंद मौदेकर, फिरतलाल पांचे, भोगीचंद मातरे, देउलाल नागेश्वर, बसंत नागेश्वर, राजकुमार मानकर, अरविंद पांचे, योगेश मानकर,चमनलाल जामरे, पूरनलाल मातरे, पूरन जामरे,नेतलाल पांचे, इंदल मातरे, रविन्द्र सिल्हारे, अर्जुन नागेश्वर, तिलक खरे,भरतलाल खरे, तुलसीराम नागफासे, चोखेलाल नागफासे, बिंदल मातरे, सूरजलाल पांचे, अनुज पांचे, संजय नागफासे ,श्यामलाल पांचे,हिरंसाय पांचे, राजेश पटले, शैलेश दुबे, प्रेमलाल खरे, भोजलाल पांचे, फगलाल नागेश्वर,परसराम गुरुबले, जितेन्द्र सिहोरें, अनुज पांचे, अजय खरे, मनीष चौधरी, अतुल पांचे, राकेश जामरे, रज्जू ठाकरे, मुकेश खरे, जितेन्द्र गुजर, अक्षय सोनी, जियालाल पांचे, महेंद्र जामरे, संजय पांचे, मंगल पांचे, भोला पांचे एवं समस्त ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पीएम जनमन अंतर्गत महिला बाल विकास विभाग की टीम पहुँची बैगा बस्ती के निरीक्षण पर

03 अति गंभीर बच्चों को एनआरसी में किया भर्ती

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। अनामिका जैन के मार्गदर्शन में बैगा परिवारों का सर्वे किया गया। वहीं तीन अति गंभीर कुपोषित बच्चों कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले में पीएम जनमन योजना अंतर्गत संबंधित अधिकारियों को शत प्रतिशत सच्चरेशन के लिए निर्देशित किया है। जिसके अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बैगा बस्तियों में सर्वे कर हितग्राहियों को चिन्हित कर विभाग की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में परियोजना बालाघाट ग्रामीण अंतर्गत जिला मुख्यालय से 60 किमी दूर स्थित ग्राम बकवाड़ा, मोहगांव तथा ग्वारीटोला, सोनखार में वजन अभियान के दौरान सेक्टर पर्यवेक्षक

अयांश मेडाँवी, नित्या मेरावी व अवनी उइके का चिन्हांकन किया गया। साथ ही इन बच्चो के माता पिता को समझाइश दी गई तथा एनआरसी में भर्ती कराने के लिए तैयार किया गया। यहां इन बच्चो को 14 दिवस तक भर्ती कर निरंतर निगरानी में रखा जायेगा तथा स्वास्थ्य जांच एवं निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा ।

लामता के पूर्व सरपंच अनिरुद्ध जायसवाल का निधन, अंतेष्टी आज

लामता (पद्मेश न्यूज)। लामता नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी और लामता नगर के पूर्व सरपंच अनिरुद्ध जायसवाल का लम्बी बीमारी के चलते 1 सितंबर की रात्रि 9 बजे नागपुर में निधन हो गया। आप मृदु भाषी मिलनसार व्यक्तिव के धनी थे। आपके निधन की खबर सुनकर पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। आप का अंतिम संस्कार लामता के स्थानीय मोक्ष धाम में दोपहर 1 बजे किया जाएगा, अनिरुद्ध जायसवाल जी निधन पर लामता सरपंच हुलासमल कोचर ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम गोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बिठली, चीचगांव, और वारासिवनी की गौशाला हुई फुल

आवारा मवेशियों को गौशाला भेजने से किया गया माना, अब आवारा मवेशियों को हट्टा पीपरझरी गौशाला भेजने की योजना बना रही नपा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। नवागत कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन में आवारा मवेशियों के खिलाफ रोजाना कार्यवाही की जा रही है।जहां नगर में बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए दिए गए आदेशों के मुताबिक नगर पालिका प्रशासन सड़क पर बेखौफ़ होकर घूम रहे आवारा मवेशियों को पड़कर उन्हें गौशाला भेजने का काम कर रही है। हालांकि यह कार्रवाई रोजाना शुरू है बावजूद इसके भी पशु पालक अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और वह रोजाना ही अपने मवेशियों को चरने के लिए आवारा सड़कों पर छोड़ रहे हैं।उधर कलेक्टर के निर्देशन पर की जा इसी कार्रवाई के बीच अब तक नगर पालिका द्वारा 237 मवेशियों को बिठली, चीचगांव, और वारासिवनी की गौशाला में भेजा जा चुका है। जहां गौशाला में मवेशियों को रखने की जगह नहीं है गौशाला फुल होने के चलते गौशाला संचालकों द्वारा नपा को आवारा मवेशी गौशाला नहीं भेजने को कहा गया है। ऐसे में अब नगर पालिका हट्टा पीपरझरी स्थित गौशाला में पकड़े गए आवारा मवेशियों को भेजने की योजना बना रही है।

कांजी हाउस में बंद है करीब 32 मवेशी

बताया जा रहा है कि रोजाना की तरह नगर पालिका की हाँका गैंग ने आवारा घूम रहे गोवंश के खिलाफ कार्यवाही करते हुए करीब 32 गोवंश को पड़कर कांजी हाउस भेजा। जहा से उन्हें बिठली, चीचगांव, या फिर वारासिवनी की गौशाला में भेजने की तैयारी की जा रही थी। लेकिन वहां के गौशाला संचालकों ने उनकी गौशाला में जगह फुल हो जाने की बात कहते हुए आगे मवेशी ना भेजने की बात कही है। जिसके चलते मवेशियों को गौशाला नहीं भेजा गया। ऐसे में नगर पालिका द्वारा जिले की अन्य गौशालाओं में मवेशियों को भेजने के लिए वार्तालाप की जा रही है। बताया जा रहा है कि हट्टा के पीपरझरी गौशाला स्थित गौशाला में मवेशियों को भेजने की सहमति बनी है।

अब तक 237 आवारा मवेशियों को पड़कर भेजा जा चुका है गौशाला

आपको बता दे कि नगर पालिका की हाँका गैंग द्वारा रोजाना ही सड़कों पर घूम रहे हैं आवारा मवेशियों को पड़कर गौशाला भेजने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें अब तक बिठली की गौशाला में 118 मवेशी, चीचगांव गौशाला में 90 तो बाकी मवेशी वारासिवनी की गौशाला में भेजे गए हैं जहां अब तक नगर पालिका बालाघाट द्वारा इन तीनों गौशाला को मिलाकर कुल 237 मवेशी भेजे जा चुके हैं। लेकिन अब इन गौशाला संचालकों ने भी जगह फुल होने का हवाला देते हुए मवेशियों को गौशाला भेजने से मना कर दिया है। जिसके चलते पकड़े गए आवारा मवेशियों को कांजी हाउस में बंद कर कर रखा गया है।ज्ञात हो कि एक ओर नगर पालिका द्वारा रोजाना ही बड़े पैमाने पर आवारा मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है। बावजूद इसके भी बड़े पैमाने पर रोजाना गौवंश नगर की सड़कों पर विचलन करते हुए नजर आ रहे है।

पिपरझरी के अलावा अन्य गौशाला वालों से भी बात चल रही है- श्रीवास्तव

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत श्रीवास्तव ने बताया कि अभी तक बिठली चीचगांव और वारासिवनी की गौशाला में पकड़े गए आवारा मवेशियों को भेजा जा रहा था। लेकिन उन गौशाला में जगह न होने के चलते उन्होंने मवेशी लेने से मना किया है। जिसके चलते अन्य गौशाला से हमारी बात चल रही है।अभी हट्टा के पीपरझरी स्थित गौशाला में पकड़े गए आवारा मवेशियों को भेजने की सहमति मिली है। कल सोमवार को सभी आवारा मवेशियों को पीपरझरी गौशाला भेज दिया जाएगा। यदि वहां पर भी गौशाला में जगह खत्म हो जाएगी तो जिले में अन्य गौशाला भी हैं जिनसे हमारी चर्चा हो रही है हमें उम्मीद है कि तीन-चार दिनों में शहर की सड़कों पर घूमने वाले सभी आवारा मवेशियों को पड़कर गौशाला भेजने

की कार्यवाही पूर्ण कर ली जाएगी।उन्होंने बताया कि नगर में शुरू किए गए इस अभियान के बाद लोगों ने अपने मवेशियों को सड़कों पर छोड़ना बंद कर दिया है वहीं कुछ लोग जो मवेशियों को छोड़ रहे हैं उन्हें कर्मचारियों द्वारा पड़कर गौशाला भेजने की लगातार कार्यवाही जा रही है।

तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ के चुनाव हुए संपन्न भोजराज पटले बने जिला अध्यक्ष

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ बालाघाट के जिला अध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न हो चुके है जिसमें दो वर्षों के लिए भोजराज पटले 32 वोटो से चुनाव जीत चुके हैं जिन्होंने चुनाव जीतने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वह अपने कार्यकाल में कर्मचारियों के लिए पदोन्नति सहित अन्य आने वाली समस्याओं के लिए काम करेंगे। आपको बता दे की तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ का जिला स्तरीय चुनाव संपन्न हो गया है जिसमें कर्मचारी संघ द्वारा विधिवत चुनाव की प्रक्रिया अपनाते हुए 1 सितंबर को न्यायालय परिसर के एक कक्ष में विधिवत चुनाव की प्रक्रिया करवाई गई और यह प्रक्रिया 14 अगस्त से ही शुरू हो गई थी जिसमें जिला अध्यक्ष पद के लिए दो लोगों ने नामांकन फॉर्म भरा था और दो लोगों के बीच जिला स्तर पर तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारियों द्वारा मतदान की प्रक्रिया की गई, जिसमें कुल 174 तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारी आते हैं जिसमें 165 न्यायिक कर्मचारियों द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया यह चुनाव की प्रक्रिया 1 सितंबर को 12 बजे शुरू की गई एवं 3 बजे इस चुनाव का परिणाम घोषित किया गया जिसमें संजयसिंह ठाकुर को 66 वोट मिले एवं भोजराज पटले को 98 वोट मिले जिसमें 32 वोटो से भोजराज पटले चुनाव जीत गए और 2 वर्षीय कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुने गए जिसमें सभी कर्मचारियों द्वारा नए जिला अध्यक्ष भोजराज पटले को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया और सभी ने भोजराज पटले को बधाई दी।

कर्मचारियों के छोटे-छोटे विषय के लिए लड़ाई लड़ेंगे - भोजराज पटले

नवनियुक्त अध्यक्ष भोजराज पटले द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा करते हुए बताया गया कि उन्हें जो कर्मचारियों द्वारा अपना भरोसा कर अध्यक्ष बनाया गया है उनके उस भरोसे को वह बनाये रखेगें और निश्चित ही अपने

कार्यकाल के दौरान कर्मचारियों के हितों के लिए काम करेंगे सबसे पहले वह कर्मचारियों की पदोन्नति सहित कर्मचारियों के छोटे-छोटे विषय के लिए लड़ाई लड़ेंगे और जो वर्ष में राष्ट्रीय त्योहार आते हैं उन्हें कर्मचारी संघ द्वारा पूरे धूमधाम के साथ को मनाया जाएगा।

चुनाव पूरा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ - सुभाष राहंगडाले

तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ के पदाधिकारी सुभाष राहंगडाले द्वारा बताया गया कि चुनाव पूरी प्रकिया से किए गए हैं जिसमें भोजराज पटले को 32 वोटो से विजय प्राप्त हुई और वह जिला अध्यक्ष बने हैं जिसमें जिले की सभी न्यायालयों के तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारी द्वारा भाग लिया गया और सभी ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए इस चुनाव को संपन्न करवाया है चुनाव पूरा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ है।

पंचायत व नगरी निकाय के उपचुनाव में चुनाव का प्रचार-प्रसार हुआ शुरू

वार्ड क्रमांक 22 के लिए महात्मा गांधी और एमएलबी स्कूल को बनाया जाएगा मतदान केंद्र , एसडीएम कार्यालय में की जाएगी मतगणना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। पंचायत व नगरीय निकाय के उपचुनाव की तैयारी अब तेजी से शुरू हो गई है जहां पंचायत सहित शहर के नगर पालिका वार्ड क्रमांक 22 में हो रहे उपचुनाव में पांच प्रत्याशी आमने-सामने है तो वहीं प्रशासन द्वारा भी सारी तैयारी कर ली गई है वार्ड क्रमांक 22 में कुल 1527 मतदाता है जो 11 सितंबर को मतदान करेंगे, इसके लिए रिटर्निंग अधिकारी द्वारा सारी तैयारी कर ली गई है एवं महात्मा गांधी नगर पालिका स्कूल और एमएलबी स्कूल को मतदान केंद्र बनाया जाएगा एवं अब चुनाव प्रचार भी शुरू हो गया है एवं 9 सितंबर को चुनाव प्रचार थम जाएगा एवं इस बार एसडीएम कार्यालय के कोर्ट रूम को स्ट्रांग रूम बनाया जाएगा जहां पर मतदान की मतगणना 13 सितंबर को की जाएगी। आपको बता दे की पंचायत व नगरीय निकाय के उप चुनाव की तैयारियां अब तेज हो गई है। बालाघाट नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 22 में पार्षद पद के उपचुनाव को लेकर नाम निर्देशन पत्र जमा करने, नाम वापसी, चुनाव चिन्ह वितरण जैसी प्रक्रिया पूरी हो चुकी हैं। सांसद बनने के बाद भारती पारधी द्वारा पद छोड़ने के बाद से पार्षद पद रिक्त था, जिसके लिए अब मैदान में कुल पांच प्रत्याशी मैदान में हैं। रविवार को प्रेक्षक, एसडीएम गोपाल सोनी, जिला पेंशन अधिकारी व व्यय लेखा की टीम ने पांचों प्रत्याशियों के साथ बैठक कर व्यय लेखा के संबंध में जानकारी दी। कांग्रेस ने शनिवार को नामांकन दाखिल करने के अंतिम

दिन अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया। इधर, पंच व सरपंच पद के उपचुनाव को लेकर भी प्रेक्षकों द्वारा निर्वाचन तैयारियों का मुआयना तेज कर दिया गया है। बता दें कि सांसद के वार्ड में पार्षद का उपचुनाव इन दिनों नगरीय क्षेत्र में राजनीतिक अखाड़ा बनता जा रहा है। भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबले के बीच निर्दलीय प्रत्याशी भी अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं।

चुनाव में ये प्रत्याशी होंगे आमने सामने

वार्ड क्रमांक 22 में होने वाले उपचुनाव के लिए रखी गई नाम वापसी की तिथि पर दो लोगों ने नाम वापसी लिया था। अब कुल पांच प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। कांग्रेस ने शनिवार को पूर्व पार्षद देवेंद्र उर्फ देऊ बिसेन को अपना अधिकृत प्रत्याशी चुना है। वहीं, भाजपा ने मनीष नेमा के रूप में अपना प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारा है। और निर्दलीय रूप से गुरमीत उर्फ पिंका जुनेजा, जयपाल पिता श्रीचंद वासवान और अनुपम निर्दलीय रूप से चुनाव में खड़े हैं बीते दिनों से चल रही नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पार्षद का उपचुनाव 11 सितंबर को होगा और परिणाम 13 सितंबर को आएंगे। चुनावी मैदान में दम दिखाने वाले पांचों प्रत्याशियों को चुनाव चिन्हों का आबंटन हो चुका है।

एसडीएम कार्यालय बनेगा स्ट्रांग रूम

जानकारी के अनुसार, पार्षद उपचुनाव के लिए दो मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां दो ईवीएम मशीनें होंगी। दोनों केंद्रों में सुरक्षा की दृष्टि से चाक-चौबंद व्यवस्था रहेगी। पर्याप्त संख्या में पुलिस जवानों का पेहरा रहेगा। मतदान के बाद ईवीएम मशीनों को एसडीएम कार्यालय बालाघाट में बने स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही यहीं वोटों की गिनती होगी।

मतदान केंद्रों का निरीक्षण करने लालबर्रा पहुंचे प्रेक्षक

त्रिस्तरीय व नगरीय निकाय उप निर्वाचन के लिए गोविंद सिंह चौहान को प्रेक्षक नियुक्त किया है। वह निर्वाचन प्रक्रिया के अवलोकन के लिए लालबर्रा विकासखंड पहुंचे। यहां उन्होंने पांच पंच पद के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की। प्रेक्षक गोविंद सिंह चौहान और एआरओ नगरीय निकाय बालाघाट गोपाल सोनी ने अभ्यर्थियों के नामों की घोषणा की। त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन में जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत नांदी के वार्ड क्रमांक-एक में दो अभ्यर्थी एवं जनपद पंचायत वारासिवनी की ग्राम पंचायत कायदी के वार्ड क्रमांक-तीन में दो अभ्यर्थी शेष है।

दिव्य शक्ति कलश के साथ नगर में निकाली गई तिरंगा यात्रा

गायत्री परिवार के तत्वाधान में राष्ट्र जागरण मंगल यात्रा का दिया संदेश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। सनातनी परंपराओं के पहचाने जाने वाले बालाघाट जिले में, राष्ट्र जागरण 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विराट संस्कार महोत्सव का आयोजन आगामी 30 नवंबर से 04 दिसंबर तक जिले में किया जा रहा है।शांतिकुंज हरिद्वार के दिव्य संरक्षण एवं मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ बालाघाट के तत्वाधान में आयोजित इस संस्कार महोत्सव की तैयारियां प्रारंभ हो गई है और अलग-अलग चरणो में राष्ट्र जागरण के इस कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने में पूरा गायत्री परिवार प्रण-प्राण से जुटा है। इसी कड़ी में 1सितंबर दिन रविवार को गायत्री शक्तिपीठ बालाघाट द्वारा नगर में तिरंगा रैली निकाली गई जिस रैली के माध्यम से राष्ट्रीय जागरण मंगल यात्रा उद्देश्य के बारे में लोगों को बताया गया तो वहीं इस यात्रा के माध्यम से आगामी 30 नवंबर से 04 दिसंबर तक आयोजित होने वाले राष्ट्र जागरण 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विराट संस्कार महोत्सव में शामिल होने के लिए नगर वासियों को आमंत्रित किया गया।यह यात्रा काली पुतली चौक स्थित श्री हनुमान मंदिर निकाली गई जो काली पुतली चौक से अहिंसा द्वार होते हुए में रोड से राजघाट चौक, महावीर चौक, सुभाष चौक, सर्राफा मार्केट होते हुए महाराणा प्रताप चौक

वहां से हनुमान चौक से वापस सीधे प्रेम नगर स्थित गायत्री मंदिर पहुंची जहां विशेष पूजा अर्चना के बाद इस आमंत्रण यात्रा का समापन किया गया।

आज से तहसील व ग्रामीण अंचलों में निकलेगी यात्रा

बताया जा रहा है कि नगर में निकाली गई इस आमंत्रण यात्रा से पूर्व काली पुतली चौक स्थित हनुमान मंदिर में शक्ति कलश का विधिवत पूजन सांसद भारती पारधी, सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति इंजी. दिवाकरसिंह, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, चेंबर ऑफ कामर्स अध्यक्ष अभय सेठिया, व्यापारी नेता महेन्द्र सुराना सहित गायत्री परिवार के लोगो ने पूजन किया। जिसके बाद नगर में निकाली गई शक्ति कलश का यात्रा के दौरान जगह-जगह पूजन किया गया।गायत्री शक्तिपठी के गायत्री मंदिर में समापन इस यात्रा के बाद भारत माता का पूजन किया गया। यहां गायत्री मंदिर के प्रबंध मुख्य ट्रस्टी चारूदत जोशी ने यात्रा में जिले भर से मुख्यालय पहुंचे गायत्री परिवार के लोगों को 02 सितंबर से तहसीलदार गायत्री शक्ति कलश और राष्ट्र जागरण तिरंगा यात्रा निकालने को लेकर निर्देश दिए।

गांव गांव घर-घर जाकर किया जाएगा आमंत्रित- जोशी

नगर में निकाली गई इस आमंत्रण यात्रा को लेकर की गई चर्चा के दौरान मुख्य प्रबंध ट्रस्टी डॉ. चारूदत्त जोशी ने बताया कि जिले में आगामी 30 नवंबर से 04 दिसंबर तक 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ और विराट संस्कार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिले के लोगों को शक्ति कलश और राष्ट्र जागरण तिरंगा यात्रा के माध्यम से जिले की जनता तक इस आयोजन को पहुंचाने का आमंत्रण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 01 सितंबर को बालाघाट मुख्यालय से शक्ति कलश और राष्ट्र जागरण तिरंगा यात्रा का शुभारंभ हो गया है, अब जिले के सभी 11 तहसीलो में पंचायतवार, लोगों को गायत्री परिवार के आयोजित 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ और विराट संस्कार महोत्सव के लिए स्थानीय गायत्री परिवार के लोग आमंत्रित करने गांव-गांव और घर-घर जाएंगे।

15 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जिला जेल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। भरवेली पुलिस ने एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में दो युवक को गिरफ्तार कर किया । गिरफ्तार दोनों यवक लक्की पिता स्व प्यार सिंह नेटेकर 20 वर्ष थाना भरवेली ओर विवेक पिता ओमप्रकाश आगडे 19 वर्ष ग्राम सोनपुरी थाना किरनापुर निवासी है। दोनों आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भरवेली थाना क्षेत्र में रहने वाली यह 15 वर्षीय नाबालिग लड़की अपने परिवार के साथ रहती है। मार्च 2022 से इस लड़की की जान पहचान लक्की नेटेकर के साथ हुई थी और दोनों मोबाइल में बात करते रहते थे। अप्रैल 2024 की रात 11 बजे जब यह लड़की घर में सो रही थी। तभी लक्की नेटेकर ने घर मे आकर इस लड़की को मुंह दबाकर उठाकर घर के बाहर ले गया और उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। लड़की जब रोने लगी तब लक्की नेटेकर ने उसे समझाबुझा उसके घर छोड़कर चला गया था। इस सम्बंध में लड़की ने पापा द्वारा मारपीट करने के डर से किसी को नहीं बताई। उसके बाद से इस लड़की की लक्की नेटेकर से बात नहीं हुई। भरवेली थाना क्षेत्र में ही इस लड़की के रिश्तेदार के घर शादी थी ।7 मई 2024 को यह लड़की शादी में शामिल होने के लिए गई थी। शादी में इस लड़की की मुलाकात फोटोग्राफर विवेक आगडे़ ग्राम सोनपुरी किरनापुर निवासी के साथ हुई थी। 9 मई की रात्रि में शादी थी। रात्रि 2 बजे विवेक आगड़े ने इस लड़की को मकान की छत पर ले गया और विवेक आगड़े ने इस लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और बोला था कि इस संबंध में किसी को बताना नहीं हम कुछ दिन बाद शादी कर लेंगे और साथ में रहेंगे । इसलिए इस नाबालिग लड़की ने किसी को नहीं बताई। जिसके बाद इस लड़की की विवेक आगड़े से फोन पर बातचीत होने लगी थी। 4 जुलाई को विवेक आगड़े का बर्थडे था। इस लड़की ने विवेक आगड़े को फोन करके विश नहीं की थी।तब से विवेक आगड़े ने इस लड़की का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके बाद इस लड़की की विवेक से बातचीत नहीं हो पाई। एक माह पहले से इस लड़की की तबीयत खराब रहने लगी। डॉक्टर से जांच करवाये तो पता चला कि लड़की गर्भवती है। इसके बाद इस लड़की ने

घटना के संबंध मेंअपने परिवार वालो को बताई। 31 अगस्त को यह लड़की अपने पापा के साथ रिपोर्ट करने के लिए भरवेली थाना पहुंची। भरवेली पुलिस ने इस नाबालिग लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर लक्की नेटेकर20 वर्ष और विवेक आगड़े 19 वर्ष ग्राम सोनपुरी थाना किरनापुर निवासी के विरुद्ध धारा 363 366(क) का 376 (3)भादवि 3/4, 5(i)(ii)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया और अपराध दर्ज होने के तुरंत बाद ही भरवेली पुलिस ने दोनों युवक को उनके गांव में पकड़े और थाना लाकर पूछताछ करने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिए। 1 सितंबर को दोनों युवक को यहां की विद्वान अदालत ने पेश कर दिए। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। इन दोनों आरोपी को उनके गांव जाकर पकड़ने में थाना प्रभारी जयदीप सिंह भदोरिया, सहायक उपनिरीक्षक सोमलाल कावरे, सहायक उपनिरीक्षक रवन सिंह उइके,प्रधान आरक्षक बिसराम धुर्वे, प्रधान आरक्षक रमेश बिसेन, प्रधान आरक्षक आशीष बघेले, आरक्षक कमलेश विश्वकर्मा, आरक्षक हेमंत बसेने, महिला आरक्षक अनीता मनघटे और आरक्षक भागवंती लिल्हारे की सराहनीय भूमिका रही।

आर्थिक आजादी के लिए नगर में 25 सितंबर को होगा धरना प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ी समाज ने बैठक का आयोजन कर बनाई रणनीति

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़) । आर्थिक आजादी के लिए छत्तीसगढ़ी समाज ने अब धरना प्रदर्शन की रणनीति बनाई है ।जिसको लेकर रविवार को नगर के बूढ़ी माता मंदिर के समीप एक समाजिक बैठक का आयोजन किया गया ।यह बैठक आचार्य शिवानन्द दानी केंद्रीय सचिव छत्तीसगढ़ी समाज के नेतृत्व में सम्पन्न हुई ।जिसमे आर्थिक आजादी प्राप्त करने 25 सितंबर 2024 को नगर के आंबेडकर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किए जाने का निर्णय लिया गया है। आयोजित बैठक को लेकर छत्तीसगढ़ी समाज जिला सचिव पुनाराम भारद्वाज ने बताया कि हमें आज तक केवल राजनीतिक आजादी मिली है जिसके बदौलत केवल दो चीजें मिली- वोट देने का अधिकार और बोलने की सीमित आजादी ।लेकिन इसके बदले में आर्थिक समानता का अधिकार छीन लिया जिसका परिणाम है- बेरोजगारी, गरीबी, भ्रष्टाचार, शोषण, सामाजिक असुरक्षा, झूठे वादे, सामाजिक उत्पीड़न, असमान क्रय क्षमता, खाद्यान्न की कमी, अविवेकपूर्ण वितरण प्रणाली आदि का सामना करना पड़ रहा है। इन अभिशापों से मुक्ति पाने का एक ही रास्ता है वो है आर्थिक आजादी। इससे लाभ होगा कि सभी को अपने क्षेत्र में रोजगार मिलेगा। सामाजिक सुरक्षा मिलेगी। भ्रष्टाचार का निवारण होगा ।विवेकपूर्ण वितरण होगा ।आर्थिक विषमता दूर होगी। अंततोगत्वा जीवन सुखमय होगा ।आयोजित इस बैठक में केंद्रीय सचिव आचार्य शिवानन्द दानी, जिला सचिव पुनाराम भारद्वाज, आई.एल कोरे, युवराज बैस, आर.सी नागरे, डी.एस कटरे, प्रभात कुमार, विनोद जी, एन.के पटले, राजू वाघमारे, लाखन जी, कुलेश्वर डोलारे, राजेश गायधने, श्रीमती अंजीरा भारद्वाज, श्रीमती वर्षा, श्रीमती रंजना कोरे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

लालबर्रा को मिली नवीन आईटीआई की सौगात

पांढरवानी के ग्राम रामजीटोला में नवीन आईटीआई भवन निर्माण के लिए विधायक और प्रशासनिक अधिकारियों ने भूमि का किया चयन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा विकासखंड में शासकीय आईटीआई की सौगात बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के प्रयास से मिल चुकी है। जिससे अब क्षेत्र के युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा के लिए जिला मुख्यालय या निजी आईटीआई नहीं जाना पड़ेगा उन्हें अब लालबर्रा में ही आईटीआई (व्यावसायिक पाठ्यक्रम) की शिक्षा मिल सकेगी और राज्य सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद अब नगर मुख्यालय सहित आसपास के १०४ से अधिक गांवों के विद्यार्थियों को आईटीआई की पढ़ाई के लिए जिला मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा और निजी आईटीआई में भी अधिक रूपये खर्च नही करना पड़ेगा। साथ ही शासकीय नवीन आईआईटी खुलने के बाद वे व्यवसायिक पाठ्यक्रम की पढ़ाई लालबर्रा मुख्यालय में कर रोजगार प्राप्त कर सकते। वहीं लालबर्रा विकासखण्ड को नवीन शासकीय आईटीआई की सौगात मिलने के बाद लालबर्रा मुख्यालय में आईटीआई के भवन निर्माण के लिए भूमि चयन एवं आबंटन की प्रक्रिया कर जानकारी दिये जाने के निर्देश शासन के द्वारा पूर्व में दिये गये थे। इसी निर्देश के परिपालन में १ सितंबर को ग्राम पंचायत पांढरवानी के ग्राम रामजीटोला स्थित शासकीय भूमि पट मैदान का बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पांढरवानी सरपंच, जिला पंचायत बालाघाट विधायक प्रतिनिधि अनीस खान, तहसीलदार, शासकीय आईटीआई बालाघाट के प्राचार्य एवं राजस्व अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा निरीक्षण कर शासकीय आईटीआई भवन का निर्माण के लिए लगभग ५ एकड़ जमीन का चयन किया गया है जहां सर्वसुविधायुक्त आईटीआई भवन का निर्माण किया जायेगा। साथ ही जमीन चयन होने के बाद शासन को भवन निर्माण के लिए राशि की मांग की जायेगी। साथ ही शासन से राशि आने के बाद रामजीटोला के पट मैदान स्थित शासकीय भूमि पर नवीन शासकीय आईटीआई भवन का निर्माण किया जायेगा और भवन का निर्माण हो जाने से लालबर्रा सहित अन्य क्षेत्र के युवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सरकारी नौकरी एवं स्वयं का व्यापार कर रोजगार प्राप्त करेगें। वहीं शासकीय नवीन आईटीआई की सौगात मिलने एवं नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के ग्राम रामजीटोला में भवन निर्माण के लिए जमीन चयनित होने से क्षेत्रीयजनों में हर्ष की लहर व्याप्त है और उक्त सौगात मिलने पर क्षेत्रीयजनों ने बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे का आभार भी व्यक्त किया है।

आईटीआई की स्वीकृति मिलने से क्षेत्रीयजनों में हर्ष व्याप्त

आपकों बता दे कि विगत कई वर्षो से लालबर्रा में व्यावसायिक पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने एवं आईटीआई खोलने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही थी। जिसे बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा भी प्राथमिकता दी गई थी। स्थानीयजनों की मांग पर तकनीकी शिक्षा विभाग के द्वारा लालबर्रा में आईटीआई की स्वीकृति दी गई है जिससे अब स्थानीजनों व क्षेत्रीयजनों के बच्चों को अब लालबर्रा में भी व्यावसायिक पाठ्यक्रम (आईटीआई) का लाभ मिल सकेगा और यह लालबर्रा के लिए एक बड़ी सौगात है क्योंकि आईटीआई नहीं होने के कारण बहुत से बच्चे पढ़ाई के लिए बालाघाट सहित अन्य जिलों में जाकर शासकीय व अशासकीय आईटीआई में प्रवेश लेकर अपनी पढ़ाई पूर्ण करते थे। जिससे उन्हे बहुत परेशान होना पड़ता था और शासकीय आईटीआई की संख्या कम होने के कारण बहुत से विद्यार्थियों (युवाओं) को आईटीआई में प्रवेश नहीं मिल पाता था। जिससे सक्षम परिवार के बच्चे प्रायवेट आईटीआई में प्रवेश लेकर अधिक फीस होने के बावजूद विभिन्न ट्रेड से आईटीआई कर रोजगार प्राप्त कर लेते थे। लेकिन गरीब वर्ग के बच्चे गरीबी के कारण प्रायवेट संस्थानों में प्रवेश नहीं ले पाते थे जिससे उनकी पढ़ाई अधूरी रह जाती थी परंतु अब गरीब वर्ग के बच्चों को भी आईटीआई में आसानी से प्रवेश मिल सकेगा और वे भी अपना व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूर्ण कर रोजगार प्राप्त कर सकेगें। आईटीआई की स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर व्याप्त है।

ये रहे उपस्थित

शासकीय आईटीआई भवन निर्माण के लिए ग्राम रामजीटोला के शासकीय जमीन का निरीक्षण कर स्थान चिन्हित करने के दौरान बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पांढरवानी सरपंच, जिला पंचायत बालाघाट विधायक प्रतिनिधि अनीस खान, जनपद सदस्य दीपक कावरे, विधायक प्रतिनिध शैलेष केकती, कंजई सरपंच अधि. आनंद बिसेन, नीतिन साखला, डॉ. रामप्रसाद पंचेश्वर, पंच कृष्णा लहरे, रामजी माने, तहसीलदार संजयसिंह बारस्कर, पटवारी शिवलाल अड्डमे सहित राजस्व विभाग के अधिका-कर्मचारी एवं शासकीय आईटीआई बालाघाट कालेज के प्राचार्य, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विश्व हिन्दु परिषद का हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा के ग्राम पांढरवानी मार्ग स्थित लॉन में विश्व हिन्दु परिषद लालबर्रा के द्वारा १ सितंबर को परिषद का स्थापना दिवस सृष्टि पूर्ति दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम ओरिएंटल कालेज संचालक एचसी हनवत के मुख्य आतिथ्य, संत श्रीनर्मदा दासजी की अध्यक्षता सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं प्रवक्ताओं के द्वारा विश्व हिन्दु परिषद के ६० वर्ष पूर्ण होने पर संगठन का स्थापना दिवस सृष्टि पूर्ति वर्ष के रूप में मनाने के उद्देश्य एवं महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ६० वर्ष पूर्व अंकुरित नुमा बीज आज वटवृक्ष रूपी संगठन का रूप ले चुका है और यह संगठन हमेशा हिन्दु धर्म के क्षेत्र में काम करते है ताकि सभी हिन्दु धर्मालंबी अपने सनातन धर्म एवं संस्कृति को माने। साथ ही यह भी कहा कि हम सभी को संगठित होकर अपने हिन्दु धर्म का प्रचार-प्रसार कर काम करना चाहिए। इस अवसर पर क्षेत्रीय सामाजिक समरस्ता प्रमुख म.प्र., छ.ग. के कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजकुमारसिंह, क्षेत्रीय धर्म प्रसार प्रमुख म.प्र., छ.ग. ललित पारधी के प्रमुख आतिथ्य एवं विहिप जिलाध्यक्ष यत्तेश लालू चावड़ा, समाजसेवी श्रीमती मनोरमा शुक्ला, रवि अग्रवाल, देवेन्द्र करमेले, चिकित्सक डॉ. मनोज शास्त्री, डॉ. मनोज पंचेश्वर, समाजसेवी ज्ञानचंद शर्मा, मनोज यादव, दिनेश फुंडेकर, राकेश फबवानी, नितेश डहरवाल, अनिल उयके, विनोद मेश्राम, पतिराम कानतोड़े, रवि गोले एवं रमेश झांडेकर, बजरंगदल जिला सहसंयोजक निलेश चौधरी, विश्व हिन्दु परिषद लालबर्रा अध्यक्ष शुभम अग्रवाल, प्रखण्ड मंत्री संदीप पटले, प्रखण्ड संयोजक दिशु तिवारी सहित विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल के पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

सौहार्दपूर्वक एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाये पोला एवं अन्य पर्व - हेमंत

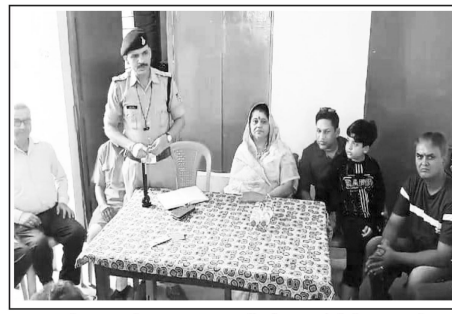

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित थाना परिसर में १ सितंबर को दोपहर २ बजे शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, थाना प्रभारी हेमंत नायक, तहसीलदार संजयसिंह बारस्कर, जिला पंचायत बालाघाट नवनियुक्त विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, जिला पंचायत सदस्य झामसिंह नागेश्वर, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, वरिष्ठ समाजसेवी गिरीश पाठक, अधिवक्ता बाबूलाल सरोठे सहित अन्य पंचायतों के सरपंच एवं जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिकों की प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में २ सितंबर को पोला, ३ सितंबर को नारबोद पर्व, आगामी गणेशोत्सव, दुर्गोत्सव सहित अन्य त्यौहारों को सौहार्दपूर्वक, शांतिपूर्वक व भाईचारे के साथ मनाने पर आवश्यक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थितजनों के द्वारा नगर मुख्यालय की समस्याएं भी रखी गई जिसमें यातायात व्यवस्था, लालबर्रा बस स्टैण्ड के सामने बार-बार ट्राफिक जाम होने पर हो रही परेशानियों से निजात दिलवाने के लिए दो यातायात पुलिस की ड्यूटी लगाने, सड़क के ऊपर बैठकर धमाचौकड़ी मचा रहे मवेशियों को पकड़कर पशु मालिकों पर कार्यवाही सहित अन्य समस्याओं से अवगत करवाया गया। जिस पर थाना प्रभारी एवं तहसीलदार ने आश्वास्त करते हुए कार्यवाही करने की बात कही। साथ ही आगामी ७ सितंबर से गणेशोत्सव पर्व प्रारंभ होने वाली है, बैठक में गणेशोत्सव समिति की जानकारी लेकर पर्व के दौरान होने कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करवाने निर्देशित किया गया। साथ ही पोला, नारबोद सहित अन्य पर्व सौहार्दपूर्वक एवं शांतिपूर्वक मनाने एवं पर्व के दौरान अगर कोई शांति भंग करने प्रयास करता है उसकी जानकारी थाने में देने कहा गया है ताकि वैधानिक कार्यवाही कर शांति व्यवस्था बनाया जा सके। वहीं विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने पुलिस प्रशासन से कहा कि ग्रामीणजन अगर अपनी शिकायत लेकर पुलिस थाना आते है तो उसकी शिकायत पर कार्यवाही कर उन्हे न्याय दिलवाने और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से क्षेत्र में हो रहे अपराधों पर अंकुश लगाने की बात कही गई ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे और सभी को पोला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए पोला सहित अन्य पर्व सौहार्द एवं शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। चर्चा में थाना प्रभारी हेमंत नायक ने बताया कि थाने में आगामी पर्व को लेकर रविवार को शांति समिति की बैठक आयोजित कर २ सितंबर को पोला, ३ सितंबर को नारबोद, गणेशोत्सव एवं अन्य पर्व मनाने पर चर्चा कर सभी से कहा गया कि उक्त पर्व शांतिपूर्वक, भाईचारे व सौहार्दपूर्वक मनाये। साथ ही क्षेत्र में किसी प्रकार की घटना होने पर तत्काल सूचना देने कहा गया है ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे। इस अवसर पर पनबिहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले, बकोड़ा सरपंच श्रीमती पुष्पा नागेश्वर, जनपद सदस्य प्रतिनिधि बालकरण पंचेश्वर, भाजपा मंडल खमरिया अध्यक्ष कन्हैया चौहान, प्रशांत जैन, अफसर कुरैशी, मो. अय्यूब भारती, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों ने विधायक अनुभा मुंजारे को सौंपा ज्ञापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर के खिलाड़ियों के द्वारा १ सितंबर को स्थानीय विश्रामगृह पहुंचकर बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे को ज्ञापन सौंपकर लालबर्रा मुख्यालय में बैडमिंटन स्टेडियम का निर्माण करवाने एवं वर्तमान में बैडमिंटन खेलने के लिए सीएम राइज उत्कृष्ट विद्यालय में बैडमिंटन खोलने की अनुमति दिये जाने की मांग की है। जिस पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने खिलाड़ियों को आश्वास्त करते हुए कहा कि सीएम राइज उत्कृष्ट स्कूल के प्राचार्य से चर्चा कर बैडमिंटन खोलने की अनुमति दिलवाई जायेगी। चर्चा में खिलाड़ी राजू साहू ने बताया कि लालबर्रा नगर मुख्यालय में खेल मैदान के अभाव में खिलाड़ियों को विभिन्न खेल खेलने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और खिलाड़ी अपने खेल का प्रैक्टिस भी नही कर पा रहे है इसलिए बालाघाट विधायक श्रीमती मुंजारे जी को ज्ञापन सौंपकर लालबर्रा मुख्यालय में बैडमिंटन स्टेडियम का निर्माण करवाने और बैडमिंटन स्टेडियम के निर्माण होते तक सीएम राइज उत्कृष्ट विद्यालय में बैडमिंटन खोलने की अनुमति दिये जाने की मांग की है ताकि बैडमिंटन खेलने वाले खिलाड़ी स्कूल के खेल मैदान में अपना खेल खेल सके। श्री साहू ने बताया कि विधायक महोदय ने हमें आश्वास्त किया है कि हमारी मांगों को जल्द पूरी करेगी। मांग करने वालों में राजू साहू, तुषार, ऋषभ सहित अन्य खिलाड़ी शामिल है।

पुलिस अधीक्षक को माधवप्रसाद अटरे ने सौंपा ज्ञापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १२ किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. निवासी माधवप्रसाद अटरे, संजय अटरे ने मोहगांव ध. के सुरजाटोला निवासी सतानंद/स्व. दयादास, नान्हीदास/स्व. खेदु सहित अन्य ७ लोगों पर मकान निर्माण कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने एवं परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए शनिवार को पुलिस अधीक्षक बालाघाट को ज्ञापन सौंपकर सभी ९ लोगों पर कार्यवाही करने की मांग की है। चर्चा में शिकायतकर्ता माधवप्रसाद अटरे ने बताया कि मैं स्वयं की भूमि में मोहगांव ध. मे मकान का निर्माण कार्य करवा रहा हूं परन्तु अनावेदकगण सतानंद/स्व. खेदु सहित अन्य ८ लोगों के द्वारा निर्माण कार्य में अवरोध उत्पन्न कर निर्माण कार्य को रोका जा रहा है एवं महिलाओं व परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट कर झूठे केसों में फंसाने की धमकी दी जा रही है जिससे हम लोग डरे हुए है। श्री अटरे ने बताया कि मेरे द्वारा मकान निर्माण कार्य के लिए निजि जमीन में कॉलम गड्ढे भी खोद लिये गये है परन्तु उसे बंद करवाने का प्रयास कर मकान निर्माण हेतु जमा की गई सामग्री को तहस-नहस कर दिया गया है अनावेदकगणों के द्वारा। जिससे काफी नुकसान भी हुआ है और मकान का निर्माण करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे है जिसे हम लोग मानसिक रूप से परेशान है इसलिए ३१ अगस्त को पुलिस अधीक्षक बालाघाट को ज्ञापन सौंपकर मकान निर्माण कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने एवं जान से मारने की धमकी देने वाले ९ लोगों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

खमरिया क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जायेगा पोला पर्व आज

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया सहित ग्रामीण अंचलों में २ सितंबर को पोला पर्व धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। जिसकी तैयारी हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा पूरी कर ली गई है और आज बैलों की विशेष पूजा की जायेगी एवं पोला के दूसरे दिन ३ सितंबर को नारबोद का पर्व मनाया जायेगा। आपकों बता दे कि भादो मास की अमावस्या को पोला पिठोरा का पर्व मनाया जाता है। यह पोला पर्व किसान वर्ग का प्रमुख त्यौहार है। खेती किसानी का काम खत्म होने जाने के बाद पशुधन की पुजन कर आभार व्यक्त करने का दिन है। इस दिन बैलजोड़ियों को सजाकर इनकी पूजा की जाती है एवं घर-घर ले जाकर भी पुजन किया जाता है। इस पोला पर्व की यह भी मान्यता है कि इस दिन धान के पौधे में दुध भरता है (धान गर्भ धारण करता है)। इन दिनों घरों में माताएं-बहने पर्व के लिए तरह-तरह के पकवान व्यंजन बनाते है। साथ ही बैलों को रंग-पेंट एवं अन्य साज सज्जाओं की सामग्रियों से सजाकर एक स्थान पर एकत्रित करते है जहां बेलों की पूजा अर्चना एवं झड़तियां बोली जाती है। जिसके बाद घर-घर कर ले जाया जाता है जहां बैलों की पूजा अर्चना कर घर में बने व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

आज पोला पर्व पर होगी बैलों की विशेष पूजा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में २ सितंबर को पोला पर्व धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसको लेकर किसानों द्वारा विशेष तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस अवसर पर किसानों के द्वारा अपने खेती कार्य परहा की समाप्ति के बाद बैलों को अलग-अलग रंग लगाकर सींगों में बेगड़, विशेष वनस्पति की तोरन बांधकर विशेष पूजा कर भोग लगाया जायेगा तत्पश्चात किसानों द्वारा एक दूसरे को चांवल का तिलक लगाकर पोला पर्व की बधाई दी जायेगी। पोला पर्व के एक दिन पूर्व १ सितंबर को लालबर्रा बाजार में खासी भीड़ रही और पोला पर्व पर लगने वाले मिट्टी के बने सुरई, दिये व अन्य मूर्ति को लेकर कुम्हार बाजार में बिक्री करने लेकर आये थे जिसकी हिन्दु धर्मालंबियों ने खरीदी किये जिससे बाजार क्षेत्र में दिनभर चहल-पहल भी बनी रही। आपकों बता दें कि पोला पर्व में झड़ती बोलकर बैलों को दौड़ाया जाता है साथ ही रात्रि में चौसर व अन्य खेलों का आयोजन किया जाता है। जिसके दूसरे दिन नारबोद का पुतला गांव की सरहद के बाहर जलाया जाता है।

कंजई में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

गौवंश की पूजा का पर्व पोला आज

गौवंश की साज सज्जा से गुलज़ार रहा बाजार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में पोला पर्व मनाये जाने को लेकर तैयारियां व्यापक तौर पर कर ली गई है। पुलिस प्रशासन इस पर्व को लेकर पूरी तरह से मुस्तैद हो गया है। इस दौरान पूरा बाजार गौवंश की साज सज्जा वह अन्य सामग्रियों से गुलजार रहा। जहां पर गौवंश मालिकों के द्वारा पहुंचकर अपने गौवंश को सजाने के लिए आकर्षक रंग बिरंगी रस्सी से बने सामान आकर्षक घंटिया रंग व रंगीन झिल्लियों की खरीदी की गई। ताकि अपने गौवंश की साज सज्जा कर सके वहीं इस दौरान लकड़ी के बने छोटे नंदी ने भी बाजार की शोभा बढ़ाई । जहां पर लोगों ने अपने बच्चों के लिए पोले के अगले दिन तन्हा पोला के रूप में मनाए जाने वाला पर्व एवं बच्चों के मनोरंजन के लिए खरीद कर ले गये।

जय स्तंभ चौक में पूजे जायेंगे गौवंश

यहां यह बताना लाजमी है कि स्थानीय जय स्तंभ चौक पर २ सितंबर को बैल जोड़ियां अपनी उपस्थिति दर्ज करवायेंगी जहां पर उनकी पूजा अर्चना के बाद उन्हें दौड़ाया जायेगा। गौरतलब है कि परंपरागत ढंग से नगर में यह पर्व नगर के पटेल के घर से मनाया जाता है। इस पर्व में सभी वर्ग के लोग अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। नगर का चौधरी परिवार अपने पूर्वजों से चली आ रही इस परंपरा का निर्वहन आज भी कर रहे हैं। सुबह से ही उनके बाड़े में लोगों के मिलने का सिलसिला प्रारंभ हो जाता है। शाम को जय स्तंभ चौक के लिये बैलों की पूजा के लिये आरती की थाल लेकर नगर का भ्रमण करते हुए जुलूस के रूप में चौधरी परिवार के सदस्य बाजे गाजे के साथ जय स्तंभ पहुंचते है । जहां पर गणमान्य नागरिकों के साथ गौवंश की पूजा होती है और आतिशबाजी कर इस पर्व को मनाया जाता है। इस दौरान बैलों के साथ ही उनके स्वामियों को भी सम्मानित किया जाता है।

गौवंश की खुशी का पर्व है पोला

यहां पोला पर्व गौवंश का त्यौहार है जिसमें किसान अपनी खेती कार्य पूर्ण होने के बाद इस अवसर पर अपने बैलों को सजाकर उनकी पूजा अर्चना करते हैं। जिसमें पहला दिन मोबिल पड़ता है जिसमें पहले सुबह गांव वंशों की पूजा अर्चना कर उन्हें भोग लगाया जाता है। दूसरे दिन उन्हें पोला पर्व पर आकर्षक रंग बिरंगी रस्सी एवं रंग लगाकर सजाया जाता है। इसके बाद दौड़ कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनकी पूजा कर दौड़ाया जाता है तत्पश्चात पूरे नगर में घर घर ले जाकर उनकी पूजा करवाई जाती है।

कल मनाया जायेगा मारवद पर्व

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष तान्हा पोला के साथ ही मारबद का यह पर्व मनाया जाता है। इस पर्व में वर्ग विशेष के लोग मारबद का पुतला बनाते हैं और रात्रि जागरण करते हैं । और फिर मारबद के इस पुतले को ग्राम में घुमाते हैं और ग्राम की सरहद से बाहर ले जाकर उसका विसर्जन कर देते हैं। मान्यता के अनुसार मारबद एक राक्षसनी थी अला वला बीमारियों की इस प्रतीक बुराई के इस राक्षसनी रूपी पुतले को ग्राम की सीमा के बाहर घसीट कर उसका विसर्जन कर मारबद मनाई जाती है।

शिक्षा मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम विद्यालय परिसर में लगाया पेड़

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश के परिवहन व स्कूल शिक्षा एवं प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह शनिवार को बालाघाट जिले के प्रवास में थे। इस दौरान वे वारासिवनी के सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण करने पहुँचे। स्कूल परिसर में विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ के द्वारा शिक्षा मंत्री का स्वागत किया गया। शिक्षा मंत्री के द्वारा एक पेड़ मां के नाम योजना अंतर्गत विद्यालय परिसर में अशोक का पेड़ लगाया गया। वहीं शिक्षा मंत्री ने नवीन स्कूल भवन का निरीक्षण किया साथ ही अध्यनरत विद्यार्थियों की कक्षा का अवलोकन तथा बच्चों से चर्चा की । निरीक्षण के समय समस्त कक्षा अपने कालखंड अनुसार संचालित थी। बच्चों से चर्चा करते समय बच्चों को शासन की महत्वपूर्ण योजना सी एम राइज विद्यालय की विशेषताओं से अवगत करवाते हुए भविष्य में सभी सी एम राइज विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति तथा समस्त कर्मचारी की उपस्थिति ऑनलाइन कैमरे बॉयोमेट्रिक पद्धिति से होगी। बच्चों से पढ़ाई के विषय में चर्चा के दौरान बच्चों से मंत्री के द्वारा पूछा गया कि विद्यालय में किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो बतायें। सभी कालखंड लगते है इंटरेक्टिव पैनल कंप्यूटर टेबलेट के माध्यम से अध्यापन कार्य करवाया जाता है तो सभी विद्यार्थी के द्वारा हाँ कहा गया। मंत्री के द्वारा संस्था के

उप प्राचार्य से विद्यालय के नामांकन और स्टाफ की जानकारी ली गई । तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर देने के लिए कहा गया। इस निरीक्षण कार्यक्रम में श्रीमती भारती पारधी सांसद,पूर्व विधायक राम किशोर कावरे ,पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल,शैलेन्द्र शेट्टी, कलेक्टर मृणाल मीना,नगेन्द्र सिंह एस पी , डी एस रणदा मुख्य कार्यपालन अधिकारी ,अश्विनी उपाध्याय जिला शिक्षा अधिकारी, राजीव रंजन पाडेय एस डी एम वारासिवनी एवं जिला स्तरीय प्रशासनिक एवं पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहें।

अतिक्रमणकारियों और नशेड़ियों का अड्डा बना पशु चिकित्सालय

साफ सफाई के अभाव में वार्डवासियों को हो रही परेशानी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में बस स्टैंड के पास स्थित पशु चिकित्सालय परिसर अतिक्रमणकारियों एवं नशेड़ियों का अड्डा बन चुका है। जहां पर लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर दुकान संचालित की जा रही है ,वहीं झाड़ियों की आड़ में नशेड़ियों का

जमघट भी लगा हुआ है। जिसको लेकर वार्डवासियों में खासा आक्रोश व्याप्त है ,जहां साफ सफाई कर बेहतर व्यवस्था बनाए जाने की मांग लगातार वार्डवासियों के द्वारा स्थानीय प्रशासन एवं पशु चिकित्सालय विभाग से की जाती रही है। परंतु इस पर वर्तमान तक किसी के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है जिसके कारण बेतहाशा झाड़ियों में नया पशु चिकित्सालय एवं पुराना खंडहर पशु चिकित्सालय ढके पड़े हैं। जहां पहले साफ सफाई करने की मांग की जा रही है।

पॉश इलाके में स्थित है पशु चिकित्सालय

पशु चिकित्सालय नगर के सबसे पॉश इलाके में स्थित है जो वार्ड नंबर ५ के अंतर्गत बस स्टैंड से लगा हुआ है। वहीं बाजू में वारासिवनी से लालबर्रा रोड़ निकला हुआ है और यह चारों तरफ से रिहायशी इलाकों से गिरा हुआ है। जिसके सामने सिंधी कॉलोनी पीछे कुछबंदिया मोहल्ला एवं पुलिस कॉलोनी स्थित है । वहीं दीनदयाल चौक से लालबर्रा रोड़ के लिए एक बायपास मार्ग आता है ,जिस पर एसडीएम का बंगला वनविभाग और नगर पालिका की पानी टंकी स्थित है। ऐसे में यह संवेदनशील क्षेत्र बना हुआ है जहां पर साफसफाई रखने के साथ बेहतर व्यवस्था बनाए जाने की मांग है। परंतु इस पर स्थानीय प्रशासन और पशु चिकित्सालय के द्वारा गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसको लेकर वार्डवासी काफी आक्रोशित हैं। उनके द्वारा शासन प्रशासन से बेहतर व्यवस्था बनाए रखने की मांग की जा रही है।

असामाजिक तत्वों जहरीले जीव जंतु का डेरा है चिकित्सालय

पशु चिकित्सालय के दूसरे और लालबर्रा रोड़ स्थित है जिसके किनारे पशु चिकित्सालय की जमीन पर कुछ लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर दुकान संचालित की जा रही है। जहां पर व्यापार के साथ असामाजिक तत्वों की उपस्थिति भी बनी रहती है । वहीं साफ सफाई के अभाव में पुराने पशु चिकित्सालय के खंडहर में नशेड़ियों का जमावड़ा भी लगा रहता है। जिनके द्वारा वहां पर नशा किया जाता है तो वहीं बहुत ज्यादा झाड़ियां होने के कारण जहरीले जीव जंतु का भी डर आस पड़ोस के रहवासी इलाकों में लगा हुआ है। ऐसे में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अतिक्रमणकारियों के उपर स्थानीय प्रशासन रोक नही लगा पा रही है-सुनील पिपरेवार

पूर्व पार्षद सुनील पिपरेवार ने पद्मेश से चर्चा में बताया कि यह बहुत बड़ा ग्राउंड है पशु चिकित्सालय के नाम पर शासकीय रिकॉर्ड में दर्ज है। पुराना भवन इसके पीछे है जो खंडार हो गया है

हमारे शासन काल में डॉक्टर योगेंद्र निर्मल की परिषद में इस चिकित्सालय का निर्माण किया गया था। इसके पीछे पुलिस थाने की भूमि है सामने लालबर्रा मुख्य मार्ग है। जिस पर टीन टप्पर की दुकान लगाकर अतिक्रमण किया गया है वहां पर अच्छे लोग नहीं है जुआ सट्टा शराब के अलावा कुछ नहीं होता है। इस पर पुलिस या स्थानीय प्रशासन रोक नहीं लग पा रही है ,पशु चिकित्सालय सिर्फ कहने का है इसके आसपास बहुत सारी झाड़ियों का डेरा है । जहां शाप व बिच्छू भी रहते हैं यह एक रिहायशी इलाका है सिंधी मोहल्ला कुछबंदिया मोहल्ला पुलिस क्वार्टर चारों तरफ से यह रहवासी इलाका है किंतु देखने में ऐसा लगता नहीं है। नगर पालिका या विभाग के जिम्मेदारी इधर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं और अभी देखने में आ रहा है कि प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं है। जो जमीन सरकारी है वह हमारी है का नारा बुलंद हो रहा है स्थानीय प्रशासन पुलिस राजस्व जिस प्रकार से खामोश है वह चिंताजनक है।

पशु चिकित्सालय बना नशेड़ियों का अड्डा-पंचम हनवत

वार्डवासी पंचम हनवत ने बताया कि पशु चिकित्सालय की वर्तमान में भयावह स्थित है सरकारी जमीन सुरक्षित रखना संस्था के अधिकारियों का दायित्व होता है परंतु वहां ऐसा दिखता नहीं है। असामाजिक तत्वों का डेरा है लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है मेरा सुझाव है कि विभाग के लोगों को जमीन को सुरक्षित रखना चाहियें। वहां रहवासी इलाका है अतिक्रमण हटाना चाहिए वहां के जिम्मेदारों को इस स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और यदि वह ध्यान नहीं दे पा रहे हैं तो ऐसे अधिकारी को

नौकरी करने का कोई अधिकार नहीं है। अभी शासन के निर्देश थे कि क्षतिग्रस्त भवनों को हटाना है यह सब नगर पालिका कर सकती है किंतु विभाग के द्वारा उसे बताया जाना चाहिए। अभी वह खंडार से बहुत ज्यादा लोग परेशान है क्योंकि झाड़ियां बहुत ज्यादा है और उसके साथ सांप बिच्छू का विचारण भी बढ़ गया है वहीं असामाजिक तत्वों नशेड़ियों की भी उपस्थित दिखती जा रही है।

इनका कहना है

दुरभाष पर चर्चा में बताया कि तहसीलदार वारासिवनी को सीमांकन करने पत्र लिखा गया था जिसका सीमांकन हो गया है। अतिक्रमण तहसीलदार बतायेंगे रही बात साफ सफाई के लिये नपा को पत्र लिखा जायेगा। खंडार भवन गिराने की अभी जानकारी नही है पूरा हाऊसिंग बोर्ड को जमीन गयी है।

डॉ एन डी पूरी
पशु चिकित्सालय अधिकारी वारासिवनी

भूमि ई.केवायसी से किसान परेशान

पोर्टल की परेशानियों से केंद्र और पंचायत के लगा रहे चक्कर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित क्षेत्र में भूमि की ई.केवायसी करने के लिए किसान काफी चिंतित नजर आ रहे हैं। जिसमें उनकी चिंता का कारण पोर्टल की धीमी गति और लिंक फेल होना शामिल है। जिसके कारण किसानों को ऑनलाइन सेंटर एवं पंचायत भवन के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इस दौरान किसान अपना काम धंधा छोड़कर भूमि ई.केवायसी करवाने के लिए घूम रहा है परंतु निर्धारित समय में उसका कार्य पूर्ण नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण उन्हें भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है । जिसको लेकर किसानों की भीड़ नगर सहित क्षेत्र के ऑनलाइन सेंटर सहित ग्राम पंचायत में आसानी से देखी जा सकती है। पोर्टल की व्यस्तता और लिंक फेल होने के कारण उन्हें एक से दो दिन और दो से चार दिन तक चक्कर लगाने पड़ रहा है। ऐसे में उनके लिए यह समस्या बनी हुई है जिनके द्वारा शासन से इस कार्य के लिए व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है ताकि किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

कार्य करने में हो रही परेशानी

वर्तमान में खेती किसानी का कार्य चल रहा है ऐसे में शासन के द्वारा भूमि ई.केवायसी के लिए निर्देश दिया गया है जिसकी अंतिम तारीख १ अक्टूबर निर्धारित कर दी गई है। जहां पोर्टल और लिंक की व्यस्तता के कारण किसान अपने काम छोड़कर घूम रहा है ऐसे में जिसके लिए वह पंचायत एवं नगर में ऑनलाइन सेंटर में आकर रास्ता देख रहा है। ऐसे में जिस कार्य के लिए वह आये थे वह भी नहीं हो रहा है। वहीं जो कार्य छोड़कर आया है उसमें भी पिछड़ रहे है। जिससे किसानों में रोष व्याप्त है जिनके द्वारा पंचायत स्तर पर ही शिविर आयोजित कर ई.केवायसी की सुविधा देने की मांग की जा रही है।

ई .केवायसी से कई किसान है अनभिज्ञ

भूमि ई.केवायसी के निर्देश शासन के द्वारा दे दिए गए हैं परंतु प्रचार प्रसार और भूमि मालिकों की स्थिरता ना होने के कारण कई किसान आज भी इस कार्यक्रम से अनभिज्ञ बने हुए हैं। जिन्हें इसकी जानकारी नहीं है जिसमें प्रचार प्रसार की कमी कहे या जानकारी का अभाव इस दायरे में ऐसे कई किसान है जो शहरी क्षेत्र में निवास करते हैं । जिन्हें इस संबंध में कोई जानकारी पटवारी या सचिव के द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई है। वहीं कुछ छोटे किसान है जो खेती का कार्य कर या दूसरे किसानों को खेती देकर महानगरों में पलायन कर चुके हैं जो ग्राम में उपस्थित नहीं है। वह भी इस कार्य से अनभिज्ञ है ऐसे में कुछ अनभिज्ञ किसानों के द्वारा उक्त संबंध में बेहतर प्रचार प्रसार करने की बात कही जा रही है।

ई .केवायसी करने में आ रही समस्या- मुलायमसिंह पटले

किसान मुलायम सिंह पटले ने बताया कि समस्या बहुत है लिंक खुल नहीं रही है लेट हो रहा है अधिकतम एक सप्ताह का समय भी लग रहा है। जबकि यह गांव में व्यवस्था बनाए जाना था जो नहीं बनाई गई है हम ग्राम तुमाड़ी से शहर में आ रहे हैं ई.केवायसी करने के लिए परंतु इसमें बहुत ज्यादा समस्या हो रही है। आने जाने की सबसे बड़ी समस्या है कि जिस काम से आए थे वह नहीं हुआ और जो काम करना था वह भी बकाया रह गया। कई किसानो की रोजी रोटी भी मार खा रही है मैं ही नहीं मेरे जैसे कई किसान है जो पंचायत और केंद्र के चक्कर लगा रहे हैं। परंतु वहां पर कभी पोर्टल धीरे चल रहा है तो कभी लिंक फेल हो गई बताया जाता है। मैं आज भी अपनी इसी काम से आया था ऑनलाइन सेंटर में परंतु काम नहीं हुआ वापस जा रहा हूं कल फिर आना होगा।

पोर्टल बहुत धीमा चल रहा है कभी भी बंद हो जाता है-कन्हैया खैरवार

सरपंच कन्हैया खैरवार ने बताया कि पंचायत के माध्यम से भी ई.केवायसी करवाई जा रही है जिसके लिए किसान पंचायत भवन में भी आ रहे हैं। परंतु पोर्टल बहुत धीमा चल रहा है कभी भी बंद हो जाता है । बहुत सारे लोग कर रहे हैं इस कारण यह समस्या होगी परंतु बड़ी मुश्किल से लोगों के पंजीयन हो रहे हैं। कई लोगों को तो ३ दिन ४ दिन भी चक्कर लगाना पड़ रहा है फिर भी उनका काम पूरा नहीं हो पा रहा है। कुछ किसान पंचायत आ रहे हैं कुछ ऑनलाइन सेंटर में जा रहे हैं परंतु समस्या हर किसी के साथ है। अभी बताई जा रही है कि १ अक्टूबर अंतिम तारीख है और मुझे नहीं लगता कि उस तारीख तक भी पूर्ण हो पाएगा। इसमें सबसे ज्यादा समस्या हो रही है कि जो कमाने बाहर चले गए हैं वह किसान संपर्क में नहीं है । जिन्हें जानकारी का अभाव लग रहा है और कुछ किसान को तो इसका पता भी नहीं है। हालांकि प्रचार प्रसार ग्रामीण स्तर पर मुनादी के माध्यम से किया गया है और समय समय पर मुनादी कराई जा रही है।

हिमांशु का देवास के एक निजी कॉलेज में एमबीबीएस के लिये हुआ चयन

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम घोटी निवासी हिमांशु पिता टेकराम उपवंशी का चयन मेधावी विद्यार्थी कोटे के अंतर्गत देवास के एक निजी एमबीबीएस कॉलेज में हुआ है। मेधावी विद्यार्थी में ऐसे विद्यार्थी आते है जो कक्षा एक से बारहवी तक शासकीय शालाओं में पढ़े हो और उनका परफॉर्मेंस बेहतर रहा हो। हिमांशु ने नीट प्रवेश परीक्षा में इस वर्ष ७२० में से कुल ४६४ अंक प्राप्त किए है। हिमांशु के प्रथम प्रयास में ही सफल होने पर सभी ग्राम वासियों द्वारा उनको बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने अंक जरुर कम प्राप्त किए हो और उनको निजी मेडिकल कॉलेज मिला हो लेकिन शासकीय शालाओं में पढ़ने का भी अपना विशेष लाभ होता है। जिसका लाभ कोई भी विद्यार्थी प्राप्त कर सकता है। ऐसे ग्रामीण विद्यार्थी जिनका सपना होता है कि वे एमएमबीएस डॉक्टर बने ऐसे विद्यार्थी शासकीय शालाओं में पढ़कर मेधावी कोटे का लाभ उठाकर अपने सपने को पूर्ण अवश्य कर सकते है।

खैरलांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भोरगढ़ में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कटंगी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन

वर्ष 2024-25 के दौरान अब तक अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन के पहले आधिकारिक अनुमान के हिसाब से अप्रैल और जून के बीच सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वास्तविक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रही है, जो पांच-तिमाही में कम और केंद्रीय बैंक के अनुमान से नीचे है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), जिसने पिछले साल की 8.2 फीसदी की वृद्धि के बाद 2024-25 के दौरान जीडीपी में 7.2 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद की थी, ने इस महीने की शुरुआत में पहली तिमाही के अपने अनुमान को 7.2 फीसदी से संशोधित करके 7.1 फीसदी कर दिया। वास्तविक आंकड़े निराशाजनक हैं और आर्थिक रफ्तार में स्पष्ट गिरावट का संकेत देते हैं, हालांकि कुछ आधार प्रभाव जारी हैं। जीडीपी के बरक्स एक साल तक बढ़ते अंतर के बाद, अर्थव्यवस्था में सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में वृद्धि 6.8 फीसदी से ज्यादा हो गई। इस वित्तीय वर्ष की शुरुआत में, प्रमुख उम्मीदें सामान्य मानसून पर निर्भर थीं, जिससे कृषि क्षेत्र का उत्पादन बढ़ेगा तथा मुद्रास्फीति कम होगी और जो पिछले साल देखी गई कमजोर ग्रामीण मांग एवं निजी उपभोग को बढ़ा सकती है। उच्च मांग से निजी कंपनियों की नई क्षमताओं में निवेश करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी और विकास को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक खर्च पर दबाव कम होगा। भले ही सरकार अभी भी इस साल पूंजीगत व्यय को 17 फीसदी बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये करेगी, जबकि वह मानसून की इस कहानी के खुलकर सामने आने के इंतजार में थी और यह व्यय इस साल की विकास की आकांक्षाओं को रेखांकित करने वाला अन्य स्तंभ है।

जैसे हालात हैं, उसमें इस पटकथा के हिसाब से चीजें अभी पूरी तरह से होनी बाकी है। लंबे समय तक खिंच गए आम चुनाव के चलते सार्वजनिक पूंजी व्यय में भारी गिरावट आई है और सरकार को अपने व्यय संबंधी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रयासों को दोगुना करने की जरूरत होगी। अच्छी खबर यह है कि निजी उपभोग व्यय बढ़कर 7.4 फीसदी के छह-तिमाही के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जिसकी आंशिक वजह हेडलाइन मुद्रास्फीति में कमी है। लेकिन खाद्य पदार्थों की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। मानसून पिछले साल की तुलना में बेहतर रहा है, लेकिन यह अस्थायी एवं स्थानिक रूप से थोड़ा अनियमित और असमान है। कृषि से संबंधित जीवीए में वृद्धि चार-तिमाही के उच्चतम स्तर दो फीसदी पर पहुंच गई है, लेकिन अगले कुछ सप्ताह यह तय करेंगे कि इस क्षेत्र में वाकई सुधार होगा (और खाद्य मुद्रास्फीति में कमी आयेगी) या नहीं। सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान खड़ी ख़रीफ़ फसलों को प्रभावित कर सकता है। यह आरबीआई के लिए निगरानी योग्य एक महत्वपूर्ण बात है, जिसके स्वतंत्र मौद्रिक नीति समिति के सदस्यों ने ब्याज दर में कटौती में देरी होने पर इस साल और अगले साल जीडीपी की वृद्धि में एक फीसदी का नुकसान होने की आशंका जाहिर की है। भारत अभी भी इस साल 6.5 फीसदी से सात फीसदी तक की दर से विकास कर सकता है, लेकिन अधिकांश लोगों को आशंका है कि 2025-26 में विकास दर घटकर 6.5 फीसदी रह जाएगी और मध्यम अवधि की संभावनाएं भी इसी आंकड़े के आसपास रहेगी। आराम के लिहाज से यह रफ्तार बेहद धीमी है। जैसा कि आईएमएफ की शीर्ष अधिकारी गीता गोपीनाथ ने हाल ही में बताया है, नीति निर्माताओं को अर्थव्यवस्था के सभी पहलुओं में तत्काल सार्थक सुधार करने और इसके संस्थानों एवं न्यायपालिका की दक्षता में सुधार करने की जरूरत है। यह इसकी विकास की संभावनाओं को बढ़ाने और अपने युवाओं के लिए लाभकारी रोजगार पैदा करने की उम्मीदों, जोकि भारत की जनसांख्यिकी के लिए लाभांश प्राप्त करने के लिहाज से काफी तेज़ है, को पूरा करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

डंकी रूट से जुड़े संकट एवं दर्द को कौन सुनेगा?

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है।

डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द 'डुंकी' से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना। एक दशक से जारी इस गोरखधंधा-डंकी प्रेक्टिस का तब पर्दाफाश हुआ एवं यह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आया जब इसके अन्तर्गत दिसंबर 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 भारतीय यात्रियों वाले एक चार्टर विमान को रोक दिया था। इनमें से अधिकांश को वापस भारत भेज दिया गया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। डंकी रूट में लिप्त एजेंट अपराधी है, युवा-सपनों को चूर-चूर करने वाले धोखेबाज है। यह दर्द एवं विडम्बना केवल पंजाब की नहीं है, बल्कि गुजरात एवं देश के अन्य भागों के युवाओं की भी है। रोजगार के साथ-साथ शिक्षा सबसे बड़ी वजह है डंकी रूट की। कुछ देशों में तकनीकी तथा अन्य प्रोफेशनल शिक्षा पर भारत के मुकाबले कम खर्च होते हैं इसलिए भी छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं। जिन्हें कम समय में अच्छी कमाई करके अच्छी लाइफ स्टाइल में जीने की ख्वाहिश होती है या फिर जो भारत में किसी क्राइम में शामिल होते हैं वे भी गैरकानूनी तरीका अख्तियार करते हैं।

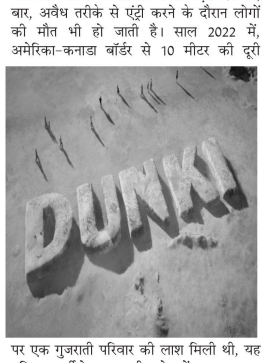

डंकी रूट के ज़रिए लोग अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अवैध तरीके से प्रवेश करते हैं। इस रास्ते में कई जानलेवा खतरों का सामना करना पड़ता है। कई बार, अवैध तरीके से एंट्री करने के दौरान लोगों की मौत भी हो जाती है। साल 2022 में, अमेरिका-कनाडा बॉर्डर से 10 मीटर की दूरी

पर एक गुजराती परिवार की लाश मिली थी, यह परिवार बर्फ़ीले तूफ़ान की चपेट में आ गया था। इसी साल अप्रैल में, एक और गुजराती परिवार की मौत हो गई थी। अमेरिका में एंट्री से पहले ही सेंट लॉरेंस नदी में उनकी बोट डूब गई थी। इस घटना में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे मारे गए थे। युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे शासन तंत्र की नाकामी ही है। यदि ऐसे एजेंट समय रहते कानून व्यवस्था के शिकंजे में फंस गये होते तो युवा ठगी के शिकार न बनते। आखिर हम अपने युवाओं को देश में सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं दे पा रहे हैं? भारत सरकार अन्य देशों के साथ मिलकर युवाओं को धोखे से विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? निस्संदेह, विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से दलाली-ठगी करने वाले इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का खातमा करना अपेक्षित है। एशिया, यूरोप व मध्य अमेरिका तक दलालों के जाल बिछे हैं।

शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' में इस समस्या को उभारा गया है। इस फिल्म में अवैध तरीके से विदेश जाने के तरीके को एवं उसमें होने वाली परेशानियों को दिखाया गया है। मूवी दिखाती है कि सात समंदर पार जाने का सपना लिए लोग कैसे-कैसे अवैध तरीके अपनाते हैं, कितनी दुश्वारियां और कितना पैसा खर्च कर देते हैं। 'डंकी रूट' एक विकराल होती समस्या है। भारत में बढ़ती बेरोजगारी जहां इस समस्या का बड़ा कारण है, वहीं किस तरह युवा भी धैर्य व कठिन परिश्रम के बजाय रातोंरात अमीर बनने के सपने सजोते हुए इन संकटों को आमंत्रित करते हैं। आखिर क्या वजह है कि मां-बाप जमीन बेचकर व अपने गहने-मकान गिरवी रखकर बच्चों को विदेश भेजने को आतुर हैं? आखिर सुनहरे सपनों की चकाचौंध में हमारे युवा दलालों के हाथों के खिलौने क्यों बन रहे हैं? अमेरिका एवं अन्य देशों में जाने के सम्मोहन में अपने जीवन को इस तरह जोखिम में डालना युवा क्यों उचित मानते हैं? पिछले दिनों दलालों ने देश के युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर युद्धरत रूस की फौज में भी भर्ती करवा दिया। कई युवाओं के युद्ध में मरने की खबरें भी आई। दरअसल, युवाओं की इस बदहाली की वजह भ्रष्ट व बेईमान ट्रैवल एजेंट तो हैं ही, हमारी सरकारें भी इसके लिये कम जिम्मेदार नहीं है।

हाल ही में डंकी यात्रा पूरी करने वाले लोगों के परिवारों ने बताया कि मानव तस्कर अक्सर नई दिल्ली और मुंबई से प्रवासियों को पर्यटक वीजा पर संयुक्त अरब अमीरात ले जाते हैं। फिर वे वेनेजुएला, निकारागुआ और ग्वाटेमाला जैसे लैटिन अमेरिका के एक दर्जन से ज्यादा ट्रांजिट बिंदुओं से गुजरते हुए अमेरिका-मेक्सिको सीमा तक पहुंचते हैं। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच साल में दो लाख से ज्यादा भारतीय अवैध तरीके से अमेरिका में घुसते हुए पकड़े गए हैं। ऐसे मामले उजागर होने के तुरंत बाद कुछ गिरफ्तारियां इस बड़े संकट का समाधान नहीं है। इन आपराधिक कृत्यों में लिप्त एजेंट कुछ समय के लिये चुप बैठकर फिर से अपने नापाक खेल में सक्रिय हो जाते हैं। वैसे वे युवा भी कम दोषी नहीं हैं जो वास्तविक स्थिति को जाने बिना शॉर्टकट रास्ते के लिये दलालों को पैसे देने को तैयार हो जाते हैं। दरअसल, विदेश जाने के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक चैनल को दरकिनार करने के खतरों के बारे में भी बताना चाहिए। इसके लिये उन्हें सचेत करने के मकसद से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में 60 हजार कांस्टेबल की भर्ती के लिये 48 लाख से भी अधिक युवा-प्रार्थियों ने आवेदन किया है। थक-हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों एवं परेशानियों की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। एक शख्स के अनुसार उसका भतीजा कैलिफोर्निया में एक डेयरी फार्म में प्रतिदिन लगभग 100 डॉलर कमाता है, जबकि यहां भारत में वह वही काम करके एक महीने में 6,000 रुपये कमाता था। रिश्तेदारों के मुताबिक, इस धन से न केवल उन्हें कर्ज उतारने, स्कूल की फीस भरने, दहेज, घर की मरम्मत और नई कार खरीदने में मदद मिली, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति भी सुधरी। माना जाता है कि हाल के वर्षों में देखे गए वीजा बैकलॉग ने भी कुछ संभावित प्रवासियों को डंकी रूट अपनाने के लिए प्रेरित किया है। संभावित प्रवासियों के लिए यह निर्णय भारी कीमत और बहुत बड़े जोखिम के साथ आता है। विडम्बना देखिये कि मुट्ठी भर डंकी प्रवासियों की सफलता की कहानियां बहुसंख्यकों को गुमराह करती हैं। हर कोई प्रवास के लाभों के बारे में बात करता रहता है, लेकिन कोई भी समस्याओं और चुनौतियों के बारे में बात नहीं करता।

- ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद आरएसएस की चुनावी रणनीतियां

भाजपा के लिए सन 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे निराशाजनक रहे। लोकसभा में उसके सदस्यों की संख्या 303 से घट कर 240 रह गई। नतीजा यह कि पिछली बार जहाँ केवल नाम की गठबंधन (एनडीए) सरकार थी वहीं इस बार सरकार वास्तव में एक पार्टी की न होकर गठबंधन की नज़र आ रही है। पिछली और उसकी पिछली सरकारों में गठबंधन दलों की सुनने वाला कोई नहीं था। मगर अब इस बात की काफी अधिक संभावना है कि गठबंधन के साथी दलों की राय ओर मांगों को सरकार सुनेगी और उन पर विचार करेगी। इसके चलते भाजपा अपना हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा उतनी आसानी से लागू नहीं कर पाएगी, जितना पहले कर लेती थी। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन की ताकत में भी इजाफा हुआ है और राहुल गाँधी की लोकप्रियता में भी बढ़ोत्तरी हुई है। विपक्ष अब अपनी बात ज्यादा दमख़म से कह पा रहा है। ऐसा हो सकता है कि पिछली चुनाव में आरएसएस अपनी राजनैतिक संतान भाजपा की मदद के लिए मैदान में न उतरा हो। मगर यह मानना भूल होगी कि वह चुनाव में भाजपा की हार चाहता था। वह केवल भाजपा के 'नॉन-बायोलॉजिकल' नेता को चेतावनी देना चाहता था, उसके बढ़ते वर्चस्व की हवा निकलना चाहता था। मगर भाजपा की गाड़ी का स्टीयरिंग व्हील अब भी आरएसएस के हाथों में है। संघ पिछली सीट पर बैठ कर गाड़ी चला रहा है। आरएसएस और भाजपा नेताओं की लम्बी-लम्बी बैठकें चल रही हैं जिनमें चुनाव नतीजों की विवेचना की जा रही है और भविष्य की रणनीति तैयार हो रही है। उत्तरप्रदेश में ऐसी ही बैठक में आरएसएस के प्रतिनिधिमंडल के नेता सह सरकार्यवाह (संयुक्त महासचिव) अरुण कुमार थे, जो लम्बे समय से संघ और भाजपा के बीच समन्वय का काम करते आ रहे हैं। लाइव हिंदुस्तान के अनुसार, आरएसएस के राम माधव को जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों का प्रभार दे दिया गया है। आरएसएस को लगता है कि चुनाव में भाजपा की सीटों में गिरावट का मुख्य कारण है दलित वोटों का इंडिया गठबंधन की ओर खिसक जाना। इससे निपटने के लिए विहिप को सक्रिय किया जा रहा है। उसके कार्यकर्ता दलित बस्तियों में बैठकें करेंगे और दलितों के साथ भोजन करेंगे। दलितों को लुभाने के लिए विहिप से जुड़े साधु-संत उनकी बस्तियों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। द हिन्दू के अनुसार, ये धार्मिक नेता नियत स्थानों में पदयात्राएं करेंगे, सत्संग और धर्म संसदों का आयोजन करेंगे, दलितों के घरों में जाएंगे और उनके साथ भोजन करेंगे। यह कार्यक्रम विहिप की 9,000 इकाईयों में किए जाएंगे। यह सब हमें राममंदिर आन्दोलन की याद दिलाता है जिसकी नींव विहिप ने रखी थी और बाद में भाजपा ने इस आन्दोलन का मोर्चा सम्हाल लिया था। आरएसएस चालकों (प्रचारकों, स्वयंसेवकों) को प्रशिक्षण तो देता ही था, अब वह बैकसीट ड्राइविंग भी कर रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों ने उसे हिला दिया है और वह भाजपा के खोये हुए वोट बैंक को फिर से हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास करने वाला है। चुनाव नतीजों के बाद आरएसएस की सक्रियता से यह जाहिर है कि केवल एक सांस्कृतिक संगठन होने का उसका दावा कितना खोखला है। यह अलग बात है कि इस बार आरएसएस को अपनी राजनैतिक ताकत दूसरी दिशा में लगानी पड़ेगी। राममंदिर आन्दोलन, मंडल से मुकाबला करने के लिए खड़ा किया गया था। मोदी सरकार के दस सालों के दौरान हिंदुत्ववादी एजेंडा के अनुरूप जम कर काम किया गया। और अब लोगों को ऐसा लग रहा है कि आरएसएस, जो मनुस्मृति और मुसलमानों से नफरत करो के सिद्धांतों पर आधारित है, सामाजिक न्याय के पक्ष में कभी खड़ा नहीं हो सकता। विपक्षी पार्टियों को हिन्दू राष्ट्र की राजनीति के असलियत को समझने में एक लम्बा वक्त लग गया। मोदी-भाजपा के 10 साल लम्बे पक्षपाती और तानाशाहीपूर्ण शासन के बाद विपक्षी पार्टियों ने आरएसएस की राजनीति के से मुकाबला करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। आरएसएस में भी बदलाव आए हैं। उसके द्वितीय सरसंघचालक एम।एस। गोलवलकर ने उनकी पुस्तक व्ही ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड में नाज़ी और फासीवादी विचारधारा का जम कर गुणगान किया था। संघ ने तिरंगे का विरोध किया था और भारत के संविधान का भी। नाथूराम गोडसे द्वारा महात्मा गाँधी की हत्या के बाद आमजनों की निगाहों में आरएसएस की छवि बहुत ख़राब हो गयी थी। यह नियति ही थी कि जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति आन्दोलन उभरा और उससे आरएसएस को फिर से विश्वसनीयता और स्वीकार्यता हासिल हुई। जेपी प्रतिबद्ध स्वाधीनता संग्राम सेनानी थे मगर फिर भी वे आरएसएस की असलियत को नहीं समझ सके। उन्होंने यहाँ तक कहा कि, अगर आरएसएस फ़ासिस्ट है तो मैं भी फ़ासिस्ट हूँ। नेहरु को आरएसएस की असली प्रकृति की अच्छी समझ थी। दिसंबर 1947 में प्रांतीय सरकारों के मुखियाओं को लिखे गए एक पत्र में नेहरु ने लिखा था, हमारे पास इस आशय के ढेर सारे सुबूत हैं कि आरएसएस की प्रकृति एक निजी सेना जैसी है। वह पूरी तरह से नाजियों की राह पर चल रहा है और नाज़ी संगठनों के तौर-तरीके भी अपना रहा है। आरएसएस की इस असलियत पर बाद की सरकारों ने ध्यान नहीं रखा। इसके अलावा, आरएसएस द्वारा प्रशिक्षित प्रचारकों ने देश की महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनैतिक संस्थाओं में घुसपैठ कर ली। भाजपा सरकार के दो कार्यकालों में जनता के एक बड़े तबके और कई राजनैतिक दलों का भाजपा से पूरी तरह मोहभंग हो गया है। उन्हें यह समझ में आ गया है कि नेहरु जो कहते थे, उसमें सच्चाई थी। इसके अलावा, अनेक नागरिक समाज संगठन, जो चुनावों से दूरी बनाये रखते थे, भी जाग उठे हैं। उन्हें यह साफ़ नज़र आ रहा है कि भाजपा-आरएसएस के शासन ने हमारे समाज को इतना नुकसान पहुंचा दिया है कि इंडिया गठबंधन की सारी कमजोरियों के बावजूद अब यह ज़रूरी हो गया है कि प्रजातान्त्रिक और बहुवादी मूल्यों को पुनर्स्थापित करने के उसके अभियान को हर तरह का सहयोग दिया जाए। विभिन्न मुद्दों पर अपने मतभेदों को परे रख, ये संगठन आपस में सहयोग कर रहे हैं ताकि हमारे देश में प्रजातंत्र बचा रहे और बहुवाद फले-फुले। इडूलु कर्नाटक और उसके बाद भारत जोड़ो अभियान इस सहयोग के उदाहरण हैं। यह अहसास केवल राजनीति के क्षेत्र तक सीमित नहीं। हम सब देख रहे हैं कि किस तरह देश में वैज्ञानिक और तार्किक सोच को हतोत्साहित किया जा रहा है और अंधश्रद्धा को बढावा दिया जा रहा है। प्राचीन भारत का अतार्किक महिमामंडन हो रहा है। हमें बताया जा रहा है कि प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी थी।

-राम पुनियानी

इस लिंचिंग पर भी बोलना पड़ेगा आपको

अक्सर मेरे तमाम मित्र मुझसे हिंसा और बलात्कार की हर वारदात पर लिखने की अपेक्षा रखते है। अधिकांश अंधभक्तों की अपेक्षा होती है कि कोई लेखक हो,विपक्ष का नेता हो वो सबसे पहले हिन्दुओं पर बोले,बंगाल पर बोले लेकिन उत्तरप्रदेश या डबल इंजिन की सरकार वाले किसी सूबे के बारे में न बोले। लेकिन हमारी कोशिश होती है कि जहां बोलना जरूरी है ,कम से कम वहां जरूर बोला जाये। मिसाल के तौर पर आज हमें हरियाणा में हुई लिंचिंग की ताजा वारदात पर बोलना पड़ रहा है ,क्योंकि हम जानते हैं कि इस वारदात को लेकर कोई सत्तारूढ़ दल शायद ही बोले।

हरियाणाके चरखी दादरी में गोरक्षक समूह की दरिंदगी सामने आई है। यहां एक शख?स की गोमांस खाने के शक में पीट-पीटकर हत?या कर दी गई। इस तरह की वारदात को अंग्रेजी वाले लिंचिंग कहते हैं। इस घटना के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें गोरक्षक दल के युवक दो लोगों के साथ बेरहमी से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कुछ लोग हस्?तक्षेप भी करते हैं, लेकिन गोरक्षक किसी की नहीं सुनते।

यह लोमहर्षक वारदात 27 अगस्?त की है, जिसमें एक शख?स की मौत हो गई तो दूसरा गंभीर रूप से घायल है.। पुलिस पूरे एक महीना इस वारदात पर पर्दा डाले रही। हालाँकि पुलिस ने बाद में इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. साथ ही दो किशोरों को भी पकड़ा गया है.

पुलिस के मुताबिक, चरखी दादरी जिले के बाढड़ा में कुछ युवकों ने गोमांस बनाकर खाने और बेचने के आरोप में कबाड़ बेचने वाले एक प्रवासी मजदूर की डंडों से पीट-पीटकर हत?या कर दी। युवक की पहचान 26 साल के साबिर मलिक के रूप में की गई है। साबिर बाढड़ा में झुग्गी झोपड़ी बनाकर रह रहा था। परिजनों का आरोप है कि कबाड़ बेचने का बहाना बनाकर उन्?हें बुलाया गया और फिर इस वारदात को अंजाम दिया गया। हरियाणा के संवेदनशील मुख्यमंत्री मुख?यमंत्री नायब सैनी ने चरखी दादरी की घटना की निंदा की है। उन्?होंने कहा कि इस प्रकार की बातें ठीक नहीं है। गौ माता की सुरक्षा के लिए हमने कानून बनाया है। लेकिन उन्होंने बड़ी ही मासूमियत से ये भी कह दिया कि गांव के लोगों को जब पता लगता है कि ऐसा हो रहा है तो उन्हें कौन रोक सकता है ? यानि ऐसी वारदातों को सरकार का परोक्ष रूप से संरक्षण है !

धुले में रहने वाले 72 वर्षीय बुजुर्ग अशरफ अली सय्यद हुसैन खुश नसीब थे जो उनकी जान बच गयी। वे अपनी बेटी से मिलने के लिए जलगांव से कल्याण जाने के लिए धुले सीएसएमटी एक्सप्रेस में सवार थे। उन्हें भी लोगों ने बीफ ले जाने के संदेह में धुन दिया। गनीमत है कि उनकी जान बच गयी। इस मामले में ठाणे जीआरपी में एफआईआर दर्ज करने के लिए रेलवे के पुलिस कमिश्नर ने आदेश दिए थे, जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की मानें तो धुले एक्सप्रेस ट्रेन में पहले सीट को लेकर लड़ाई हुई और फिर उन पर बीफ लेकर यात्रा करने का आरोप लगाकर पिटाई की गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान कर ली है, जो धुले के रहने वाले हैं. पुलिस की टीम उनकी तलाश करने धुले भेजी गई है।

एक ही मिजाज की ये दो वारदातें इस बात को प्रमाणित करतीं है कि समाज में सियासत ने नफरत के जो बीज दस साल पहले बोये थे वे अब फलने-फूलने लगे हैं। अल्पसंख्यकों को बहुसंख्य समाज अपना दुश्मन नंबर एक समझने लगा है। अल्पसंख्यक क्या खाएं, क्या पहने, कहाँ जाएँ या न जाएँ ये सब सियासत तय करना चाहती है। असम में विधानसभा में सौ साल से विधानसभा में नमाज के लिए दिया जाने वाला ब्रेक भी असम की सरकार ने बंद कर दिया। ये सरकार की और से की गयी भावनात्मक लिंचिंग नहीं तो और क्या है ? लेकिन इन तमाम मुद्दों पर वो भाजपा मौन है जो कोलकाता में एक महिला चिकित्सक की हत्या और बलात्कार के मामले को लेकर सिर पर आसमान उठाये हुए है। यानि भाजपा के लिए लिंचिंग कोई मुद्दा नहीं है। अल्पसंख्यकों कोई सुरक्षा कोई मुद्दा नहीं है। मणिपुर की हिंसा कोई मुद्दा नहीं है ,लेकिन यदि मुद्दा है तो कोलकाता में महलाओं की सुरक्षा।

देश में महिला सुरक्षा को लेकर जो रुख बंगाल को लेकर है वो उत्तरप्रदेश,हरियाणा,महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में होने वाली वारदातों को लेकर क्यों नहीं है ? प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि , न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक बुनियादी ढांचा के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। मोदी जी का दावा है कि पिछले 25 साल में जितनी राशि न्यायिक बुनियादी ढांचा पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही हुआ है। वे हरियाणा की लिंचिंग पर कुछ न बोलते हुए कहते हैं कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही बड़ा भरोसा मिलेगा।

प्रधानमंत्री जी कभी झूठ नहीं बोलते । वे जो कह रहे हैं वो सोलह आना सच होगा ही, उनकी पार्टी की सरकारों ने तो बुलडोजर संहिता लागू कर अदालतों का काम भी सरकारों को करने की छूट दे दी है। भाजपा शासित राज्यों में तो अदालतों कि फैसले आने से पहले ही सरकार आरोपियों कि घर-मकान,दुकाने, जमींदोज कर देतीं हैं ,लेकिन महिलाओं,बच्चों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हैं की रुकने का नाम ही नहीं ले रहे। यानि बुलडोजर संहिता भी नाकाम हो गयी। आने वाले दिनों में क्या होगा ,ये कहना कठिन है। अभी तो जान के लाले पड़े हुए हैं।

- राकेश अचल

राजनीतिक सुचिता के लिए ब्रह्माकुमारीज का कांफ्रेंस यज्ञ!

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय यानि ब्रह्माकुमारीज यूं तो हर क्षेत्र व वर्ग के लोगो को उनकी रुचि या फिर व्यवसाय के साथ राजयोग को जोड़कर उनके तनाव को कम कर उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने का प्रशिक्षण देती है।इसी के तहत आगामी 13 सितंबर से ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय आबू रोड के आनंद सरोवर में ब्रह्माकुमारीज संस्था स्ट्रेस फ्री गर्वनेंस का पाठ राजनीति से जुड़े लोगों को पढ़ाएगी। ब्रह्माकुमारी का सहज राज योग व ध्यान मानसिक शांति और आंतरिक सद्भाव लाने की एक प्राचीन तकनीक है। ऐसी तकनीकों के अभ्यासों पर किये गए शोध से पता चला है कि, वे तनाव प्रबंधन और कई मनोदैहिक रोगों की रोकथाम में बहुत मददगार सिद्ध हुए हैं। योग शब्द का सीधा अर्थ है मिलन और राजा शब्द का अर्थ है सर्वोच्च, राजा या मास्टर। जिससे स्पष्ट है कि राज योग सभी योगों का राजा है क्योंकि इसके माध्यम से व्यक्ति संप्रभुता संपन्न बन सकता है। इसके नियमित अभ्यास से जीवन में अच्छा स्वास्थ्य, खुशी और समृद्धि आती है। तनाव मुक्ति प्रबंधन तंत्र के माध्यम से ब्रह्माकुमारी सहज राज योग ध्यान के लाभकारी प्रभावों पर केंद्रित एक ऐसी विधा है,जिसे दुनिया के 140 देश अपना रहे है। राजयोग का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ, समृद्ध, खुशहाल और मूल्य आधारित समाज का निर्माण करना है। सहज राज योग ध्यान के अनुप्रयोग पर गहन शोध कार्य ने कई स्वास्थ्य लाभों से सम्बंधित निष्कर्ष निकाले है ,जो मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मक भावना को बढ़ावा देने के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण रहे हैं। राजयोग के अभ्यास से संज्ञानात्मक क्षमताएँ बढ़ती हैं जैसे एकाग्रता, स्मृति और ध्यान में सुधार आता है। ये विधि नकारात्मक प्रवृत्तियों पर काबू पाकर सकारात्मक संबंध विकसित करने के लिए उपयोगी हैं।राजयोग राजनीति ,शासन या राज्य के सार्वजनिक मामलों का संचालन करने की कला और विज्ञान का भी आधार है। चूंकि राजनेता सभ्य समाज का एक अभिन्न अंग हैं,देश में राजनीति करने वालों के नैतिक मानकों को बढ़ाने की जरूरत के चलते राजयोग बेहद जरुरी है। वह भी तब जब बेईमानी और आपराधिकता देश के राजनीतिक ताने-बाने में गहराई तक समा गई हो,अब समय आ गया है कि सत्ता के गलियारों से इन बुराइयों को दूर करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। अगर पूरे राजनीतिक वर्ग को अपने कुछ सदस्यों के आपराधिक और अनैतिक कृत्यों के कारण बदनामी से बचाना है तो राजनेताओं में आध्यात्मिक जागृति लानी होगी। राजनेताओं को जनता का सम्मान करना चाहिए और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और कानूनी तरीके से निर्वहन करना चाहिए। यह तभी संभव है जब हम अपने सांस्कृतिक मूल्यों और गुणों को व्यवहार में लाएं। ब्रह्माकुमारीज की राजनेताओं की सेवा शाखा ने राजनीतिक वर्ग को आध्यात्मिक रूप से शिक्षित करके उन्हें यह समझाना अपनी प्राथमिकता बना ली है कि राजनेताओं का कर्तव्य है कि वे सिद्धांतवादी बनें और मूल्य-आधारित राजनीति करें ।

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

इन्दौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा -

इन्दौर । लेवाली मजबूत रहने से आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में सुधार देखा गया। तिलहनों में सरसो मजबूत बनी रही। किराना जिंसों में बादाम गिरी में सुधार देखा गया। दलहनों में चना 7950 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखे गये।

किराना - शनिवार को स्थानीय किराना बाजार में व्यापार अच्छा देखा गया। शक्कर में माह सितम्बर के 23.50 लाख टन कोटे के बाद बाजार में ठहराव ही रहा। यद्यपि यह कोटा माँग के अनुसार रहने से बाजार पूर्वस्तर पर रहे। शक्कर में बाजार 3870-3890 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखी गयी। खोपरा गोला कमजोर आवक व माँग के चलते जोरदार तेजी पर रहा। आलौच्य अवधि में खोपरा गोला 135-150 रू. प्रति किलो पर देखा गया। कालीमिर्च में दिसावर तेजी को देखते हुए बाजार मजबूती बनाये रहे। कालीमिर्च एटम क्वालिटी मालों में बाजार 715-718 रू. प्रति किलो पर बने रहे। सूखे मेवों में पूछपरख से बाजार हल्की-फुल्की तेजी बना गये। बादाम गिरी में बाजार 720-740 रू. प्रति किलो पर मजबूत रहे। नारियलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा, किन्तु आवकें कमजोर रहने से बाजार सुर्खी पर रहे। इस दौरान नारियलों में बाजार 120 भरती मालों में 2050-2100 रू. प्रति थैले पर बने रहे।

तेल तिलहन - आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार कमोवेश मजबूती के रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा सामान्य है। मानूसन की भरपूर मेहरबानी के चले रबी तिलहनों में उत्पादन अच्छा रहने की आशा है। समीक्षा सप्ताह के दौरान सींगदाना तेल इन्दौर लाइन पर 1550-1570 रू. प्रति 10 किलो पर मजबूत बने रहे। सोया व कपास्या तेलों में 5-20 रू. प्रति 10 लिो की तेजी आयी और सोया तेल रिफाइंड मालों में बाजार 985-990 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। कपास्या तेलों में बाजार 965 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन 4400 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। सरसो व रायडा में 100-150 रू. प्रति क्विंटल की तेजी आयी और सरसो बाजार 5800-5900 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये।

दाल दलहन - आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में पूछपरख रहने से चना 7950 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखया गया। तुअर दाल में लेवाली सामान्य है। साबूत मालों में भी पूछपरख सामान्य रहने से बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। उड़द व मूंग में लेवाली रहने से बाजार मजबूती के देखे गये। उड़द में बाजार 9000-9200 रू. प्रति क्विंटल पर सुर्ख देखे गये। मसूर में लेवाली सामान्य है, जिससे बाजार में टिकाव देखा गया।

सेबी ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा, निकासी मानदंड सख्त किए

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा और निकासी के मानदंडों में कई बदलाव किए। संशोधित नियमों के तहत स्टॉक के लिए मीडियन क्वार्टर सिग्मा ऑर्डर साइज (एमक्यूएसओएस) को 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा मिनिमम मार्केट वाइड पोजिशन लिमिट (एमडब्ल्यूपीएल) को 500 करोड़ से तीन गुना बढ़ाकर 1,500 करोड़ कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष में जुलाई तक राज्यों को 3.66 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वित्त मंत्रालय ने अपने वित्तीय लेखा-जोखा की रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकारों को उनके करों के हिस्से के रूप में 3,66,630 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 57,109 करोड़ रुपये अधिक है। सरकार ने जुलाई तक कुल 13,00,351 करोड़ खर्च किए हैं, जो बजट अनुमान का 27 फीसदी है।

बीते सप्ताह मंडियों में तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के खाने के तेलों के आयात शुल्क बढ़ने की संभावना के कारण किसानों के मंडियों में आवक घटाने के बीच बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम में सुधार देखने को मिला तथा सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव मजबूत बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये बढ़कर 6,275-6,315 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 400 रुपये बढ़कर 12,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश 55-55 रुपये की मजबूती के साथ क्रमश: 1,985-2,085 रुपये और 1,985-2,100 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमश 170-170 रुपये की मजबूती के साथ क्रमश 4,670-4,700 रुपये प्रति क्विंटल और 4,480-4,605 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 125 रुपये, 125 रुपये और 50 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 10,575 रुपये, 10,175 रुपये तथा 8,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में सुधार रहा। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की मजबूती के साथ 6,550-6,825 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 15,525 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 2,335-2,635 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 325 रुपये की मजबूती के साथ 9,425 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 200 रुपये के सुधार के साथ 10,525 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये के सुधार के साथ 9,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बिनौला तेल 350 रुपये के सुधार के साथ 10,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में सप्ताहांत पर तेज गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के भाव रविवार को स्थिर हैं, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्तहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.12 प्रतिशत की गिरावट लेकर 73.65 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 1.43 प्रतिशत उतरकर 78.82 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

आज का राशिफल

मेष - आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता है और आपको बिजनेस में लाभ के अवसरों को भी हाथ से जाने नहीं देना है। आप किसी यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं, जिसमें आपको अपने सामानों पर पूरा ध्यान देना होगा। पारिवारिक समस्याएं फिर से उभरेगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात शुरू हो सकती है।

वृषभ - आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी संबंधित मामलों में अच्छा रहने वाला है। आपकी कोई डील फाइनल होने से आपको खुशी होगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। नौकरी में आप अपने काम से अधिकारियों को खुश रखेंगे। आपके अच्छे व्यवहार से लोग आपसे मित्रता रखने की चेष्टा रखेंगे।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए लेनदेन के मामले में सावधान रहने के लिए रहेगा। आप किसी काम को लेकर उत्साहित रहेंगे। जीवनसाथी को आप कहीं शॉपिंग पर लेकर जाने की योजना बना सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ आप आनंद भरा समय व्यतीत करेंगे। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को कोई भी फैसला बहुत ही सोच विचार कर लेना होगा। बिजनेस में आप यदि कोई जोखिम उठाएंगे, तो इससे बाद में आपको कोई नुकसान हो सकता है।

कर्क - आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी पारिवारिक मुद्दे को सुलझाने में संयम बनाए रखें। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी। नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने से आपके अधिकारी भी शाबाशी देंगे। अपनी किसी गलती को लेकर आपको पछतावा होगा। सरकारी क्षेत्रों में आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपका कोई पुराना मित्र आपके घर दावत पर आ सकता है।

सिंह - आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपकी आय में वृद्धि होगी। आपको अपने खर्चों को भी कंट्रोल करने की आवश्यकता है। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप अपने अनुभवों का पूरा लाभ उठाएंगे। संतान से आप किसी बात को लेकर नाराज रहेंगे। आप अपने माता-पिता से आशीर्वाद लेकर जाएं, तो बेहतर रहेगा।

कन्या - आज का दिन आपके लिए सावधानी व सतर्कता बरतने के लिए रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। माता जी को यदि कोई पैरों से संबंधित समस्या चल रही है, तो आपको उसके लिए कुछ टेस्ट कराने होंगे। आप अपनी मेहनत पर भरोसा रखें। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें कोई मौका मिल सकता है।

तुला - आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आप अपने बिजनेस को लेकर किसी के साथ पार्टनरशिप कर सकते हैं। जीवनसाथी से यदि कुछ खटपट चल रही थी, तो वह बातचीत के जरिए दूर होगी। आपका कोई कानूनी मामला सुलझेगा, जिसमें फैसला आपके पक्ष में आ सकता है।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए प्रभाव व प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए आगे आएंगे। मामा पक्ष से आपको धन धन लाभ मिलता दिख रहा है। आप अपनी जिम्मेदारियां समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। आपके अधिकारी कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कुछ बोझ डाल सकते हैं।

धनु - आज का दिन आपके लिए कुछ उलझनो भरा रहने वाला है। आपको धन प्राप्ति के योग बनते दिख रहे हैं। बड़ों के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। परिवार में किसी सदस्य को आपकी बात पूरी लग सकती है। आप किसी की कही सुनी बातों में पड़ने से बचें।

मकर - आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपकी इनकम के सोर्स में यदि कुछ गिरावट चल रही थी, तो वह दूर होगी। आप परिवार में छोटे बच्चों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपका धन यदि कहीं फंसा हुआ था, तो वह आपको मिल सकता है। आप यदि किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो, तो वहां कोई भी बात बहुत ही सोच विचार कर बोले।

कुंभ - कुंभ राशि के जातकों के लिए दिन धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। यदि आपका कोई काम धन को लेकर लटका हुआ था, तो वह पूरा हो सकता है। आप किसी नए प्लॉट को खरीदने की तैयारी कर सकते हैं। आपको अपने कामों में बदलाव करने से बचना होगा। यदि आपको संतान की शिक्षा को लेकर कोई चिंता चल रही थी, तो वह दूर होगी। आपका मन बाकी कामों में लगेगा।

मीन - आज का दिन आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है। वैवाहिक जीवन आनंदमय रहेगा, क्योंकि आपके साथी आपको बातों को पूरा महत्व देंगे और आपको कोई गिफ्ट भी दे सकते हैं। सामाजिक कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपको राजनीति के कामों में भी बढ़ने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में यदि कोई समस्या आपको लंबे समय से परेशान कर रही थी,

शब्दजाल- 7648

शब्दजाल में 'असाधारण' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

अजब, अदभुत, अनूठा, अनोखा, अपूर्व, निराला, विचित्र, विलक्षण, विशेष, अनुपम.

अ	ज	प	रे	दा	अ	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	अ	न	आ	नो	ग	द	इ	ह	वि
अ	व	नू	पू	ग	खा	थ	त	ग	क	ल
द्	जा	व	ते	र्व	ज	क	म	न	त	क्ष
भु	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	ण
त	द	म	नि	य	अ	पू	न	ला	र	नी
ती	जं	म	रा	हि	प	नु	श	र	ज	ल
क	ल	ग	ला	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	बा	फा	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	प	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
वि	शे	ष	त	त	ल	ज	र	वा	त	थ

शब्दजाल - 7647 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.48 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	08.59 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.13 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	13.29 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	15.35 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	17.21 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	18.54 बजे से
राहु	मीन में	मेष	20.24 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	22.04 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मिथुन	00.03 बजे से
		कर्क	02.16 बजे से
		सिंह	04.32 बजे से

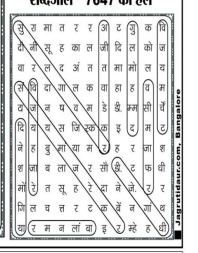

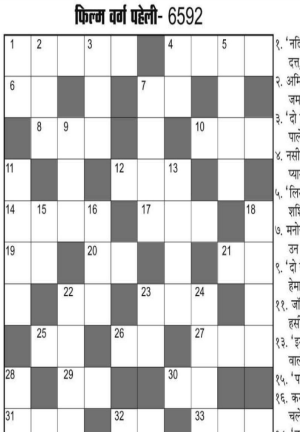

सोमवार 2024 वर्ष का 246 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण **तिथि** अमावस्या अहोरात्र।
नक्षत्र मघा 00.20 बजे रात्र को समाप्त।
योग शिव 18.20 बजे को समाप्त।
करण चतुष्पद 18.21 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 49'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872090
जूलियन दिन 2460555.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 28
विशेष सोमवती अमावस, कुशग्रहणी, स्ना. दा. श्रा. अमावस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सत्य की राह

जब मार्टिन लूथर ने ईसाई धर्म में प्रचलित रूढ़ियों के वि
में आवाज उठाई तो एक खास तबके ने उन्हें और उ
सहयोगियों को तरह-तरह से परेशान करना शुरू कर दिया। इ
उकताकर एक दिन मार्टिन लूथर के एक शिष्य ने उनसे कहा, '
तो हद हो गई है, अब आप एक शाप देकर इन सब लोगों
जलाकर खाक कर दीजिए।' मार्टिन लूथर ने कहा, 'ऐसा कैसे
सकता है?' शिष्य बोला, 'आपकी प्रार्थना तो भगवान सुनते हैं।
प्रार्थना में कह दें कि इन सब पर बिजली गिरे।' मार्टिन लूथर
कहा, 'यदि मैं भी ऐसा ही विचार करने लगूं तो मुझमें और उ
क्या अंतर रहा जाएगा?' यह सुनकर शिष्य सोच में पड़ गया। उ
फिर कहा, ' लेकिन इन लोगों का अविवेक, अन्याय और नासम
तो देखिए। आप जैसे सात्विक सज्जन और परोपकारी संत को
जाने क्या-क्या कहते हैं।' मार्टिन लूथर बोले 'उसे देखना हम
काम नहीं है। हमें तो अपने ढंग से असत्य और विकृतियों को उ
फेंकने का काम करना है। शेष सारा काम ईश्वर को स्वयं देख
है।' शिष्य फिर भी संतुष्ट न हुआ। उसने पुनः विनम्रता से कहा, '
अपनी शक्ति आजमा कर ही उन्हें क्यों नहीं बदल देते? आप
सर्वसमर्थ हैं।' इस पर मार्टिन लूथर ने कहा, 'यदि राग और
रोग और दोष अंत:करण से न घटे तो गुरु उसमें किस प्र

फिल्म वर्ग पहेली- 6592

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6591

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा	
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ग	मा		वी	रू
	र		घ		ज	न	म		र
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त
स			डी			नू	री		
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	नु	रा	ग			प	
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6901

★★★☆☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6900 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 8116

बाएँ से दाएँ

1. दैत्य, असुर-3
3. रुकावट, बाधा-4
6. सम्मान-2
7. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
8. मूल, कंद-2
9. सलाह, मशवरा-2
10. मोटा आटा-2
12. सलाह देने वाला-5
14. जलाना-3
17. माला का मोती-3
19. उग्रवाद, हिंसा वाद-5
22. शराब, मदिरा-2
24. दुख, कष्ट-2
25. चेतना, ध्यान-2
27. सालन, रसा-3
28. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
29. राजकुमार (उर्दू-4)
30. अस्तित्व, प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1. खैरात, दक्षिणा-2
2. गोलाकार-5
3. नश्वर, जो कभी न मरे-3
4. प्रतिदिन-2
5. हृदय स्पंदन-4
6. विचार-3
9. मार्ग, रास्ता-2
11. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13. बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15. सीरा, एक मिष्ठान्न-3
16. पतंग के पेच लड़ाना-5
17. बेसुध, अलमस्त-4
18. कार्य-2
20. जरा, थोड़ा-2
21. दरवाजा खटखटाना-3
23. इन्होंने कृष्ण को पाला था, कृष्ण की दूसरी मां-3
26. उकसावा, बढ़ावा-2
28. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -8115 का हल

न	ट	व	र	ना	ग	र		
	क्र		म		ज		का	
ज	र		जा	हि	रा		जी	त
ब		ज	न		ज	मा		ल
र	च	ना				ज	वा	ब
द		ना	स		दा	रा		गा
स्त	र		मा	न	ना		ख	र
	थ		धा		पा		ल	
		स	न	स	नी	फै	ल	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

वैश्विक रुख और पीएमआई जैसे आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली। इस सप्ताह वैश्विक रुख, वृहत आर्थिक आंकड़ों की घोषणा और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां घरेलू शेयर बाजार की चाल तय करेंगी। बाजार के विश्लेषकों ने यह बता कही है। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा प्रभावित करेंगे। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि फेडरल ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की अगली बैठक सितंबर के मध्य में होनी है लेकिन उससे पहले बाजार की नजर अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों पर होगी। विनिर्माण पीएमआई, गैर-कृषि रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े इस सप्ताह जारी होने हैं। ये सभी उल्लेखनीय रूप से बाजार धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत पूंजी प्रवाह भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। घरेलू बाजार में तेजी के पीछे प्राथमिक कारण अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की बढ़ती उम्मीद और घरेलू निवेशकों की लिवाली है। वाहन बिक्री आंकड़ों की घोषणा के बीच इन कंपनियों के शेयरों पर नजर होगी। उन्होंने कहा कि अनुमान लगाया जा रहा है कि शेयर केंद्रित कदम के साथ बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहेगा। सप्ताह के दौरान जारी होने वाले वैश्विक वृहत आर्थिक आंकड़ों से घरेलू बाजार को संकेत मिलना जारी रहेगा। एक वरिष्ठ बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि व्यापक स्तर पर खरीद समर्थन से मानक सूचकांक नई ऊंचाई पर पहुंच गए। पिछले सप्ताह जैक्सन होल बैठक में मिले संकेत के बाद अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद ने निवेशकों को अधिक आश्वस्त किया है। हालांकि, सतर्क रुख अपनाया जा सकता है और मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। इसका कारण, बाजार पिछले 12 कारोबारी सत्रों से चढ़ रहा है।

ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना किया बंद

नई दिल्ली । ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना बंद कर दिया है, अब ब्राजील यूजर्स एक्स सेवा का उपयोग नहीं कर पाएंगे। मोबाइल और वेब वर्जन दोनों पर सेवाएं बदं कर दी गई हैं। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश एक्स प्लेटफॉर्म की सर्विस ब्राजील में एक्सपायर हो गईं। ब्राजील सुप्रीम कोर्ट और मस्क के बीच में लंबे समय से विवाद चल रहा था। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस एलेक्जेंडर डि मोरियस ने पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया। ब्राजील में एक्स पर आरोप लग चुके हैं कि वह ब्राजील में तख्तापलट की खबरें व लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कंटेंट को बढ़ावा दे रहे हैं। दरअसल ब्राजील के जस्टिस डि मोरियस ने बुधवार को मस्क इस एक्स कंपनी को ऑर्डर दिया कि वह 24 घंटे के अंदर एक कानूनी अधिकारी अपॉइंट करें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बाद ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट ने शुक्रवार को पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया और 18 मिलियन रियाल (लगभग 40 करोड़ रुपये) का जुर्माना भी लगाया। ब्राजील कोर्ट ने नेशनल टेलीकम्युनिकेशन एजेंसी को 24 घंटे के अंदर ब्लॉक करने का आदेश दिया। साथ ही एप्पल और गूगल को ऑनलाइन प्ले स्टोर्स से इस एक्स ऐप को हटाने का 5 दिन के अंदर आदेश दिया।

मस्क ने इस पूरे मामले को लेकर पोस्ट किया और एक्स पर पोस्ट करके कहा कि ब्राजील के वर्तमान प्रशासन के तहत निवेश करना पागलपन है। जब नई लीडरशिप आएगी, तब इसमें बदलाव आएगा। कोर्ट के आदेश में आगे कहा कि बैन के बाद अगर कोई कंपनी या संस्था एक्स को चलाने के लिए वीपीएन आदि का इस्तेमाल करके चलाती है, तो उस पर 50 हजार रियाल (करीब 11 लाख रुपये) का जुर्माना लगाए जाने का आदेश है।

बीते सप्ताह आठ शीर्ष कंपनियों का मार्केट कैप 1.53 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली । बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी के साथ देश की 10 शीर्ष कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,53,019.32 करोड़ रुपये बढ़ गया। भारतीय एयरटेल, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सर्वाधिक लाभ में रहीं। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 47,194.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,04,587.12 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 33,611.37 करोड़ रुपये बढ़कर 8,06,880.50 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 31,784.9 करोड़ रुपये बढ़कर 16,46,899.17 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,734.3 करोड़ रुपये बढ़कर 8,66,374.41 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 13,396.42 करोड़ रुपये बढ़कर 20,43,107.10 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का एमकैप 5,600.24 करोड़ रुपये बढ़कर 12,44,206.43 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) का मूल्यांकन 2,340.25 करोड़ रुपये बढ़कर 6,73,390.88 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 356.98 करोड़ रुपये बढ़कर 7,27,935.97 करोड़ रुपये पहुंच गया।

हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 8,411.54 करोड़ रुपये घटकर 6,52,739.95 करोड़ रुपये और आईटीसी का एमकैप 4,776.48 करोड़ रुपये घटकर 6,27,587.76 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे मूल्यवान कंपनी का दर्जा बरकरार रखा है। उसके बाद क्रमश टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, स्टेट बैंक, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

आज धूमधाम से मनाया जायेगा पोला पर्व

नगर में सजी मिट्टी और लकड़ी के बैल की दुकानें

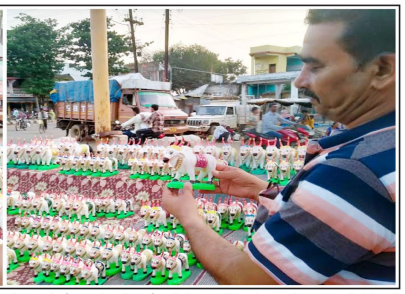

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र जो कि महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्य की सीमाओं से लगे होने के कारण इन दोनों ही पड़ोसी राज्य में मनाये जाने वाले सभी प्रमुख त्यौहारों एवं बोली भाषाओं का असर लांजी क्षेत्र में देखा जा सकता है। इसी के चलते लांजी क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र में मनायें जाने वाले प्रमुख त्यौहार मनायें जातें हैं। इसी के चलते आज क्षेत्र में पोला पर्व धुम धाम से मनाया जाएगा। भादो मास की अमावस्या को पोला पिठोरा पर्व मनाया जाता है। यह पोला पर्व किसान वर्ग का प्रमुख त्यौहार है, खेती किसानी का काम समाप्त हो जाने के बाद पशु धन का पूजन कर आभार व्यक्त करने का दिन है। इस दिन बैल जोड़ियों को सजाकर इनकी पूजा की जाती है एवं घर घर ले जाकर भी पूजन किया जाता है। यह भी मान्यता है कि इस दिन धान के पौधे में दुध भरता है धान गर्भ धारण करता है। इस दिन घरो में माताऐं बहने पर्व के लिये तरह तरह के पकवान व्यंजन जिसमें पुरणपोली, उड़द दाल के बड़े, गुजिया, ठेठरी, खुरमी, खीर पुड़ी सहित अनेकों व्यंजन बनाये जाते है। जिन घरों में बैल जोडीयाँ होती है वे उस दिन अपने बैल जोडीयों को अच्छी तरह से नहलाकर सजाकर एवं उन्हे रंग बिरंगे फुलों अन्य साज सज्जाओं की सामग्रियों से सजाकर एक स्थान पर एकत्रित करते वहां उनका पूजन कर घर घर ले जाया जाता है। जहां उनका पूजन कर उन्हे घर मे बने व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

नगर में सजी मिट्टी एवं लकड़ी के बैलों की दुकाने

पोला पर्व के चलते दो तीन दिन पूर्व से ही नगर चौक चौराहो एवं तथा ग्रामों में मिट्टी के भांडे सोरया एवं नंदी बैल एवं खिलौने की दुकानें वही लकड़ी के भी नंदी बैल की दुकाने सजी दिखाई दी है। बढ़ती मंहगाई के चलते इन भांडे सोरया, नंदी बैल के दामो में बढोतरी नजर आई है। फिर भी पर्व को धुम धाम से मनाने के लिये लोग सामग्री खरीदते नजर आये। पोला पर्व पर नगर परिषद लांजी के द्वारा परंपरानुसार नगर के पूराना गुजरी चौक के समीप में पोला पर्व भराया जाता, नगर परिषद कार्यालय से आरती थाल लेकर परिषद के अध्यक्ष उपाध्यक्ष, पार्षद गण, गणमान्य नागरिक गणो सहित कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारी आतिशबाजी करते हुये बाजे गाजे के साथ पोला पर्व स्थल पर पंहुचकर सर्वप्रथम माँ लंजकाई मंदिर में पूजा अर्चना करने के उपरांत श्री हनुमान मंदिर में पूजन करने के उपरांत आतिशबाजी कर बैल जोडीयों को रवाना किया जाता है।

लांजी नगर परिषद के द्वारा मनाया जायेगा पोला पर्व

पोला पर्व पर आज 2 सितंबर 2024 को नगर परिषद लांजी के द्वारा परंपरानुसार नगर के पूराना गुजरी चौक के समीप में पोला पर्व भराया जाएगा, नगर परिषद कार्यालय से आरती की थाल लेकर परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद गण, गणमान्य नागरिक गणों सहित कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारी आतिशबाजी करते हुये बाजे गाजे के साथ पोला पर्व स्थल पर पंहुचकर सर्वप्रथम माँ लंजकाई मंदिर में पूजा अर्चना करने के उपरांत श्री हनुमान मंदिर में पूजन करने के उपरांत आतिशबाजी कर बैल जोडीयों को रवाना किया जाता है।

माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति बैल जोड़ियों को करेंगी पुरस्कृत

नगर परिषद लांजी के द्वारा जहां गुजरी चौक में पोला पर्व का आयोजन 2 सितंबर को पोला पर्व के निमित्त करवाया जायेगा वहीं इस वर्ष माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा बैल जोड़ी साज सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जहां जो भी किसान साथी अपनी अपनी बैल जोड़ियों को विशेष रूप से साज सज्जा कर लेकर आयेगा उसे माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति गुजरी चौक के द्वारा प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। माँ सिंह वाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष मनीष लाल अग्रवाल ने बताया कि सुसज्जित बैल जोड़ियों मे जो भी जोडियाँ सर्वोत्कृष्ट साजा सज्जित होगी उन्हे प्रथम पुरस्कार 3100 रूपये, द्वितीय 2100 रूपये तथा तृतीय पुरस्कार 1100 रूपये प्रदान किया जायेगा। क्षेत्र के सभी किसानों बंधुओं से उक्त प्रतियोगिता में अपनी अपनी बैल जोड़ी साज सज्जित लेकर आवे तथा उक्त प्रतियोगिता में भाग लेवे।

कल मनाया जाएगा तान्हा पोला व नारबोद

पर्व के चलते पोला पर्व के दूसरे दिन अर्थात 3 सितम्बर को तान्हा पोला व नारबोद पर्व परम्परानुसार मनाया जावेगा। पोले पर्व की रात्रि में युवाओं की टोली जागरण कर बुराई के प्रतीक एवं बिमारियों के विरोध में प्रतीक स्वरूप लोकभाषा में घेउन जा रे नारबोद के नारे लगाते हुये प्रातः भोर में मारबत का पुतला एवं गेड़ी बनाकर गांव की सीमा के बाहर ले जाकर जलाये जाने की परम्परा बनी हुई है। किन्तु बदलते परिवेश के चलते यह परम्परा धीरे - धीरे समाप्त होते जा रही है। फिर भी क्षेत्र के गांवों में यह परम्परा अब भी बरकरार है। इसके अलावा इस दिन बच्चों द्वारा तान्हा पोला मनाने की परम्परा है, जिसमें लकड़ी के बने नंदी को सजाकर उसकी पूजा की जाती है एवं छोटे बच्चें उसे मोहल्ले में घुमाते हैं तथा कुछ लोगों द्वारा घरों में सतावर का पौधा (नारबोद) खोचकर भेंट भी ली जाती है।

तहसील कार्यालय के प्रवेश द्वार पर लगाया जावें बोर्ड

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर तहसील का मुख्यालय है, यहां सालेटेकरी मार्ग पर सिविल न्यायालय के आगे 250 मीटर की दूरी पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय, तहसील कार्यालय, नायब तहसीलदार लांजी एवं उपपंजीयक कार्यालय तथा लोकसेवा केन्द्र का कार्यालय है। उक्त कार्यालयों में राजस्व संबंधी एवं लोकहित से संबंधीत अनेकों प्रमुख कार्य संपादित किये जाते है। उक्त कार्यालयों में लांजी तहसील

के लोगों के अलावा आसपास के अनेकों क्षेत्रों के लोगों का आना-जाना लगा रहता है। किन्तु तहसील कार्यालय में प्रवेश द्वार पर तहसील कार्यालय लांजी लिखा बोर्ड न होने के कारण आसपास क्षेत्रों से आये लोग भटकते रहते है। जिस कारण तहसील कार्यालय लांजी के प्रवेश द्वार पर तहसील कार्यालय लांजी लिखा हुआ बोर्ड लगा होना आवश्यक है। इसके अलावा नगर के मुख्य चौराहे पर भी सभी मार्ग को दर्शाने वाला बोर्ड लोक निर्माण विभाग को लगाया जाना चाहिए। इस संबंध में नरेन्द्रनाथ मोतीचूर, अशोक रणदिवे, अमर उपराड़े, गौरव बैस, मनोज कुशले, इन्द्रेश पंजरे राहुल सोनवाने आदि युवकों ने विधायक राजकुमार करहि को पत्र लिखकर प्रवेश द्वार पर, मार्ग किनारे बोर्ड लगवाने की मांग कि है। साथ ही इन युवकों द्वारा तहसील कार्यालय लांजी के परिसर में बने शिव मंदिर के जिर्णोद्धार किए जाने कि मांग की है। तहसील कार्यालय परिसर में गेट के समीप एक छोटा सा शिव मंदिर है, जिसका निर्माण अनेकों वर्षों पूर्व कार्यालय निर्माण के पूर्व किया गया है। उक्त मंदिर का जिर्णोद्धार किया जाना आवश्यक है ताकि शिव मंदीर में खड़े होकर आसानी से पुजा पाठ किया जा सके। आपने क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहि से विधायक निधि से जिर्णोद्धार हेतु राशि आवंटित कर जिर्णोद्धार किए जाने की मांग की है।

रेल विभाग हुआ फेल

मलबे से भरे जा रहे रेलवे एप्रोच सड़क के गड्ढे

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले की कटंगी तहसील के रेलवे स्टेशन की एप्रोच सड़क के गड्ढों की इन दिनों मलबे से मरम्मत की जा रही है. नगर परिषद के कुछ कर्मचारी रेलवे की एप्रोच सड़क के गड्ढों में मलबा डालकर इसे व्यवस्थित करते हुए दिखाई दे रहे है. नगर परिषद के कर्मचारी किसके आदेश पर गड्ढों में मलबा डाल रहे है इसकी जानकारी सामने नहीं आई है. मगर, यह कार्य रेल अधिकारियों और जिले की सांसद श्रीमती भारती पारधी की नाकामी को दिखाने के लिए काफी है. दरअसल, पुराना पेट्रोल पंप चौक से लेकर रेलवे स्टेशन और छतेरा सेलवा की तरफ जाने वाले रेलवे के एप्रोच मार्ग का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो गया है. जिस कारण इस रास्ते सफर करने वाले सैकड़ों राहगीरों को हर दिन काफी परेशानी होती है. सड़क हादसों का खतरा भी बना रहता है. जिसे ध्यान में रखते हुए आमजन के द्वारा कई बार रेल अधिकारियों से एप्रोच सड़क की मरम्मत कराने की मांग की गई और ज्ञापन भी सौंपे गए. रेल अधिकारियों ने जनता को आश्वासन दिया कि एप्रोच सड़क का कार्य होगा लेकिन आज तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ. ऐसे में सड़क की बदहाली को देखते हुए नगर परिषद सड़क के गड्ढों से निजात दिलाने के लिए इनमें मलबा डाल रही है. ऐसा करने से भले ही आज राहगीरों को राहत मिलेगी परंतु यह रेल विभाग की बहुत बड़ी नाकामी है। जिले को हमेशा से ही यह दुर्भाग्य रहा है कि यहा रेल सुविधाओं और रेलवे स्टेशन की कमियों को दूर करने के लिए जनप्रतिनिधियों की ओर से कभी कोई गंभीर प्रयास नहीं किए जाते. रेलवे से जुड़ी सुविधाओं में इजाफा करने के लिए समितियों और आमजनता को ही संघर्ष और आंदोलन करना पड़ता है. जबकि रेलवे के पास अलग से एक विभाग है जिसमें सहायक मंडल इंजीनियर (ए.डी.ई.एन.) जैसे अधिकारी की नियुक्ति होती है. जिनका काम ही इस तरह के सिविल वर्क की निगरानी करना होता है. इनके अधीनस्थ भी और कई अधिकारी और कर्मचारी होते है. इन सभी से लेकर डीआरएम को भी रेलवे एप्रोच सड़क की जानकारी है. बीते दिनों जब डीआरएम ने कटंगी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया तब भी रैल फैन विवेक शर्मा और आमजन की तरफ से कई समस्याओं और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था. इसमें एक मांग एप्रोच सड़क बनाने की भी थी. बहरहाल, रेलवे की एप्रोच सड़क की बदहाली से राहगीर और जनता त्रस्त है. इस सड़क के तत्काल नवनिर्माण की जरूरत है।

पीएम श्री शास. विद्यालय माटे में फर्नीचर की कमी से छात्र छात्राओं को बैठना पड़ता है नीचे

छात्रों ने विधायक को गिनाई विद्यालय की समस्याएं

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माटे मे अध्ययनरत स्कूली छात्र छात्राओं की संख्या 700 से ज्यादा है एक शाला एक परिसर होने के कारण कक्षा 1 से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं संचालित होती हैं हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल में 500 से अधिक संख्या है। बड़ी कक्षाओं के छात्र छात्राओं ने मीडिया से जानकारी साझा करते हुए कहा कि हम छात्र छात्राओ की विभिन्न समस्याएं हैं पर्याप्त फर्नीचर नहीं होने से नीचे बैठना पड़ता है। विषयवार पीरियड लगाने में 45 मिनट का एक पीरियड समय होता है जिसमें कक्षा बदलकर दूसरे कक्षा में जाना होता है जिसमें 20 मिनट का समय आने जाने में ऐसे ही खत्म हो जाता है। छात्र छात्राएं एक कक्षा से दूसरे कक्षा में आते जाते हैं फर्नीचर की व्यवस्था नहीं है। मजबूरन नीचे बैठना पड़ता है। दूसरी समस्या यह है कि यहां पानी पीने के लिए आरो नहीं लगा है। बोर चालू करके पानी टंकी में डाला जाता है और हाथ धोने वाला पानी नल के माध्यम से हमें पीना पड़ता है। तीसरी समस्या यह है कि कार्यक्रम आयोजित हेतु यहां बड़ा सभा हाल नहीं है। यदि कोई आयोजित कार्यक्रम के दौरान अगर बारिश होती है तो कार्यक्रम रद्द हो जाता है तो छात्र छात्राओं को बैठने मे भी बहुत परेशानी होती है। छात्र छात्राओं ने कहा कि हम आज माटे ग्राम पंचायत में पहुंच रहे लांजी किरनापुर विधायक राजकुमार करहि को अपनी समस्या से अवगत कराकर जल्द ही समस्या दूर करने की बात करेंगे। लांजी किरनापुर विधायक राजकुमार करहि ग्राम पंचायत माटे विभिन्न नवनिर्मित

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भानेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र कैसे बनेगा होनहार...?

महानगरों में शिक्षकों की भरमार, ग्रामीण स्कूलों में टोटा...

प्रदेश में शिक्षकों के 70 हजार पद खाली...प्राथमिक शिक्षा के स्तर में लगातार हो रही गिरावट

1275 स्कूल शिक्षक विहीन, 22,000 स्कूल एक शिक्षक के भरोसे

भोपाल। मप्र में स्कूली शिक्षा को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए सरकार ने निजी स्कूलों की तरह सर्वसुविधायुक्त सीएम राइज स्कूलों को खोला है। वहीं दूसरी तरफ स्थिति यह है कि 46 जिलों की 1275 स्कूलों में शिक्षक शून्य हैं, जबकि करीब 22,000 सरकारी स्कूल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं, और लगभग 3,500 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी बच्चा नहीं है, लेकिन शिक्षक तैनात हैं। उधर, महानगरों में शिक्षकों की भरमार है, वहीं ग्रामीण स्कूलों में टोटा है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी के चलते शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। इसका कारण यह है कि सरकारी स्कूलों में उच्च माध्यमिक, माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षकों के करीब 79 हजार पद खाली हैं। हालांकि इस साल नौ हजार पदों पर भर्ती होने के बाद भी करीब 70 हजार पद खाली रह जाएंगे। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि मप्र का भविष्य होनहार कैसे बनेगा?

मप्र के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी और असमानता एक बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। प्रदेश के कई जिलों के स्कूलों में शिक्षकों की भरमार है, जबकि अन्य जिलों के स्कूल खाली पड़े हैं। इस असमानता के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। अब इस समस्या को दूर करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने अतिशेष शिक्षकों को काउंसलिंग के माध्यम से शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में पदस्थ करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के कई बड़े शहरों में शिक्षकों की संख्या आवश्यकता से अधिक है। इसमें, इंदौर में 1,337, ग्वालियर में 1,153, भोपाल में 1,115, और जबलपुर में 887 अतिशेष शिक्षक पदस्थ हैं। वहीं, बालाघाट, सतना, रीवा, सागर, छिंदवाड़ा, उज्जैन, राजगढ़, भिंड, मुरैना, और देवास जैसे जिलों में शिक्षकों की संख्या अत्यधिक है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल खाली पड़े हैं। प्रदेश के करीब 22,000 सरकारी स्कूल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं, और लगभग 3,500 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी बच्चा नहीं है, लेकिन शिक्षक तैनात हैं।

वर्गवार आंकड़ा

-उच्च माध्यमिक शिक्षक
स्वीकृत पद-42,620
कार्यरत -21,134
खाली पद-21,496
-माध्यमिक शिक्षक
स्वीकृत पद-1,11,000
कार्यरत -61,000
खाली पद-50,000
-प्राथमिक शिक्षक
स्वीकृत पद-1,48,000
कार्यरत - 1,40,000
खाली पद-8,000

ऐसी है स्कूलों की स्थिति

प्रदेश में 1 लाख 22 हजार सरकारी स्कूल हैं, इनमें एक करोड़ 10 लाख विद्यार्थी हैं। इनके लिए तीन लाख 16 सौ 20 शिक्षकों के पद स्वीकृत हैं। वर्तमान में दो लाख 26 हजार 234 शिक्षक कार्यरत हैं। इस तरह शिक्षकों के 79 हजार 496 पद खाली हैं। ये आंकड़ें बताते हैं कि स्कूली शिक्षा के हाल बेहाल हैं। राजधानी भोपाल के बड़वाई सरकारी स्कूल को ही देख लीजिए। यहां पहली से 5वीं तक 47 बच्चे हैं लेकिन शिक्षक एक ही हैं। एक बोर्ड में ही सभी विषयों की पढ़ाई होती है। वहीं डिंडौरी का अनोखा स्कूल भी हमने आपको दिखाया है, जहां प्रभारी प्राचार्य ही शिक्षक, बाबू और चपरासी भी है।

कक्षाओं में सब्जेक्ट टीचरों का भी टोटा

प्रदेश में हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों की संख्या 9 हजार से ज्यादा है। पिछले सत्र में इन कक्षाओं में 10 लाख से अधिक छात्र अध्ययनरत थे। नए सत्र में यह संख्या कुछ और बढ़ सकती है। वहीं शिक्षकों की बात करें तो हास्यास्पद होगी। 9 हजार में से 60 फीसदी भी ऐसे नहीं है जहां स्थाई प्राचार्य पदस्थ हो। यहां भी काम शिक्षकों को प्रभार देकर चलाया जा रहा है। कक्षाओं में विषयवार शिक्षक भी नहीं हैं। कहीं गणित के शिक्षक विज्ञान पढ़ा रहे हैं तो कहीं कला संकाय के शिक्षकों के हवाले कॉमर्स और विज्ञान के छात्र हैं। प्रदेश में 30 फीसदी भी स्कूल ऐसे नहीं है जहां छात्रों को पढ़ाने वाले विषयवार शिक्षकों की कमी न हो।

विभाग और संचालनालय ने मूंद ली आंखें

शिक्षकों की कमी के कारण प्रदेश में स्कूलों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। हाल ही में स्कूलों में रिजल्ट खराब रहने पर लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी किए थे। इसमें भी पढ़ाई में सुधार नहीं अतिथि शिक्षकों को बाहर का रास्ता दिखाने के निर्देशित थे। प्रदेश स्तर पर शिक्षक भर्ती की मांग भी लगातार उठ रही है लेकिन लोक शिक्षण संचालनालय ने इस पर आंखें बंद कर ली हैं। काम के अतिरिक्त दबाव के कारण स्कूलों में जो शिक्षक हैं वे अपने हिस्से का मूल काम भी नहीं कर पा रहे हैं और खामियाजा नौनिहालों को भुगतना पड़ रहा है।

छतविहीन स्कूल

सरकार शिक्षा के प्रति कितनी गंभीर है इसका आंकलन इस आंकड़े से पता चलता है जिसके तहत मप्र में 2197 प्राथमिक शालाओं के पास स्वयं का भवन तक नहीं है। 12760 माध्यमिक शालाओं के पास स्वयं के भवन नहीं हैं। इन स्कूलों में पढने् वाले बच्चे शिक्षा किस प्रकार ग्रहण करते होंगे इसका आंकलन आप खुद कर सकते हैं। ये स्कूल किसी पंचायत भवन में या किसी पेड़ के नीचे अथवा आंगनवाड़ी में या गौशालाओं में लगते हैं।

20 प्रतिशत स्कूलों में शौचालय ही नहीं

सरकार ने शौचालय के लिए कितने भी गड्ढे खुदवाए हों लेकिन स्कूलों के शौचालयों की स्थिति इस कदर खराब है कि 20 प्रतिशत स्कूलों में शौचालय ही नहीं है और जहां है भी वहां पानी की व्यवस्था न होने कारण 35.9 प्रतिशत इस्तेमाल ही नहीं हो पाते हैं। 28.4 प्रतिशत स्कूल में छात्राओं के लिए अलग से शौचालय नहीं है। एक तरह तो मोदी जी पूरे देश को डिजिटल इंडिया में बदल रहे हैं वहीं सरकारी स्कूलों में 97.5 प्रतिशत में कम्प्यूटर की व्यवस्था नहीं है।

5176 स्कूलों में पेयजल व्यवस्था नहीं

राज्य के 5176 स्कूलों में पेयजल व्यवस्था नहीं है। 44 हजार 754 स्कूलों में खेल का मैदान नहीं है। 9.3 प्रतिशत दलित बच्चे कक्षा में आगे बैठने का साहस नहीं कर पाते है। 57 प्रतिशत दलित बच्चे तब पानी पी पाते हैं जब गैर दलित पानी पिलाये। 79 प्रतिशत दलित मध्याह्न भोजन की रसोई में प्रवेश नहीं कर पाते।

अतिशेष शिक्षकों की हो रही काउंसलिंग

प्रदेशभर में करीब 35 हजार अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग के बाद उन्हें रिक्त पद वाले स्कूलों में भेजा जा रहा है। अब ऐसे में इस सत्र में सरकारी स्कूलों में अतिथि शिक्षकों को नियुक्ति मिल पाना संभव नहीं है। जुलाई से अतिथि शिक्षकों को नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अब तक छह बार तिथि बढ़ाई जा चुकी है। अतिथि शिक्षकों को अगस्त से स्कूलों में पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया जाना था। इसी बीच प्रदेश में करीब 35 हजार अतिशेष शिक्षकों की सूची सामने आने से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति पर रोक लगा दी गई है। प्रदेश भर में करीब 70 हजार अतिथि शिक्षक हैं। अतिशेष के कारण 50 प्रतिशत इस सत्र में बेरोजगार हो जाएंगे। इसे लेकर अतिथि शिक्षक पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर राजधानी में प्रदर्शन भी करेंगे।

इनका कहना है

अतिशेष शिक्षकों को काउंसलिंग के माध्यम से शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में पदस्थ किया जाएगा। इसके साथ ही जिन स्कूलों में बच्चे नहीं हैं, उन स्कूलों के शिक्षकों को भी दूसरे स्कूलों में भेजा जा रहा है।

-शिल्पा गुप्ता, आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय

मप्र के 21 जिलों में बारिश का कोटा फुल

- प्रदेश में अगस्त में 92 प्रतिशत बारिश हुई

भोपाल। मप्र में इस बार मानसून मेहरबान रहा है। इस कारण भोपाल-ग्वालियर समेत 21 जिलों में सामान्य बारिश का कोटा फुल हो गया। इनमें 14 जिले तो ऐसे हैं, जहां 100 प्रतिशत से ज्यादा पानी गिर गया है। श्योपुर में सबसे ज्यादा 157 प्रतिशत बारिश हुई, जबकि रीवा में सिर्फ 57 प्रतिशत पानी गिरा। जुलाई की तरह अगस्त में मानसून अच्छा बरसा है। कोटे से 10 प्रतिशत बारिश ज्यादा हुई। सितंबर में सिर्फ 3.1 इंच पानी गिरते ही सामान्य बारिश का आंकड़ा पूरा हो जाएगा।

प्रदेश में 1 जून से 31 अगस्त तक ओवरऑल 34.2 इंच बारिश हो चुकी है, जबकि अब तक 30.8 इंच बारिश होनी चाहिए थी। अगस्त में 14.5 इंच पानी गिरा है। यह कोटे से डेढ़ इंच ज्यादा है। अगस्त में औसत 13.1 इंच बारिश होती है। इस बार करीब 25 दिन बारिश हुई। इसकी वजह से प्रदेश के सभी डैम और तालाब फुल हो गए। नदियां उफान पर आ गईं। अगस्त के शुरुआती 3 दिन तक पूरे प्रदेश में तेज बारिश का दौर चला। इसके बाद तेज बारिश तो थम गई, लेकिन हल्की बारिश का दौर बना रहा। दूसरे पखवाड़े की शुरुआत में तीखी गर्मी भी रही। आखिरी दिनों में फिर से स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हुआ। लो प्रेशर एरिया, साइक्लोनिक सर्कुलेशन, वेस्टर्न डिस्टरबेंस और मानसून ट्रफ की एक्टिविटी की वजह से तेज बारिश होने लगी।

जुलाई-अगस्त में ही 75 प्रतिशत पानी गिरा

इस बार जुलाई और अगस्त में 75 प्रतिशत तक पानी गिर गया। जुलाई में 14.27 इंच बारिश हुई। यह कोटे से 1.78 इंच ज्यादा रही। अगस्त में 14.50 इंच बारिश हुई, जो डेढ़ इंच अधिक रही। हालांकि, इंदौर और उज्जैन जैसे कई बड़े जिले बारिश के मामले में पिछड़े हुए हैं। यहां सामान्य बारिश का आंकड़ा पार नहीं हो सका है, लेकिन सितंबर में कोटा फुल होने का अनुमान है। भोपाल में पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2015, 2016, 2020 और 2022 में तो आंकड़ा 20 इंच से ज्यादा ही रहा। 2023 में बारिश ने रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। 30 इंच से ज्यादा बारिश हो गई थी। इस बार 15 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है। इससे बड़ा तालाब, केरवा-कलियासोत डैम छलक उठे थे। दूसरी ओर, भोपाल के पास कोलार डैम के भी सभी गेट खुल गए थे। अबकी बार कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात भी बने। यहां सीजन की 109त्न तक बारिश हो चुकी है। इंदौर में भी पिछले कुछ सालों में अगस्त में अच्छी बारिश हुई है। 2014 से 2023 के बीच पांच साल आंकड़ा 10 इंच से कम रहा था। पिछले साल 2.71 इंच पानी ही गिरा था, जबकि इस बार 9.43 इंच बारिश हो चुकी है। वहीं, सीजन में कुल 73 प्रतिशत यानी 25 इंच पानी गिर चुका है। जबलपुर आंकड़ों के लिहाज से बेहतर है। इस बार अगस्त में 14.65 इंच पानी गिर गया। पिछले साल भी यहां 22 इंच बारिश हुई थी। 2013 में तो आंकड़ा 34 इंच के पार पहुंच गया था। यहां 2021 ही ऐसा रहा, जब 30 इंच से ज्यादा बारिश हुई। जबलपुर संभाग के मंडला जिले में अबकी बार सबसे ज्यादा पानी गिरा है। डिंडौरी, सिवनी, छिंदवाड़ा, कटनी में भी अच्छी बरसात हुई है। ग्वालियर में इस बार अच्छी बारिश हुई है। 12 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। इससे सीजन में बारिश का आंकड़ा 28 इंच से ज्यादा है, जो 98त्न तक है। पिछले साल अगस्त में सिर्फ 6.85 इंच पानी ही गिरा था। यानी, इस बार दोगुनी बारिश हो चुकी है।

मप्र में 2 नए जिले बनाने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक होगी। जिसमें कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा होगी। यह बैठक तीन सितंबर सुबह 11 बजे मंत्रालय में होगी। इस मीटिंग में प्रदेश सरकार के तमाम मंत्री मौजूद रहेंगे। मंगलवार को होने वाली मोहन कैबिनेट में दो नए जिले बीना और जुन्नारदेव को लेकर प्रस्ताव आ सकता है। लंबे समय से दोनों को जिला बनाने की मांग जारी है। बताया जा रहा है कि इस पर कैबिनेट की मुहर लग सकती है। मोहन सरकार 34 साल पुरानी मांग को पूरा कर सकती है। साल 1986 से लगातार बीना को जिला बनाए जाने की मांग हो रही थी। कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी में गई निर्मला सप्रे ने भी सरकार से मांग की थी।

धोखाधड़ी के मामले में पति को 21, पत्नि को 7 साल की जेल

भोपाल। राजधानी की विशेष अदालत ने शेयर मार्केट में रकम इंवेस्ट कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर करोड़ो की ठगी करने वाले आरोपी पति-पत्नि को सुनवाई पूरी होने पर दोषी करार देते हुए पति को 21 साल के कठोर कारावास और पत्नि को 7 साल की जेल की सजा सुनाई है। आर्थिक अपराध से संबधित धोखाधड़ी का यह मामला 12 साल पुराना है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश और एडीजे मनोज कुमार सिंह की कोर्ट ने सुनाते हुए आरोपियो पर अर्थदंड भी लगाया है। प्रकरण में शासन की और से पैरवी विशेष लोक अभियोजक रामकुमार खत्री ने की। लोक अभियोजक से मिली जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू ने शिकायत मिलने पर जॉच के बाद साल 2012 में स्टॉक गुरु डॉट इंडिया नामक कंपनी के डायरेक्टर लोकेश्वर देव उर्फ उल्लास प्रभाकर खेरे और उनकी पत्नी रक्षा उर्फ प्रियंका सारस्वत के खिलाफ मामला दर्ज किया था। दंपत्ति पर आरोप था, कि उन्होनें फर्जी दस्तावेज तैयार कर निवेशकों को झांसा दिया की उनकी कंपनी शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करती है, और निवेश की गई सारी रकम पर हर महीने 20 प्रतीशत का लाभ देती है। साथ ही दोनो ने छह महीने में निवेश की गई पूरी रकम वापस करने का भी वादा किया था। उनके झांसे में आकर कई लोगों ने कंपनी में 8 से 10 लाख तक निवेश किया। दंपत्ति ने कुछ महीनो तक तो 20 प्रतिशत लाभ दिया लेकिर बाद में रिफंड देना बंद कर दिया। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने लोकेश्वर देव उर्फ उल्लास प्रभाकर खेरे आईपीसी की धारा 420 में 5 साल, धारा 419 में 2 साल, धारा 406 में 2 साल, धारा 471 और 468 में 5-5 साल की सजा सुनाई। साथ ही 24 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया। उसकी पत्नि आरोपी सह-आरोपी प्रियंका को धारा 420/120बी में पांच साल, धारा 406/120बी में 1 साल व धारा 419 में 1 साल की सजा और 11 हजार के जुर्माना की सजा सुनाई गई। लोक अभियोजक ने आगे बताया कि कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियुक्तों को हर धारा की सजा अलग-अलग भुगतनी होगी। न्यायधीश ने फैसले में लिखा है कि अपराध और इसकी प्रवृत्ति के कारण समाज पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए हर अपराध के लिए अलग-अलग सजा भुगतनी होगी। जुर्माना नहीं भरने की स्थिति में भी सजा अलग-अलग होगी। इस फैसले के आधार पर अभियुक्त को 21 साल की कठोर सजा भुगतनी होगी।

आज से शुरू होगा भाजपा का सदस्यता अभियान

शिक्षक दिवस पर भाजपा में शामिल होंगे प्रायवेट टीचर

भोपाल। भाजपा का सदस्यता अभियान सोमवार से औपचारिक तौर पर शुरु हो जाएगा। इस सदस्यता अभियान में प्रदेश भर के निजी शिक्षकों को बड़े पैमाने पर भाजपा की सदस्यता दिलाई जाएगी। शिक्षक दिवस पर भाजपा ने शिक्षक प्रकोष्ठ को यह निर्देश दिए हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा काम करने वाले निजी शिक्षकों को पार्टी की सदस्यता दिलाई जाए।

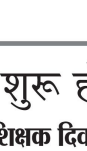

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में भोपाल जिले के संयुक्त मोर्चों की बैठक के बाद मीडिया से कहा- शिक्षक दिवस पर हमारी एक ही रणनीति है। कि शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षक जो निजी संस्थाओं में काम करते हैं जो स्वेच्छा से भाजपा से जुडऩा चाहते हैं। ऐसे लोगों को जोडऩे का काम शिक्षक प्रकोष्ठ बड़े पैमाने पर करेगा।

डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने का टारगेट

वीडी शर्मा ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान संगठन का पर्व है। हमारी कार्यशालाएं तेज गति से संपन्न हुईं हैं। सदस्यता के लिए हमारे सभी कार्यकर्ताओं ने प्लानिंग की है। भोपाल में मोर्चों की कार्यशालाएं हुई हैं। भाजपा का कैडऱ अब एक्टिवेट करने का काम सभी बूथों पर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मप्र के मुख्यमंत्री मोहन जी की योजनाएं के हितग्राही हमारी बड़ी ताकत हर बूथ पर हैं। इन सबको एक्टिवेट करते हुए हमारा डेढ़ करोड सदस्यता का टारगेट है। मुझे विश्वास है कि हम इस डेढ़ करोड टारगेट से ऊपर जाएंगे। मप्र सदस्यता अभियान में देश में इतिहास बनाएगा। आज हम जब बात करते तो देश में नरेन्द्र मोदी की गुड गवर्नेंस की ही बात करते हैं। मैं कांग्रेसियों से कहना चाहता हूं कि आपके प्रधानमंत्री ने पहली ही सरकार में देश का डिवीजन कर दिया था। धारा 370 लगाकर देश की एकता अखंडता पर आक्रमण किसने किया था। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उद्योग मंत्री के पद से इस्तीफा देकर कानून तोड़ा था और कहा था एक देश में दो विधान, दो निशान दो प्रधान नहीं चलेंगे। और जनसंघ बनाया था उनका बलिदान जम्मू कश्मीर में धारा 370 के लिए हुआ था। 1980 में वो जनसंघ से भाजपा बनी थी। जिसके लिए भाजपा ने, डॉ मुखर्जी ने बलिदान दिया उसे हम याद ना करें?

कांग्रेस को दी वॉर्निंग

उकसाओ मत

आप तो कहते हो कि संसाधनों पर पहला अधिकार मुस्लिमों का अल्पसंख्यकों का है लेकिन हम कहते हैं कि कोई भी गरीब, किसी भी समाज, धर्म, जाति का है वो पैसे के अभाव में इलाज से वंचित नहीं रह सकता। हम कहते हैं कि सबका विश्वास जीतने का काम नरेन्द्र मोदी ने किया। इसी मप्र में आपकी सरकार में क्या स्थिति थी। दुरावस्था का दौर था। चमचमाती सडक़ों पर आज लोग सेल्फी लेने और हाईवे बर्थ डे मनाने जाते हैं तो उकसाओ मत, आपके पास कुछ है नहीं। तुष्टिकरण, झूठ, छल कपट की राजनीति करना, कांग्रेस के पास केवल नकारात्मक राजनीति का आधार बचा है। इसे मप्र की जनता अच्छे से जानती है।

कांग्रेस का बुधनी और विजयपुर उपचुनाव पर फोकस

भोपाल। छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में मिली मामूली वोटो से हार के बाद कांग्रेस बुधनी और विजयपुर उपचुनाव से पहले से तैयारियां तेज कर दी हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी खुद बुधनी विधानसभा में कई बैठकें कर चुके हैं। पटवारी बूथ मैनेजमेंट पर विशेष फोकस कर रहे हैं। दोनों ही विधानसभाओं के बूथ मैनेजमेंट की जिम्मेदारी कांग्रेस पार्टी विधायकों को देंगी। कांग्रेस पार्टी की तरफ से तय किया गया है कि 30-30 विधायकों की टोली बनाई जाएगी जिनका मुख्य काम बूथ प्रबंधन का होगा। दरअसल कांग्रेस पार्टी इस बार जमीन स्तर पर तैयारी में जुटी हुई है।

कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ये विधायक प्रत्येक बूथ में कार्यकर्ताओं का चयन करेंगे। शादी कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय भी बनाने का काम भी करेंगे। कांग्रेस विधायक क्षेत्र में प्रचार प्रसार का भी जिम्मा संभालेंगे। जानकारी के अनुसार कांग्रेस इन विधायकों के साथ पूर्व विधायकों को भी मैदान में उतारने की योजना तैयार की है। पंचायत स्तर पर कांग्रेस बाहरी कार्यकर्ताओं को तैनात करेगी जो घर-घर संपर्क अभियान को संचालित करेंगे। गौरतलब है कि बुधनी विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान निर्वाचित हुए थे। अब विदिशा संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित होने के बाद उन्होने विधानसभा की सदस्यता से त्याग पत्र दे दिया था। जिसके कारण सीट खाली हो गई। इसी तरह विजयपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक रामनिवास रावत ने भाजपा की सदस्यता ले ली और मंत्री बनाए जाने के बाद विधानसभा की सदस्यता से त्याग पत्र दे दिया था। इन दोनों सीटों के लिए प्रस्तावित उप चुनाव की तैयारी का जिम्मा कांग्रेस ने प्रत्येक विधानसभा में 30-30 विधायकों की टोली बना कर सौंपने का निर्णय लिया है। इन विधायकों को अलग-अलग क्षेत्र आवंटित होंगे,जहां ये बूथ प्रबंधन के काम को प्राथमिकता देंगे। स्थानीय कार्यकर्ताओं को चिन्हित कर मतदाता सूची के शुद्धीकरण,प्रभावशाली व्यक्तियों से संपर्क, मतदान के दिन प्रबंधन के लिए तैयार करेंगे। इस कार्य में पूर्व विधायक सहयोगी की भूमिका निभाएंगे।

विजयपुर में सीताराम आदिवासी पर दांव

श्योपुर जिले में विजयपुर विधानसभा में होने वाला उपचुनाव बेहद रोचक होने की संभावना है। यहां से वर्ष 2023 में कांग्रेस की टिकट पर विधायक बने रामनिवास रावत के त्यागपत्र देने और भाजपा में शामिल के कारण उपचुनाव हो रहा है। रावत को भाजपा ने मोहन कैबिनेट में मंत्री भी बनाया है। रावत ही उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी होंगे। यही वजह है कि कांग्रेस यहां आदिवासी प्रत्याशी देना चाहती है ताकि आदिवासी बहुल वोटों का उसे लाभ मिल सके। सीताराम ने ही वर्ष 2018 में भाजपा की टिकट पर रामनिवास रावत को हराया था लेकिन भाजपा ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में सीताराम आदिवासी की टिकट काटकर बाबूलाल मेवरा को दे दी थी। कांग्रेस एक अन्य आदिवासी प्रत्याशी के नाम पर भी विचार कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में विजयपुर से निर्दलीय प्रत्याशी रहे मुकेश मलहोत्रा ने 44,128 वोट लिए थे। कांग्रेस का गणित आदिवासी वोटों को एकजुट रखकर भाजपा को मात देना है।

विजयपुर से भाजपा के दो पूर्व विधायक बन रहे चुनौती

रामनिवास रावत से पहले कांग्रेस छोडक़र आए कमलेश शाह को भी अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने चुनाव लड़ाया था। हालांकि इस उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी रावत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। यहां भाजपा के दो-दो पूर्व विधायक हैं। दोनों ने ही चुनाव लडऩे की इच्छा से पार्टी को अवगत करा दिया है। सीताराम आदिवासी के बगावती सूरों से भाजपा वाकिफ भी है। वहीं बाबूलाल मेवरा भी रावत की उम्मीदवारी का विरोध कर रहे हैं। यदि यही हाल रहा तो उपचुनाव में भाजपा की मुश्किलें और भी बढ़ जाएंगी।

महेश्वर में नर्मदा तट पर बनेगा अहिल्या लोक

महेश्वर को लोकमाता अहिल्या पर्यटन केंद्र बनाने की तैयारी, प्लान तैयार

भोपाल। लोकमाता देवी अहिल्या के कार्यों को जीवंत बनाए रखने के लिए सरकार महेश्वर में नर्मदा तट पर अहिल्या लोक बनाने जा रही है। महेश्वर को लोकमाता अहिल्या पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की भी तैयारी है। यह इंदौर-उज्जैन धार्मिक पर्यटन सर्किट में एक और आकर्षण होगा। खरगोन प्रशासन ने पर्यटन और पुरातत्व विभाग के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार की है। इसमें अहिल्या लोक, नर्मदा तट पर नर्मदा-अहिल्या महिमा के साथ लाइट एंड साउंड शो और पुराने मंदिर, घाटों का जीर्णोद्धार होगा। कन्सल्टेंट की नियुक्ति भी हो गई है। संभागायुक्त दीपक सिंह के अनुसार, नर्मदा तट को संपूर्ण रूप में विकसित किया जा रहा है। बता दें कि 2023 में इसका भूमिपूजन हो चुका है।

जानकारी के अनुसार अहिल्या लोक तीन हिस्सों में तैयार होगा। पहला हिस्सा लोकमाता की जीवंत कहानी कहेगा। इसमें माता अहिल्या के प्रेरक प्रसंग, उनके इंदौर आगमन, विवाह, शौर्य गाथा, राजकाज प्रक्रिया के साथ ही उनके आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों को प्रस्तुत किया जाएगा। एक फिल्म भी बनाई जाएगी, जिसे एम्पीथिएटर में दिखाएंगे। तीसरा हिस्सा आकर्षक मूर्ति, म्यूजियम का जीर्णोद्वार और उनकी पसंद के अनुरूप बाग-बगीचा रहेगा। करीब 10 एकड़ में योजना तैयार की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर 30 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होने का अनुमान है। महेश्वर में माता अहिल्या की गादी और उनके द्वारा बनवाए गए शिव मंदिर के साथ ही सभी मंदिरों का जीर्णोद्वारा होगा। सहस्त्रधारा को भी विकसित किया जाएगा। यहां की बुनकर कला का भी विकास करेंगे। महेश्वरी साडिय़ों और ड्रेस मटेरियल की ब्रांडिंग की जाएगी।

भारत की मनीषा बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंची

पेरिस। भारत की पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी मनीषा रामदास पेरिस पैरालिंपिक 2024 खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। मनीषा ने महिला एकल एसयू5 क्वूएफ स्पर्धा में जापान की मामिको टोयोडा को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में 2-0 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी।

मनीषा ने जापानी खिलाड़ी को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं भारत की ही मनदीप कौर को एसएल3 की क्वार्टर फाइनल स्पर्धा में नाइजीरिया की मरियम बोलाजी के खिलाफ सीधे सेटों में 8-21, 9-21, 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की ही पलक कोहली को एसएल4 क्वार्टर फाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की के सादियाह के खिलाफ 0-2 से 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

--निशाने बाजी में अवनि और

सिद्धार्थ क्वालीफाई नहीं कर पाये

वहीं महिला निशानेबाज अवनि लेखरा मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन (एसएच1) स्पर्धा में 11वें जबकि सिद्धार्थ बाबू 28वें स्थान पर रहे और इस तरह से फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए।

अवनि इससे पहले अवनि ने 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में स्वर्ण पदक जीता था पर इस बार वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायीं। वह अच्छी शुरुआत के बावजूद 628.8 अंक के कुल स्कोर के साथ 11 वें स्थान पर रहकर बाहर हो गयीं। वहीं सिद्धार्थ ने 628.3 का स्कोर किया।

--भाला फेंक में परवीन आठवें स्थान रहे

भारत के ही परवीन कुमार पुरुषों की एफ57 भाला फेंक स्पर्धा में आठवें स्थान पर रहे। वह अपने चौथे थ्रो में 42.12 मीटर तक ही भाला फेंक पाये।

उज्बेकिस्तान के यॉकिनबेक ओडिलोव ने 50.32 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जबकि तुर्किये के मुहम्मत खलवंडी (49.97 मीटर) ने रजत पदक जीता। ब्राजील के सिसेरो वाल्डिरन लिंस नोवरे ने 49.46 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

पूर्व क्रिकेटर दानिश ने टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में खेलने से किया मना

इस्लामाबाद,। भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान में होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने जाएगी या नहीं इस पर संशय बना हुआ है। अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को दी गई है। इसको लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने कहा है कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेलना चाहिए।

पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को हाईब्रिड मॉडल के तहत ही खेला जाएगा। मतलब भारत के मुकाबले पाकिस्तान से बाहर कराए जाएंगे। यह बात पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने बयान पर पाकिस्तानशहद्धद्ध क्रिकेट में हंगामा मचना तय है। बीसीसीआई ने पहले ही साफ कर दिया है कि टीम इंडिया पाकिस्तान में जाकर कोई भी मैच नहीं खेलेगी।

दानिश ने भारत के पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने

पर कहा कि पाकिस्तान को पहले भी कहता रहा है, कहता रहा था और आगे भी कहता रहेगा। टीम इंडिया पाकिस्तान खेलने नहीं जाएगी. क्यों जाए, आपकी जिद इतनी है तो टीम इंडिया के बिना ही खेल लीजिए। चैंपियंस ट्रॉफी है ठीक है समझ आता है लेकिन आप को सच्चाई भी देखनी चाहिए. पाकिस्तान की परिस्थिति कैसी है, यहां का माहौल कैसा है पाकिस्तान में. मेरा तो यही कहना है कि भारतीय टीम को पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने नहीं जाना चाहिए। बता दें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल पाकिस्तान में होना है। इसमें आठ टीमों के बीच कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच यह टूर्नामेंट खेला जाना है। यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट पर होगा।

वॉन के बेटे आर्ची ने डेब्यू मैच में की शानदार गेंदबाजी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के बेटे आर्ची वॉन ने फर्स्टक्लास क्रिकेट के पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया है। आर्ची अपने पिता की तरह बल्लेबाज नहीं बल्कि गेंदबाज हैं। सोमरसेट की ओर से फर्स्टक्लास डेब्यू मैच में गेंदबाजी करते हुए पहले ही ओवर में इस क्रिकेटर ने बिना कोई रन दिए विकेट ले लिया।

आर्ची ने लिस्ट ए क्रिकेट में खेलने के बाद अब फर्स्टक्लास क्रिकेट में भी डेब्यू किया है। काउंटी क्रिकेट में सोमरसेट की ओर से पहला मैच हुए इस क्रिकेटर ने पहले ही ओवर में टीम के लिए विकेट लिए। इसके बाद भी उन्होंने तीन ओवर किए पर कोई सफलता नहीं मिली। आर्ची ने डरहम के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 24 रन दिए और 1 विकेट लिया।

सोमरसेट की तरफ से फर्स्टक्लास डेब्यू करते हुए आर्ची ने पहले ही ओवर में विकेट लिया। उन्होंने डरहम के खिलाफ पहले ओवर की पहली 5 गेंद पर कोई रन नहीं दिया और आखिरी गेंद पर विकेट लिया। आर्ची ने 15 रन पर खेल रहे ओपनर बेन मैक किने को अपना शिकार बनाया। पहली पारी में सोमरसेट ने टॉम अबेल और विकेटकीपर जेम्स रियू की शतकीय पारी के दम पर 492 रन बनाए जबकि दूसरी पारी 5 विकेट पर 263 रन पर घोषित कर दी। वहीं पहली पारी में डरहम की टीम 336 रन पर ही सिमट गयी थी। ऐसे में सोमरसेट ने डरहम को जीत के लिए 420 रन का लक्ष्य दिया है।

अब अहमद शहजाद ने पीसीबी को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की निंदा रुकने का नाम नहीं ले रही है। इन्हीं निंदक की सूची में अहमद शहजाद का भी नाम जुड़ गया है। पाकिस्तान के घरेलू टूर्नामेंट से नाम वापस लेने वाले शहजाद ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को उनकी कार्यप्रणाली को लेकर घेरा और उनका खिलाड़ियों के प्रति रवैया नौकरों की तरह बताया है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही। बांग्लादेश से उन्हें पहले टेस्ट में घरेलू मैदान पर ही हार झेलनी पड़ी। अब जब पीसीबी घरेलू ढांचे में बदलाव करने की सोच रहा है, तब शाहजाद ने सामने आ रहे रुझानों पर अपना विरोध जाहिर किया है। पीसीबी ने फिलहाल चैंपियंस वन-डे कप के दौरान वकार यूनिस, शोएब मलिक, मिस्बाह-उल-हक, सरफराज अहमद और सकलैन मुश्ताक को टीमों के लिए मेंटर नियुक्त किया है। इसमें 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए पाकिस्तान के पांच पूर्व दिग्गजों को नियुक्त किया।

वहीं, शहजाद ने पीसीबी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम की हालत ऐसी है कि पीसीबी को

कुछ नामों की जरूरत है जो उनकी रक्षा के लिए सामने खड़े हो सकें। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को जितना पैसा दिया जा रहा है, उतना ही उनका स्तर नीचे गिरता जा रहा है। कोई अनादर नहीं है लेकिन जैसे घरों में काम करने वाली नौकरानियां होती हैं और घर की महिलाएं थोड़ी-थोड़ी देर बाद गंदी जगहों के बारे में बताती हैं, वैसे ही पीसीबी का काम दिखता है। बहरहाल, शहजाद ने चैंपियंस वनडे कप से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने लिखा, भारी मन से, मैंने घरेलू क्रिकेट चैंपियंस कप में नहीं खेलने का फैसला किया है। पीसीबी का पक्षपात, झूठे वादे और घरेलू खिलाड़ियों के प्रति अन्याय अस्वीकार्य है।

इंडिया अंडर-19 टीम में चयन से उत्साहत है द्रविड़ के बेटे समित

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ अंडर 19 टीम में चयनित होने के बाद से ही उत्साहित हैं। समित को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर और चार दिवसीय मैचों की सीरीज के लिए चुनी गई टीम में शामिल किया गया है। वह इस समय बेंगलुरु में खेली जा रही महाराजा टी20 ट्रॉफी में मैसूरु वॉरियर्स की टीम से खेल रहे हैं।

समित अंडर 19 टीम में जगह मिलने से बेहद खुश हैं। 18 साल के इस बल्लेबाज ने अपने प्रशंसकों का भी समर्थन के लिए आभार जताया है। साथ ही कहा कि उसने इस दिन के लिए काफी मेहनत की है.समित द्रविड़ ने कहा, मुझे अपने अंडर 19 टीम में चुने जाने पर काफी खुशी है। आप सभी को मेरे टीम में जगह बनाने पर दी गई शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, मैंने इस पल के लिए काफी समय से कड़ी मेहनत की थी। समित ने इससे पहले कूच बेहार ट्रॉफी में ऑलराउंड प्रदर्शन किया था। इसके साथ ही कर्नाटक के लिए सबसे ज?यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वह चौथे नंबर पर हैं। 10 मुकाबले खेलकर समित ने 36.20 की औसत से कुल 362 रन बनाने के साथ ही 16 विकेट भी लिए हैं।

5 सितंबर को केबीसी में नजर आयेंगे मनु और अमन

मुम्बई। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और पहलवान अमन सहरावत अब बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन के गेम शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में नजर आयेंगे। ये दोनो ही केबीसी के 16वें सीजन में दिखाई देंगे। कौन बनेगा करोड़पति 16 के निर्माताओं ने अपने ताजा प्रोमो में ये घोषणा की है। इसमें कहा गया है कि मनु भाकर और अमन के ओलंपिक पदक जीतने के लिए उन्हें सम्मानित किया जाएगा। 5 सितंबर को प्रसारित होने वाले विशेष एपिसोड में प्रशंसका मनु और अमन को देख सकेंगे।

इसी को लेकर सोनी टीवी के सोशल मीडिया हैंडल पर मनु और अमन का एक वीडियो भी साझा किया गया है। इसमें कहा गया है कि विश्व में विजय ध्वज लहराने वाले,ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और अमन सहारवत आ रहे हैं केबीसी में।

रूट इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने

लॉर्ड्स। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने श्रीलंका के खिलाफ यहां खेले जा रहे क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही रूट के नाम अब 34 शतक हो गये हैं और वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकार्ड एलिस्टर कुक के नाम था। कुक के नाम 33 शतक हैं। अब रूट टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। रूट ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 103 रन बना दिये। वहीं पहली पारी में रूट ने 143 रन बनाये थे।

रूट की 103 रन की पारी से इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 251 रन बनाए। इससे इंग्लैंड ने श्रीलंका को जीत के लिए 483 रन का लक्ष्य

दिया। रूट अब लॉर्ड्स के मैदान में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऐतिहासिक मैदान पर उन्होंने सातवां शतक लगाया है। इस प्रकार उन्होंने इस मैदान पर छह शतक लगाने वाले अपने ही देश के पूर्व क्रिकेटरों माइकल वॉन और ग्राहम गूच को पीछे छोड़ दिया है। रूट ने 145वें मैच में करियर का 34वां शतक लगाया जबकि कुक ने अपने 33 शतक के लिए 161 टेस्ट खेले थे। रूट ने इसके अलावा इंग्लैंड की ओर से 50 अर्धशतक भी लगाये हैं। इस साल वह अभी तक सबसे ज्यादा चार शतक बनाने में सफल रहे हैं।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक 200 कैच पकड़े हैं। इस प्रकार वह 200 कैच के क्लब में शामिल होने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले भारत के राहुल द्रविड़ के नाम 210 कैच जबकि श्रीलंका के महेला जयवर्धने के नाम 205 कैच हैं।

अंपायर भी हैं रोहित की बल्लेबाजी के प्रशंसक हैं

मुम्बई। अंपायर अनिल चौधरी ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। अंपायर चौधरी भी रोहित की बल्लेबाजी देखना पसंद करते हैं। उनका कहना है कि रोहित गेंद को जल्दी से समझ जाते हैं। इसी कारण वो गेंद दूसरों के लिए यॉर्कर होती है उस पर वह छक्का लगा देते हैं।

इस अंपायर ने कहा, रोहित शर्मा के खेल की समझ बहुत ही अच्छी है। आपको उनकी बल्लेबाजी करते हुए देखकर इसका अंदाजा नहीं होता। जब वो बल्लेबाजी करते हैं तो लगता है कि 120 की गति से गेंदबाजी हो रही है। वहीं दूसरा कोई बल्लेबाजी कर रहा हो तो लगता है कि गेंद 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आ रही है। उनको इस चीज की बहुत ही अच्छी समझ है। रोहित बहुत ही तेज दिमाग वाले क्रिकेटर के साथ ही अपना स्वाभाविक खेल खेलते हैं।

एशियाई मुक्केबाजी संघ के साथ ही 21 देशों ने आईबीए का समर्थन किया

दुबई। एशियाई मुक्केबाजी संघ ने निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) के पक्ष में मतदान किया है। इस गुप्त मतदान में 21 देशों ने आईबीए के साथ बने रहने के पक्ष में जबकि 14 देशों ने इस खेल के संचालन के लिए गठित की गई नई संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के पक्ष में मतदान किया।

एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ (एएसबीसी) के वर्ल्ड बॉक्सिंग के पक्ष में शामिल होने से इनकार करने के इस फैसले से लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में मुक्केबाजी को शामिल करने में मुश्किलें आयेंगी।

भारत के अलावा बहरीन, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, चीन, चीनी ताइपे, तिमोर लेस्ते, हांगकांग, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, जापान, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लाओस, लेबनान, मकाऊ, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, फिलीपींस, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, श्रीलंका, सीरिया, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, तुर्कमेनिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और यमन शामिल ने मतदान में भाग लिया।

भारत ने इसमें पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। आईबीए के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ विवाद को देखते हुए ही आईओसी ने पेरिस ओलंपिक की क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की जिम्मेदारी संभाली थी।

मतदान के बाद आईबीए ने वर्ल्ड बॉक्सिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नई संस्था के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए साधन नहीं हैं। आईबीए ने अपने एक बयान में कहा, 'वर्ल्ड बॉक्सिंग के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए किसी तरह का वित्त, विशेषज्ञता और समर्थन नहीं है। उनका मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने का भी कोई इरादा नहीं है।

चोटिल शरीफुल इस्लाम...दूसरे टेस्ट से हुए बाहर

रावलपिंडी। बांग्लादेश टीम के तेज गेंदबाज शरीफुल इस्लाम कमर की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। शरीफुल की जगह तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को टीम में शामिल किया गया है। तस्कीन को रिप्लेसमेंट के तौर पर प्लेइंग-11 में जगह मिली। इस तरह से वह एक साल बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बताया, बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शरीफुल की कमर में खिंचाव है। इसकारण पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में शुरू हुए दूसरे टेस्ट मैच में चयन के लिए उनके नाम पर विचार नहीं हो रहा है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पहले मैच के बाद कमर के क्षेत्र में तकलीफ की शिकायत की थी और बाद में किए गए परीक्षणों में चोट की पुष्टि हुई।

बांग्लादेश टीम के फिजियो बैजेदुल इस्लाम खान ने बताया कि रावलपिंडी में पहले टेस्ट के बाद शरीफुल थोड़े परेशान थे। इसके बाद उनका एमआरआई करवाया।

रिपोर्ट में ग्रेड 1 लेफ्ट एडक्टर स्ट्रेन दिखा। इसतरह के मामलों में रिकवरी में आमतौर पर करीब 10 दिन लगते हैं और उन्होंने अपना रिहैब शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं शरीफुल का भारत के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में दो टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलना संदिग्ध है। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्होंने तीन विकेट चटकाए थे। शरीफुल ने बल्ले से भी कमाल किया और पहली पारी में 14 गेंदों पर 22 रन की पारी में दो छक्के लगाए। 2021 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले शरीफुल ने कुल मिलाकर 11 मैच खेले हैं और 33.72 की औसत से 25 विकेट लिए हैं।

बांग्लादेश, जिसने रावलपिंडी में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, पाकिस्तान पर ऐतिहासिक पहली टेस्ट सीरीज जीत हासिल की। अगर दूसरा टेस्ट ड्रॉ होता है या बांग्लादेश की जीत होती है, तब यह मेहमान टीम के लिए एक बड़ी जीत होगी।

हांगकांग के आयुष ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4 ओवर मेडन फेंककर नया विश्व रिकार्ड बनाया

मुम्बई। हांगकांग की ओर से खेलने वाले भारतीय मूल के आयुष शुक्ला ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार ओवर फेंककर एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। आयुष ने ये उपलब्धि मंगोलिया के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 के लिए हुए क्वालीफायर मैच में हासिल की। आयुष को इन चार ओवरों में एक विकेट भी मिला। आयुष पहले एशियाई गेंदबाज हैं जो सभी ओवर मैडन डालने में सफल रहे हैं। इससे पहले ये कारनामा कनाडा के साद बिन जफर और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने भी किया था।

आयुष ने मंगोलिया के खिलाफ हुए मुकाबले में अपने चार ओवर में यालाजद नामसाराय को पेवेलियन भेजा। उनकी गेंदों का मंगोलियाई बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। आयुष का जन्म मुंबई में हुआ था पर बाद में उनका परिवार हांगकांग चला गया था। 21 साल की उम्र में वह हांगकांग टीम से खेलने लगे थ। आयुष के नाम 34 मैचों में 29 विकेट का रिकार्ड है। इस क्रिकेटर ने इससे पहले कंबोडिया के खिलाफ साल 2023 में 3 ओवर में 3 रन देकर एक विकेट लिया था।

भारत की रूबिना फ्रांसिस को मिला कांस्य

शेरशाउ । भारतीय निशानेबाजों का पेरिस पैरालंपिक खेलों में अच्छा प्रदर्शन जारी है। अब महिला निशानेबाज रूबिना फ्रांसिस ने पेरिस पैरालंपिक की निशानेबाजी स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता है। रूबिना को ये पदक कुल 211.1 अंक हासिल करने के साथ ही महिलाओं की एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में मिला है। इस भारतीय निशानेबाज ने क्वालीफिकेशन दौर में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनायी। पेरिस पैरालंपिक में इस प्रकार भारत ने निशानेबाजी में चौथा और कुल मिलाकर 5वां पदक जीता है। वहीं इससे पहले अब तक इन खेलों में एक स्वर्ण शुक्रवार को अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक के साथ ही हासिल किया था जबकि मोना अग्रवाल ने तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता।

बाएं हाथ से बल्लेबाजी और दोनों हाथों से गेंदबाजी करने वाले इंदौर के सोहम भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान बने, कैलाश विजयवर्गीय ने दी बधाई

इन्दौर। अंडर- 19 क्रिकेट टीम की आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के टेस्ट और वनडे टीमों की घोषणा कर दी गई है जिसमें इंदौर के सोहम पटवर्धन को चार दिवसीय टेस्ट सीरीज के लिए टीम का कप्तान बनाया गया है। तथा वनडे सीरीज के लिए मोहम्मद अमान को कप्तान बनाया गया है। अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारतीय टीम उसके खिलाफ भारतीय वनडे और चार दिवसीय मैच खेलेगी। अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा के धनी सोहम पटवर्धन बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। वहीं गेंदबाजी दोनों हाथ से करते हैं। सोहम दाएं हाथ से आफ स्पिन और बाएं हाथ से ऑर्थोडॉक्स गेंदबाजी करते हैं। सोहम के पिता निखिल पटवर्धन भी पूर्व रणजी क्रिकेटर हैं। परिजनों के अनुसार सोहम के दादा भी क्रिकेटर थे। सोहम ने कूच बिहार ट्रॉफी सहित कई टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। बीसीसीआई ने शनिवार को अलग-अलग स्क्वॉड घोषित किए। सोहम को आस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय अंडर 19 टीम का कप्तान बनाए जाने पर मध्यप्रदेश के केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने एक्स पर लिखा कि - इंदौर के होनहार युवा क्रिकेटर सोहम पटवर्धन को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चार दिवसीय टेस्ट श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। क्रिकेटर सोहम पटवर्धन एक दुर्लभ प्रतिभा के धनी हैं, जो बल्लेबाजी के साथ-साथ दोनों हाथ से गेंदबाजी करते हैं। आप (सोहम) के नेतृत्व में भारतीय टीम आगामी आस्ट्रेलिया दौरे जीत का परचम लहराएं, यही कामना है।

जम्मू और कश्मीर चुनाव में वंशवाद की तीसरी पीढ़ी चुनाव मैदान में

नई दिल्ली। वंशवाद की राजनीति लोगों में चर्चा के लिए पसंदीदा विषय है। देश में वंशवादी राजनीति की शुरुआत जम्मू और कश्मीर से होती है, जहां दो परिवारों, अब्दुल्ला और मुफ्ती ने दशकों से सार्वजनिक जीवन पर दबदबा कायम रखा है। कश्मीर में वर्तमान में चुनावी माहौल है। राजनीतिक वंशजों की नई पीढ़ी यहां के अशांत राजनीतिक परिदृश्य में अपनी जगह बनाने को तैयार है। इनके कंधों पर अपने प्रभावशाली माता-पिताओं की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है। जम्मू-कश्मीर का प्रमुख राजनीतिक परिवार अब्दुल्ला हैं, जिनकी तीन पीढ़ियों में कम से कम चार मुख्यमंत्री रहे हैं। अब्दुल्ला परिवार की तीसरी पीढ़ी के नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। जबकि उनके पिता फारूक अब्दुल्ला 2009 और 2014 के बीच यूपीए-2 सरकार में केंद्रीय मंत्री होने के अलावा कई बार राज्य के कई बार सीएम रह चुके हैं। उमर के दादा शेख अब्दुल्ला हैं जिन्हें लोकप्रिय रूप से 'शेर-ए-कश्मीर' (कश्मीर का शेर) कहा जाता है, उन्होंने कश्मीर के प्रधानमंत्री और बाद में मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने से पहले एनसी की स्थापना की थी।

उमर तीसरी पीढ़ी के राजनेता

राज्य की शीर्ष कुर्सी से परिवार के संबंध यहीं खत्म नहीं होते हैं। फारूक के बहनोई गुलाम मोहम्मद शाह 1980 के दशक में मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा, शेख अब्दुल्ला के भाई, शेख मुस्तफा कमाल ने राज्य में मंत्री के रूप में काम किया है। जबकि फारूक के चचेरे भाई शेख नजीर, एनसी के सबसे लंबे समय तक सेवारत महासचिव थे। उन्होंने लगभग तीन दशकों तक इस पद पर काम किया था। 2015 में उनका निधन हो गया। पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला इस बार विधानसभा चुनाव में गांदरबल से लड़ रहे हैं।

इल्तिजा मुफ्ती महबूबा की वारिस

अब्दुल्ला परिवार के बाद कश्मीर में कोई दूसरा ताकतवर राजनीतिक परिवार है, तब वहां मुफ्ती हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। सईद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री भी रहे। जब मुफ्ती सईद का निधन हुआ, तब पार्टी की कमान उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती ने संभाल ली। पार्टी ने उन्हें पिता की जगह मुख्यमंत्री पद पर भी नियुक्त किया। बेटी महबूबा मुफ्ती के बाद सईद के बेटे, सिनेमैटोग्राफर, तसद्दुक मुफ्ती ने भी राजनीति में कदम रखा। मुफ्ती परिवार की राजनीति में नवीनतम प्रवेशकर्ता हैं महबूबा मुफ्ती की बेटी और मुफ्ती मुहम्मद सईद की नातिन इल्तिजा मुफ्ती। इस चुनाव में शायद सभी नवोदितों में वह सबसे हाई-प्रोफाइल हैं। कई मुद्दों पर अपने स्पष्ट और सशक्त विचारों के साथ, विशेष रूप से अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, इल्तिजा ने पहले ही कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य पर अपनी छाप छोड़ दी है। इल्तिजा ने अनंतनाग की बिजबेहरा सीट से नामांकन भरा है।

मियां मेहर अली

वहीं मियां मेहर अली, सांसद मियां अल्ताफ अहमद के बेटे हैं। मेहर अली कंगन (गांदरबल की एक तहसील) की राजनीति में अपने परिवार की चौथी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका राजनीति में आना इलाके में खानदान के मजबूत दबदबे का भी संकेत है।

सलमान सागर

वहीं सलमान सागर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के महासचिव और पूर्व मंत्री अली मुहम्मद सागर के बेटे हैं। सागर कश्मीर के राजनीतिक ढांचे में अपने परिवार की पकड़ को और मजबूत करने के लिए तैयार हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर की मुख्यधारा की राजनीति में एक महत्वपूर्ण ताकत है यह देखकर पार्टी रैंक में सलमान के चढ़ने का मतलब है सागर परिवार द्वारा राजनीति में अधिक वर्षों तक सेवा करने का मौका मिलना। उनकी युवा ऊर्जा और आधुनिक दृष्टिकोण नेशनल कॉन्फ्रेंस के दृष्टिकोण में नए जोश का संचार कर सकता है।

अहसान परदेसी

गुलाम कादिर परदेसी के बेटे अहसान लचीलेपन और कुछ कर सकने वाले रवैये के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ राजनीतिक में आ रहे हैं। एक नौकरशाह से राजनेता बने उनके पिता अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए पहचाने जाते थे, जो राजनीतिक पक्षों को तुरंत बदल देते थे। अहसान के राजनीति में प्रवेश को तब से दिलचस्पी के साथ देखा जा रहा है जब से उन्हें अपने पिता के उत्तराधिकारी के रूप में माना जाने लगा है। यह देखना बाकी है कि वह कश्मीर की खतरनाक राजनीतिक स्थिति से कितनी अच्छी तरह निपट सकते हैं। अहसान नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रादेशिक उपाध्यक्ष हैं और वह श्रीनगर की लाल चौक सीट से मैदान में हैं।

कई और भी हैं मैदान में

नेता-कवि-पर्यावरणविद् दिवंगत सादिक अली के बेटे तनवीर सादिक को न केवल राजनीतिक विरासत बल्कि सांस्कृतिक विरासत भी मिली है। सादिक एनसी में एक वरिष्ठ नेता थे और बाद में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) में शामिल हुए। पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम रसूल कर के बेटे इरशाद अपनी पिता की ऐतिहासिक राजनीति को आगे बढ़ा रहे है। मुहम्मद शफी के बेटे सज्जाद उस नेता के नक्शेकदम पर चलने को तैयार है जिन्होंने सालों तक उरी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। जाविद रेयाज बेदार वरिष्ठ एनसी नेता और रिटायर आईपीएस अधिकारी रेयाज बेदार के बेटे हैं। हिलाल अकबर लोन विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष मुहम्मद अकबर लोन के बेटे हैं। क्योंकि उनके पिता एक कैबिनेट मंत्री, स्पीकर और बाद में एक सांसद थे।

मौका देखते ही सियासी चौका मारने में माहिर तेजस्वी अचानक भूमिहारों के साथ खड़े हो गए

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव अब मंजे हुए नेता बन गए हैं। वे मौका देखते ही चौका मारने में कभी पीछे नहीं हटते। इस बार उन्हे घर बैठे ही भूमिहारों को अपने खेमे में करने का मौका मिला है। ये मौका दिया है बिहार के मंत्री और जदयू नेता अशोक चौधरी ने। चौधरी के बयान पर जेडीयू के अंदर ही 2 गुटों के बीच जुबानी जंग छिड़ गयी है। भूमिहारों को लेकर बयान को लेकर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने अशोक चौधरी पर तीखा हमला बोला है। वहीं इस सबके बीच राजनीति की सही टाइमिंग को समझते हुए तेजस्वी यादव अचानक से भूमिहारों के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू का चरित्र ही जातीय उन्माद फैलाने का है। उनके एक सांसद डंके की चोट पर कहते है कि कुशवाहा, मुसलमान और यादव का कोई काम नहीं करेंगे। इनके एक मंत्री कहते हैं कि भूमिहार ने वोट नहीं दिया और समाज को लेकर आपत्तिजनक बातें कही। लोकतंत्र में अगर कोई किसी को वोट नहीं देता तो क्या 19 वर्षों से सरकार में बैठे जदयू के नेता और उनके मुखिया उन जातियों का तिरस्कार करेंगे?

नीतीश सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने जहानाबाद में जनता दल यूनाइटेड के क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के दौरान भूमिहार जाति पर तीखा बयान देकर न सिर्फ विवाद खड़ा किया है, बल्कि बिहार की राजनीति में उबाल ला दिया है। उन्होंने कहा भैं भूमिहार जाति को अच्छे से जानता हूं जब लोकसभा चुनाव हुआ तो इस जाति के लोग नीतीश कुमार का साथ छोड़कर भाग गए। अशोक चौधरी ने आगे कहा कि अगर किसी उम्मीदवार ने किसी के दरवाजे पर दो-तीन बार दस्तक दी तो भी वह खराब माना जाता है, जबकि अगर वही उम्मीदवार भूमिहार जाति का हो और उसने यह काम कभी ना किया हो तो उसे अच्छा माना जाता है। अशोक चौधरी ने लोकसभा चुनाव में जनता दल युनाइटेड के उम्मीदवार चंदेश्वर चंद्रवंशी को भूमिहार समुदाय का समर्थन न मिलने के संदर्भ में बात कर रहे थे। अशोक चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार ने भूमिहारों के गांव में सड़कें बनवाईं, लेकिन जब अति पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार को टिकट दिया तो भूमिहारों ने समर्थन देने से हाथ खींच लिया। अशोक चौधरी ने लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी प्रत्याशी का विरोध करने वाले भूमिहार नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जब पार्टी ने सिंबल दे दिया तो फिर विरोध किस बात का? मंत्री ने कहा कि आने वाले विधान सभा चुनाव में ऐसे लोगों को पार्टी अहमियत नहीं देगी जो लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली और मुंबई घूम रहे थे।

किसी न किसी बहाने भारत पर निशाना साध रहा बांग्लादेश, अब बाढ़ के लिए जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में बनीं नई सरकार आए दिन किसी न किसी बहाने भारत पर निशाना साध रही है। इस बार यूनुस सरकार बांग्लादेश में आई बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार बता रही है। स्थानीय खबर के मुताबिक बांग्लादेश के अंतरिम पीएम मोहम्मद यूनुस की सरकार में कपड़ा एवं जूट मंत्रालय और जहाजरानी मंत्रालय के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन ने भारत सरकार से नाराजगी जाहिर की जबकि भारत सरकार पहले ही यह साफ कर चुकी है कि पानी छोड़े जाने में उनकी कोई भूमिका नहीं हैं। यह आरोप बेबुनियाद हैं।

बांग्लादेश के मंत्रालय के सलाहकार ने एक तरफ भारत पर बाढ़ का ठीकरा फोड़ा। दूसरी तरफ यह भी कहा कि देश में शेख हसीना सरकार के जाने के बाद कोई राजनीतिक सरकार नहीं होने के चलते राहत और बचाव काम में दिक्कत आ रही है। मौजूदा टिप्पणी शनिवार को कोमिला के बुरिचोंग उपजिला में मॉडल मस्जिद क्षेत्र में सेना द्वारा स्थापित चिकित्सा शिविर का निरीक्षण करने के बाद की गई। हुसैन ने कहा, सरकार ने एक महत्वपूर्ण क्षण में जिम्मेदारी ली है। बाढ़ से प्रभावित लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया जारी है। चूंकि वर्तमान में कोई राजनीतिक सरकार नहीं है, इसलिए हम इस काम के लिए ठेकेदारों की नियुक्ति करने में विफल रहे हैं। इसलिए, पुनर्वास के प्रयास जल्द से जल्द आगे बढ़ेंगे। सलाहकार हुसैन ने कहा कि यदि भारत ने बांग्लादेश को पहले से सचेत कर दिया होता तो बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता था। उन्होंने कहा, हम इस बाढ़ के लिए तैयार नहीं थे। इस समय बाढ़ आना आम बात नहीं है। हमारे पड़ोसी देश ने कोई चेतावनी जारी नहीं की और अचानक पानी छोड़ दिया, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। हमें उम्मीद है कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा। शेख हसीना सरकार के जाने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार लगातार भारत विरोधी अभियान को आगे बढ़ा रही है। भारत ही वो देश है जिसने बांग्लादेश को पाकिस्तान के चंगुल से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत ने मुक्ति वाहिनी का समर्थन किया था। जिसके बाद इंदिरा गांधी ने ईस्ट पाकिस्तान को अलग करवाकर बांग्लादेश का निर्माण करवाया था।

मणिपुर में फिर हिंसा : सीएम के ऑडियो पर भड़के लोग, भाजपा नेता का घर फूंका

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा और तनाव का माहौल बन गया है। कुकी समुदाय ने शनिवार को आदिवासी बहुल इलाकों में तीन रैलियां निकालीं। इन रैलियों में लोग अलग प्रशासन की मांग पर अड़े हुए ते। वहीं लोगों ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के कथित ऑडियो क्लिप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं।उन्होंने चुराचांदपुर जिले के लेइशांग, कांगपोकपी के केइथेलमन्बी और तेंग्नौपाल के मोरेह में रैलियां निकालीं। चुराचांदपुर जिले में अज्ञात लोगों ने शनिवार को भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता माइकल लामजाओांग के पैतृक आवास में आग लगा दी। हमले के दौरान तुइबोंग उपसंभाग के पेनियल गांव में घर के परिसर में खड़ी एक कार को भी आग लगा दी गई। इस घर पर पिछले सप्ताह भी हमला हुआ था। पुलिस ने बताया कि चुराचांदपुर जिले के उपायुक्त धरुण कुमार एस ने जिला पुलिस अधीक्षक को जांच करने और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने के लिए एक पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने लामजाओांग के घर पर ''तीसरी बार'' हुए हमले की निंदा की।

कांगपोकपी रैली में शामिल एक प्रदर्शनकारी जी. किपगेन ने कहा, 'कुकी-जो लोगों के लिए एक केंद्र शासित प्रदेश की हमारी मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। हमने 'वायरल' ऑडियो क्लिप के खिलाफ भी प्रदर्शन किया जिसमें आपत्तिजनक टिप्पणियां की गयी हैं।' मणिपुर सरकार ने कहा था कि जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में शांति कदमों को बाधित करने के प्रयास के तहत सोशल मीडिया पर ऑडियो क्लिप प्रसारित की गईं और इसमें मुख्यमंत्री की आवाज होने का झूठा दावा किया गया है।चुराचांदपुर में रैली लेइशांग के एंग्लो कुकी वॉर गेट से शुरू हुई और में समाप्त हुई। कुकी-जो समुदाय के छात्रों द्वारा आयोजित रैली के मद्देनजर जिले में सभी बाजार और स्कूल बंद रहे। वहीं, आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार ने कांगपोकपी में केइथेलमन्बी मिलिट्री कॉलोनी से शुरू हुई रैली में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने भाग लिया और उन्होंने आठ किलोमीटर की दूरी तय करते हुए जिला मुख्यालय में थॉमस मैदान तक मार्च किया।

सरकार ने दावा किया था कि ऑडियो क्लिप में 'छेड़छाड़' की गई थी और राज्य पुलिस मामले की जांच कर रही है। भारत-म्यांमा सीमावर्ती शहर मोरेह में भी एक प्रदर्शन मार्च निकाला गया और अलग प्रशासन की मांग की गयी। मुख्यमंत्री ने कुकी समूहों की अलग प्रशासन की मांग को सिरे से खारिज करते हुए खुद को राज्य के हित के पैरोकार और एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश किया है, जो इसकी पहचान को कमजोर नहीं होने देगा।कुकी समुदाय की मांग को पहली बार स्पष्ट तौर पर खारिज किया गया है। नई दिल्ली में गुरुवार को कुकी-जो समुदाय के कुछ प्रतिनिधियों ने पुडुचेरी की तर्ज पर विधानसभा के साथ एक केंद्र-शासित प्रदेश के निर्माण की मांग की। उन्होंने तर्क दिया कि यह टकराव खत्म करने का एकमात्र तरीका है। मेइती समुदाय से आने वाले सिंह मणिपुर में पिछले साल मई में भड़की जातीय हिंसा को लेकर विपक्ष के निशाने पर हैं। कुकी संगठन उन पर जातीय हिंसा में मेइती समुदाय का पक्ष लेने का आरोप लगा रहे हैं। इस हिंसा के कारण मणिपुर के समाज में अभूतपूर्व ध्रुवीकरण देखने को मिल रहा है। एक आधिकारिक आंकड़े के अनुसार, मई 2023 से अब तक कुकी-जो और मेइती जातीय समूहों के बीच झड़पों में 226 लोगों की मौत हो चुकी है।

aनीतीश के मंत्री अशोक चौधरी अचानक आए निशाने पर, हमलावर हुई भाजपा और जेडीयू

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी मंत्री अशोक चौधरी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि सिर्फ इसलिए कि हमने एक अत्यंत पिछड़ी जाति से उम्मीदवार खड़ा किया, भूमिहारों ने जेडीयू उम्मीदवार का समर्थन नहीं किया। यह टिप्पणी पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी के संदर्भ में थी, जो चुनाव में अपनी सीट बचाने में असफल रहे और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार से एक लाख से अधिक मतों के अंतर से हार गए। अब नतीजा ये है कि भाजपा और जेडीयू के निशाने पर अशोक चौधरी आ गए हैं।इस पूरे विवाद का पटना सियासी गलियारा तरह-तरह की चर्चाओं से पटा हुआ है। टिप्पणी की जेडीयू की सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मुख्य विपक्षी पार्टी राजद ने भी आलोचना की। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा, ''भूमिहार सिर्फ एक जाति नहीं है। वे एक ऐसी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं जो जमीन से जुड़ी हुई है। समाज का कोई भी शुभचिंतक इस समुदाय के बारे में प्रतिकूल टिप्पणी नहीं करेगा।

कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा ने कहा, अशोक चौधरी, जो कुछ साल पहले तक हमारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे, उन्हें इस तरह का विभाजनकारी बयान देने के लिए शर्म आनी चाहिए। यह जेडीयू की संस्कृति का भी प्रतिबिंब है, जो बिहार में सत्ता में है और केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार में साझेदार है। वहीं, विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि ''नीतीश कुमार का यह स्वभाव है कि वे उन लोगों पर अपना गुस्सा निकालते हैं, जो उन्हें लगता है कि जेडीयू के समर्थन में नहीं हैं। एक मंत्री भूमिहारों पर हमला बोल रहे हैं। इससे पहले एक सांसद ने कुशवाहा, मुस्लिम और यादवों के खिलाफ तीखी टिप्पणी की थी। उनका इशारा कुछ महीने पहले सीतामढ़ी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले देवेश चंद्र ठाकुर की टिप्पणी से छिड़े विवाद की ओर था।

इस बीच विधान पार्षद और जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार, जो खुद भूमिहार जाति से हैं, ने अशोक चौधरी को याद दिलाया कि उन्होंने जेडीयू के गठन में कोई भूमिका नहीं निभाई है। एक अन्य वरिष्ठ मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि इस टिप्पणी को निजी हैसियत से की गई टिप्पणी के तौर पर लेना चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि ''नीतीश कुमार जाति के आधार पर बिना किसी से भेदभाव किए सभी का ख्याल रखते हैं।

कोई भी पार्टी जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों को कभी नहीं छीन सकती

श्रीनगर। केंद्रीय मंत्री और जम्मू कश्मीर बीजेपी के चुनाव प्रभारी जी किशन रेड्डी ने कहा है कि धारा 370 मुहम्मद अली जिन्ना के संविधान को दर्शाती थी। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने इसे हटाकर बाबा साहब का संविधान लागू कर दिया है। जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी उम्मीदवार अरविंद गुप्ता के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि हमने जिन्ना के संविधान-धारा 370 को हटा दिया है और बाबा साहेब के संविधान को लागू किया है। केंद्रीय मंत्री ने धारा 370 को बहाल करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के वादों की भी निंदा की और इसे दोहरे झंडे की वापसी के साथ आतंकवादियों को सशक्त बनाने की साजिश बताया।

उन्होंने तर्क दिया कि जम्मू-कश्मीर के लोग पंचायती राज संस्थाओं और नगर निगमों जैसे निकायों को मजबूत करने के हक में हैं। उन्होंने मतदाताओं से वंशवादी राजनीति के बजाय समृद्धि और विकास को चुनने की अपील की। रेड्डी ने कहा कि यह चुनाव एक आंदोलन है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एनसी, कांग्रेस या पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) कोई भी पार्टी यहां के लोगों के अधिकारों को कभी नहीं छीन सकती। बीजेपी जम्मू-कश्मीर चुनाव प्रभारी ने कहा कि हमारा विजन जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विरासत को दर्शाता है, जिन्होंने इस क्षेत्र को वंशवादी शासन और विभाजनकारी राजनीति से बचाने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद अपने खत्म होने के करीब है, और यह क्षेत्र शांति और समृद्धि में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को महिलाओं, पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पहाड़ियों, वाल्मीकि समाज और जम्मू-कश्मीर के लोगों के सम्मान की बहाली के लिए एक आंदोलन बताया है।

कोलकाता हत्याकांड के विरोध में आज पूरे बंगाल में हो रहे धरना प्रदर्शन

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले के विरोध में रविवार को रैलियां और प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दल बीजेपी के साथ-साथ नागरिक संगठनों के सदस्यों की पूरे पश्चिम बंगाल में सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन करने की योजना है। टीएमसी की महिला सदस्य बलात्कारियों को मौत की सजा देने के लिए कानून में संशोधन की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं।

छग में अलग-अलग अभियान में नक्सली कमांडर समेत छह गिरफ्तार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुलिस ने तीन अलग-अलग जगह पर अभियान चलाकर नक्सली कमांडर सोमारू माड़वी समेत छह नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। सभी को गिरफ्तार जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक शनिवार को अभियान में नक्सली कमांडर सोमारू माड़वी को गिरफ्तार किया। माड़वी पर ग्रामीणों को धमकाने का आरोप है। दूसरे अभियान में पुलिस ने भोसागुड़ा के जंगल से मोड़ियम आयतू को गिरफ्तार किया। आयतू पर हत्या, अपहरण, आगजनी, पुलिस पार्टी पर हमला और आईईडी विस्फोट में शामिल होने का आरोप है। इसकी लंबे समय से पुलिस को तलाश थी और उसकी गिरफ्तारी से पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

हमले के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने त्रिशूल के साथ फोटो किया पोस्ट, लिखा हमारा गौरव

नई दिल्ली। अपने बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर शनिवार को एक युवक ने हमले की कोशिश की। इसके बाद मंत्री के तेवर कुछ बदलते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया से लेकर मीडिया से बातचीत के दौरान वह अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर एक फोटो पोस्ट किया है। इस फोटो में वह त्रिशूल के साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को अब तक 97 हजार से ज्यादा लोगों ने देखा है और 10 हजार से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है। बता दें कि उन पर हमला तब हुआ जब वह जनता दरबार में लोगों की बात सुन रहे थे। घटना बेगूसराय के बलिया प्रखंड की है। सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद सैफी के रूप में की गई है। अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले मंत्री इस हमले के बाद तल्ख नजर आ रहे हैं।

हालांकि फोटो में उनके हाथ में त्रिशूल जरूर है लेकिन। उनकी भाव-भंगिमाएं काफी शांत है। हमेशा की तरह उन्होंने अपने माथे पर महाकाल लिखा टोपी पहन रखा है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा 'त्रिशूल हमारा गौरव व स्वाभिमान है। हम-आप सब जब त्रिशूल की रक्षा करेंगे तो त्रिशूल से भी हमारी रक्षा होगी। धर्म के रक्षार्थ यह आवश्यक भी है और हमारा कर्तव्य भी है।' कई लोग इस पोस्ट के राजनीतिक मायने निकाल रहे हैं। अपने ऊपर हुए कथित हमले पर गिरिराज सिंह ने कहा था कि 'इस चुनाव में बेगूसराय में मुसलमानों का मेरे प्रति जो रवैया रहा और जो नतीजे आए, उसके अनुसार योगी आदित्यनाथ ने सही कहा कि बटोगे तो कटोगे। अगर इस आदमी के हाथ में रिवॉल्वर होता तो जिस तरह से इसने हमला किया, उसी तरह से मुझे मार भी देता। इसने बहुत ही अभद्र भाषा का इस्तेमाल कियाज मैं अपना काम जारी रखूंगा, मैं अपने लक्ष्य से नहीं भटकूंगा, मैं किसी की धमकी से नहीं डरूंगा, मैं अपना अभियान जारी रखूंगा। चाहे कितने भी आतंक फैलाने वाले लोग आ जाएं, मुझ पर इसका कोई असर नहीं होगाज मेरे क्षेत्र में मुसलमानों ने इतना विरोध प्रदर्शन किया, उसी का नतीजा है कि इनकी इतनी हिम्मत आ गई कि जब मैं जनता दरबार में था, तो सारे एसडीओ,डीएसपी की मौजूदगी के बावजूद इसने इतनी बदतमीजी से पेश आया।

असम तृणमूल कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रिपुन बोरा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया

गुवाहाटी। असम में तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में तृणमूल कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रिपुन बोरा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। साथ ही उन्होंने दावा किया कि पूर्वोत्तर राज्य के लोग टीएमसी को पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय पार्टी मानते हैं और इसे अपनाने के लिए तैयार नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को लिखे पत्र में पूर्व राज्यसभा सदस्य ने कहा कि उन्होंने पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को असम में टीएमसी को ''स्वीकार्य बनाने के लिए कई सुझाव दिए थे, लेकिन उन पर कोई काम नहीं किया गया।

झारखण्ड में उत्पाद सिपाही बहाली के लिए आयोजित दौड़ में दस दिनों में दस अभ्यर्थियों की मौत

रांची। झारखण्ड में उत्पाद सिपाही बहाली के लिए आयोजित दौड़ में दस दिनों के दौरान अलग-अलग केन्द्रों पर करीब दस अभ्यर्थियों की मौत हो चुकी है। वहीं सैकड़ों अभ्यर्थी बेहोश हो चुके हैं। बताया जा रहा है की कई युवा लंबी दौड़ के लिए दवा का प्रयोग भी करते हैं। इस कारण ऐसी घटना हो रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए 583 उत्पाद सिपाही के पदों पर नियुक्तियां निकाली थी। उत्पाद विभाग की बहाली की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी भाग ले रहे हैं। अभ्यर्थियों को 10 किमी की दौड़ पूरी करनी पड़ रही है। इस दौड़ के चक्कर में कई अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ रही हैं। इस दौरान विभिन्न जिलों में दौड़ के दौरान कई अभ्यर्थियों की मौत हुई है तो कई अस्पताल में जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे है।

जानकारों की मानें तो झारखंड में किसी भी शारीरिक परीक्षा में इस तरह का मामला पहले नहीं आया था। युवाओं की लगातार हो रही मौत को लेकर रांची रिम्स के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अंशुल कुमार का कहना है कि जो युवक नियमित अभ्यास नहीं कर रहे है, उन्हें ध्यान रखना होगा कि अचानक दस किलोमीटर की दौड़ में हिस्सा नहीं ले। बिना स्वास्थ्य जांच कराये लंबी दौड़ में युवाओं को शामिल नहीं होना चाहिए। हार्ट व फेफड़े की बीमारी रहने पर लंबी दौड़ लगाने से मौत हो सकती है। पुलिस मुख्यालय की ओर से कहा गया है कि उत्पाद सिपाही शारीरिक परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की हुई मौत मामले की जांच करायी जायेगी। पुलिस का कहना है कि यूडी केस दर्ज कर मामले की जांच करायी जायेगी। दुर्भाग्यवश कुछ केंद्रों में शारीरिक परीक्षा के क्रम में कुछ अभ्यर्थियों की मौत हो गयी। इस मामले में यूडी केस दर्ज किया गया है। मृत्यु का कारण जानने का प्रयास किया जा रहा है।

बहरहाल यह पहला मामला है जब नौकरी के लिए युवाओं ने दौड़ लगायी और 10 लोगों के लिए ये मौत की दौड़ साबित हुई। कारण जानने के लिए पुलिस से लेकर सरकार तक ने पहल शुरू कर दिया है। अब सब की निगाहे टिकी होगी जांच की रिपोर्ट पर।

नपा कर्मचारी आज रहेंगे हड़ताल पर

वार्ड नं. 14 की पार्षद व पार्षद पति पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। शुक्रवार को नगर पालिका बालाघाट में नपा कर्मी और पार्षद तथा पार्षद पति के बीच उपजा विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित नपाकर्मी यशवंत राणा ने पुलिस प्रशासन से वार्ड क्रमांक -14 की पार्षद व सभापति वंदना बारमाटे तथा उनके पति स्वराज बारमाटे के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग की है। हालांकि, रविवार देर शाम तक दोनों के खिलाफ एफआइआर दर्ज नहीं हो सकी। ऐसे में अब पीड़ित कर्मी अन्य कर्मचारियों के साथ कलमबंद हड़ताल की तैयारी में हैं। आपको बता दे की 30 अगस्त को नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर के कक्ष में एक बिल को लेकर वार्ड क्रमांक 14 की पार्षद वंदना बारमाटे द्वारा नगर पालिका के स्थापना शाखा में कार्य करने वाले कर्मचारी यशवंत राणा के साथ गाली गलौज और अभद्रता की गई थी ऐसा नगर पालिका कर्मचारी द्वारा पार्षद और उनके पति पर आरोप लगाए गए थे और यह भी बताया गया था कि उसके कुछ दिन पहले पार्षद पति स्वराज बारमाटे के द्वारा भी उनके साथ गाली-गलौज की गई थी जिसका ऑडियो भी उनके द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल किया गया था जिस पर नगर पालिका के सभी अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और कोतवाली में शिकायत

करते हुए ज्ञापन दिया गया था और एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

नगर पालिका अध्यक्ष का समर्थन मिल रहा है - यशवंत राणा

नगर पालिका की स्थापना शाखा के कर्मचारी यशवंत राणा द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया गया कि उनके साथ जो नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर के कक्ष में जो घटना हुई है उस घटना को लेकर उनके अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा उसी दिन पुलिस अधीक्षक एवं कलेक्टर बालाघाट सहित कोतवाली थाने में शिकायत सहित ज्ञापन भी दिया गया है जिस पर 1 सितंबर तक कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है जिसको देखते हुए उन्होंने नगर पालिका के सभी अधिकारी, कर्मचारी से चर्चा की और सभी ने 2 सितंबर को काम बंद कर हड़ताल करने का मन बना लिया है और उनका मानना है कि जब तक पार्षद पति और पार्षद पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती तब तक वह हड़ताल नहीं खत्म करेंगे और उन्हें अन्य कर्मचारी संगठनों का भी साथ मिल रहा है जिनसे भी उनकी चर्चा चल रही है और यदि नगर पालिका का कोई भी कर्मचारी उनका साथ नहीं देते हैं तो वह स्वयं ही नगर पालिका के सामने हड़ताल पर बैठ जाएंगे और उन्होंने यह भी बताया कि इस पूरी घटना में नगर पालिका अध्यक्ष उनके साथ है और स्वयं नगर पालिका अध्यक्ष भी इस पूरी घटना के दौरान कक्ष में उपस्थित थी और उन्हें भी पता है की सारी गलती किसकी है इसलिए उन्हें नगर पालिका अध्यक्ष सहित वहां उपस्थित नगर पालिका के पदाधिकारी का समर्थन मिल रहा है।

मामला अभी जांच में है - प्रकाश वास्कले

कोतवाली थाना प्रभारी प्रकाश वास्कले से जब हमने चर्चा की गई कि नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा शिकायत की गई थी उस पर क्या कार्रवाई की जा रही है या उक्त मामले में एफआईआर दर्ज हुई है तब उन्होंने बताया कि दोनों ही पक्षों द्वारा कोतवाली थाने में शिकायत की गई है जिस पर पुलिस द्वारा अभी जांच की जा रही है।

शुक्ला नर्सिंग होम की संचालक के पति पर बंदूक तानने का आरोप

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। शहर के एक छाबड़ा परिवार द्वारा कोतवाली थाने में शुक्ला नर्सिंग होम के खिलाफ शिकायत करते हुए एक आवेदन दिया है जिसमें उन्होंने शिकायत की है कि जो सीटी स्कैन करवाया गया था उसकी जांच रिपोर्ट सही नहीं है जिस पर उन्होंने वहां अस्पताल प्रबंधन को शिकायत की और जब शिकायत नहीं सुनी गई तो उनके द्वारा हंगामा किया गया तो शुक्ला नर्सिंग होम की संचालक अर्चना शुक्ला के पति संजय शुक्ला द्वारा उन पर बंदूक तान दी गई थी

जिस पर शुक्ला नर्सिंग होम की संचालक ने लगाये गये सभी आरोप को निराधार बताया है। आपको बता दे कि शहर के शुक्ला नर्सिंग होम में दो दिन पहले एक मरीज के स्वजनों द्वारा अस्पताल प्रबंधन पर सीटी स्कैन की गलत रिपोर्ट देने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा करने का मामला सामने आया है। रविवार को स्वजनों ने कोतवाली पुलिस में इसकी लिखित शिकायत की है। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए स्वजनों के बर्ताव को दु:खद बताया है। जानकारी के अनुसार, बालाघाट निवासी गीता छाबड़ा अपनी बेटी रिया छाबड़ा का सीटी स्कैन कराने शुक्ला नर्सिंग होम पहुंची थी। रिपोर्ट को स्वजनों ने डा. भारमल को दिखाया और दवाइयां लीं। इसके कुछ घंटों बाद गीता बेटी रिया के साथ शुक्ला नर्सिंग होम पहुंची और रिपोर्ट को गलत बताते हुए सीटी स्कैन की फीस वापस मांगने लगे। प्रबंधन द्वारा फीस की राशि वापस न देने की बात से गीता व रिया छाबड़ा ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। गीता छाबड़ा ने आरोप लगाया है कि शुक्ला नर्सिंग होम के संचालक डा. अर्चना शुक्ला के पति डा. संजय शुक्ला ने उन पर लाइसेंसी पिस्टल तान दी थी। जो सही नहीं है इस प्रकार से किसी पर बंदूक तानना नियम विरुद्ध है इसलिए उन्होंने 1 सितंबर को दोपहर 2 बजे कोतवाली थाने पहुंचकर शुक्ला नर्सिंग होम के संचालक और संजय शुक्ला के खिलाफ लिखित में एक शिकायत दी है।

आरोप गलत लगाये गये है - अर्चना शुक्ला

इस पूरी घटना पर डा. अर्चना शुक्ला का कहना है कि ये सही है कि

डा. संजय शुक्ला के पास लाइसेंसी पिस्टल है, लेकिन ये उनकी आत्मसुरक्षा के लिए है और उन्होंने विवाद के दौरान स्वजनों पर पिस्टल नहीं तानी थी। बल्कि वह बंदूक लेकर एक कोने में खड़े थे स्वजनों का अस्पताल में हंगामा करना दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण है। ये चिकित्सकों के साथ खुलेआम गुंडागर्दी है। उनके पास रिपोर्ट को गलत बताने का कोई आधार नहीं है। फीस वापस करना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। इसी बात को लेकर मां-बेटी ने हंगामा मचाया। उन पर किसी ने बंदूक नहीं तानी, ये आरोप गलत लगाये गये है।

शिकायत अभी जांच में है - प्रकाश वास्कले

जब इस विषय को लेकर हमारे द्वारा कोतवाली थाना प्रभारी प्रकाश वास्कले से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि शुक्ला नर्सिंग होम के खिलाफ शिकायत की गई है और शिकायत अभी जांच में है जांच के बाद जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग कॉलेज एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग *
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग*
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग*
ADMISSION + ENQUIRY
*Proposed Branches
नई शिक्षा नीति 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, मांझापुर (गर्रा) बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com
सतपुड़ा आई.टी.आई.बालाघाट
मांझापुर 6262604119 | गर्रा 6262604121 | बुढ़ी 6262604122 | कटंगी 6262604117 | बैहर 6262604125

बालाघाट को मिली नई ट्रेन की सौगात

04 सितंबर से बालाघाट से होकर गुजरेगी धनबाद -कोयंबटूर ट्रेन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिलेवासियों के लिए एक अच्छी खबर है।जिसमें जिलेवासियों को आज से ठीक 3 दिन बाद यानी 4 सितंबर से एक नई ट्रेन की सौगात मिलने जा रही है जो जिले वासियों को सीधे दक्षिण भारत से जुड़ेगी जिसका नोटिफिकेशन भी रेलवे द्वारा जारी कर दिया गया है। रेलवे द्वारा जारी किए गए इस नोटिफिकेशन के अनुसार आगामी 4 सितंबर से रेलवे ने झारखंड के धनबाद से दक्षिण भारत कोयंबटूर के लिए सीधी ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। जो न सिर्फ बालाघाट से होकर गुजरेगी बल्कि जिले के यात्रियों के लिए बालाघाट रेलवे स्टेशन में इस ट्रेन का स्टॉपेज भी दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह ट्रेन 04 सितंबर 2024 से 1 जनवरी 2025 तक के लिए चलेगी। जिसका लाभ जिले वासियों को भी मिलेगा। जानकारी के अनुसार धनबाद से कोयंबटूर के बीच चलने वाली यहां ट्रेन गुरुवार और रविवार को जिले से होकर गुजरेगी इसके लिए बालाघाट रेलवे स्टेशन में रेलवे द्वारा 2 मिनट का स्टॉपेज भी दिया गया है। जिससे दक्षिण भारत जाने वाले यात्रियों को काफी सुविधा होगी।

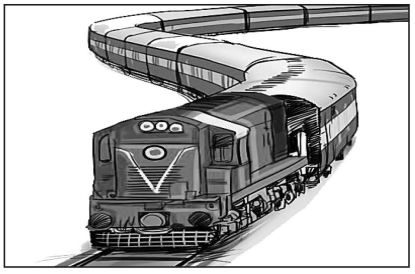

22 कोच की होगी ट्रेन, स्लीपर, जनरल और एसी कोच भी शामिल

बताया जा रहा है धनबाद से कोयंबटूर और कोयंबटूर से धनबाद के बीच चलने वाली इस स्पेशल ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे। जिनमें 13 स्लीपर कोच, 7 जनरल कोच, 1 थर्ड एसी कोच और 1 सेकंड एसी कोच शामिल होंगे। यात्रियों को इस ट्रेन में आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलने की बात भी रेलवे द्वारा कही जा रही है। यह ट्रेन उन यात्रियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी जो गया, प्रयागराज, पंडित दिनदयाल उपाध्याय जंक्शन (इलाहाबाद) या फिर काम या किसी अन्य कारण से दक्षिण भारत की तरफ यात्रा करना चाहते है।

5 अगस्त की सुबहा 5.30 बजे कोयंबटूर के लिए बालाघाट पहुँचेगी ट्रेन

रेलवे विभाग द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार झारखंड के धनबाद से कोयंबटूर के लिए चलने वाली यह। स्पेशल ट्रेन 04 सितंबर को धनबाद से प्रात: 10.10 बजे रवाना होगी। जो प्रात: 11 बजे पारसनाथ स्टेशन पहुँचेगी। जिसके बाद यह ट्रेन जबलपुर के लिए रवाना होगी जो 05 अगस्त गुरूवार की देररात्रि 12.40 बजे जबलपुर, 3.55 बजे नैनपुर और अलसुबह 5.30 बजे बालाघाट पहुंचेगी। यहां दो मिनट के स्टॉपेज के बाद यह ट्रेन बालाघाट स्टेशन से रवाना होकर सुबह 6.15 बजे गोंदिया और 06 अगस्त को दोपहर 12.30 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी।

8 अगस्त की शाम 5.10 बजे धनबाद के लिए बालाघाट पहुँचेगी ट्रेन

बताया जा रहा है कि यही स्पेशल ट्रेन 6 अगस्त तक को दोपहर 12-30 बजे कोयंबटूर पहुंचने के करीब 24 घंटे के रेस्ट के बाद 7 अगस्त की दोपहर वापस धनबाद के लिए कोयंबटूर से रवाना होगी।जो 07 अगस्त को दोपहर 12.55 बजे कोयंबटूर से रवाना होकर 8 सितंबर को शाम 4.40 बजे गोंदिया, शाम 5.10 बजे बालाघाट, 6.30 बजे नैनपुर और रात्रि 9.50 को जबलपुर पहुंचेगी। जो 09 सितंबर को रात्रि 01 बजे पारसनाथ स्टेशन पहुंचेगी जहां से धनबाद जाएगी।

पुलिस कर्मचारी के साथ हाथापाई- 8 युवकों के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बैहर बस स्टैंड में पान खाने जा रहे पुलिस कर्मचारियों के साथ करीब आधा दर्जन से अधिक युवकों ने अभद्र व्यवहार करते हुए उनके साथ हाथापाई कर बैठे। यह घटना 30 अगस्त की रात्रि करीब 11 बजे हुई ।बैहर पुलिस ने इस मामले में नामजद आठ युवको के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। जानकारी के अनुसार 30 अगस्त की रात्रि आरक्षक कमलेश ठाकुर अपने अन्य पुलिस कर्मचारी प्रधान आरक्षक रोशन धुर्वे, प्रधान आरक्षक सतराम परते और आरक्षक मदन टेकाम के साथ खाना खाने के बाद बस स्टैंड पान खाने जा रहे थे ।दुकान में पहले से ही छह-सात युवक थे और मस्ती कर रहे थे। तभी एक युवक ने आरक्षक कमलेश ठाकुर पर अपने एक साथी को धकेल दिया। इसी को लेकर कहा सुनी हो गई और इन युवकों ने पुलिस कर्मचारियों के अभद्र व्यवहार करते हुए आरक्षक कमलेश ठाकुर के साथ हाथापाई कर बैठे। बैहर पुलिस ने आरक्षक कमलेश पिता दिल सिंह ठाकुर 29 वर्ष के द्वारा की गई रिपोर्ट पर आरोपी प्रियांशु रामटेके, हिमांशु राहंगडाले, अंकित मानेश्वर, साजिद अली, मानू मरकाम, राजा वाघाड़े मोहित चक्रवर्ती और आनंद मरावी के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3)भादवि और धारा 3(1)द ध,3(2)ड्क क अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट